दैनिक
भीम प्रज्ञा
PRGI No. RJHIN/25/A3844 डाक पंजीयन G/JJN/053/2024-25 Valid up to 31 dec. 2025
2009 से स्थापित
सम्यक, न्याय, स्वतंत्रता, समानता, बंधुता, एवं सामाजिक चेतना के लिए रचनात्मक पत्रकारिता
www.bheempragya.in | वर्ष-1 | अंक-15 | झुंझुनू (राजस्थान) | शुक्रवार, 5 दिसंबर, 2025 | Email.bheempragya@gmail.com | पृष्ठ-8 | मूल्य: 5.00

गांव के गुवाड़ से निकलकर प्रकाशित होने वाले दैनिक अखबार भीम प्रज्ञा की मजबूती के लिए पाठक बनिए और बनाइए अपनी प्रतिक्रिया दीजिए
हेल्पलाइन - 9983040937
Bheem Pragya publication
A/C No: 61347330768
IFSC Code- SBIN0031880
Phone pe , G-pay
9983040937

भीम प्रज्ञा अलर्ट

'सोच ऊँची हो तो रास्ते अपने-आप बन जाते हैं, वरना मंज़िलें भी उन्हीं को ठुकरा देती हैं जो बहाने बनाते रहते हैं।'

'पूरी ढाणी बीजेपी की वोटर लेकिन सड़क नहीं बन पाई'

मंत्री दिलावर से ग्रामीण बोले- मैं पहले भी आपसे शिकायत कर चुका, कोई समाधान नहीं

भीम प्रज्ञा न्यूज

टोंक। शिक्षा एवं पंचायतीराज मंत्री मदन दिलावर ने गुरुवार को जिला मुख्यालय टोंक के कृषि ऑडिटोरियम में आयोजित स्वच्छता ही सेवा कार्यशाला में पहुंचे। यहां उन्होंने ग्रामीणों और जनप्रतिनिधियों से संवाद भी किया। इस दौरान मंडावर पंचायत की देवगंज ढाणी का रामस्वरूप जाट का गुस्सा फूट पड़ा। उन्होंने कहा- पूरी ढाणी बीजेपी की वोटर है इसके बावजूद उनके उनकी ढाणी को पक्की सड़क से जोड़ने वाली सड़क कच्ची है। डेढ़ किमी का यह कच्चा रास्ता बारिश के दिनों में दलदल बन जाता है। स्कूली बच्चे समेत ढाणी के लोग बारिश के दिनों में पैदल नहीं निकल पाते हैं, वे ट्रैक्टर ट्रॉली से इस डेढ़ किमी का रास्ता पार करते हैं। रामस्वरूप ने दिलावर से यह भी कहा कि आपसे भी मैं पहले मिलकर शिकायत कर चुका हूं लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। तीन साल से कितने ही धरना प्रदर्शन किए, लेकिन रोड पक्का नहीं बना। ग्रेवल के नाम पर 47 फर्जी मस्टरोल भरकर पैसा उठा लिया। पंचायतों में भ्रष्टाचार है, पैसे खा गए। चरागाह भूमि पर अतिक्रमण है।

दिलावर ने उनकी बात सुन जल्द राहत दिलाने की बात कही

वहीं मेहंदवास के ग्रामीण ने कहा कि हमारी पंचायत में सफाई नहीं होती है। इस पर VDO को बुलाया तो ग्रामीणों ने कहा ये तो नए हैं। लेकिन, सही व्यक्ति है बाकी के लोग हमारी नहीं सुनते। ग्रामीणों ने ये भी कहा कि आप बिना सूचना के औचक निरीक्षण करो तब सारी पोल खुल जाएगी।

कार्यक्रम के दौरान पंचायतीराज विभाग द्वारा जिले में 12 करोड़ रुपए से अधिक राशि के 168 कार्यों का बटन दबाकर लोकार्पण व शिलान्यास कर आमजन को विकास की सौगात दी।

कला शिक्षकों के पद सृजित कर भर्ती करने की मांग उठाई

कला शिक्षक अभ्यर्थियों के प्रतिनिधि मंडल ने अनिवार्य कला शिक्षा विषय के कला शिक्षकों के द्वितीय व तृतीय श्रेणी के जल्द पद सृजित कर भर्ती की मांगों को लेकर शिक्षा मंत्री मदन दिलावर को ज्ञापन सौंपा। इस अवसर पर कलाकारों ने उनका चारकोल चित्र स्केच भी भेंट किया। जिसकी शिक्षा मन्त्री ने प्रंशसा की। प्रतिनिधि मंडल में वरिष्ठ चित्रकार शाहिद नकवी,पुरूषोत्तम सोनी, नित्यानंद महावर, जितेन्द्र रघुवंशी, महेंद्र वर्मा,संजय बारेठ,हंसराज गुर्जर लवेश वर्मा ,पायल मजूमदार ,मनीषा बैरवा, पायल चावला ,महेश गुर्जर आदि कलाकार कला प्रेमी,चित्रकार, संगीतकार मौजूद थे।

मंत्री चौधरी बोले भ्रष्टाचार बर्दाश्त नहीं

जलदाय मंत्री कन्हैया लाल चौधरी ने कहा कि भ्रष्टाचार को किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। स्वच्छता के संस्कार बचपन से ही देने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में जनता सर्वोपरि है और जनता के पैसे से ही विकास कार्यों को किया जाता है, इसमें भ्रष्टाचार नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार जीरो टॉलरेंस पर कार्य कर रही हैं। भ्रष्टाचार को किसी भी सूरत में बर्दाश्त नही किया जाएगा।

स्वच्छता की शपथ दिलाई, स्वदेशी पर जोर दिया

मंत्री दिलावर ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वर्ष 2014 में स्वच्छ और स्वस्थ भारत बनाने के लिए एक राष्ट्रीय मिशन के रुप स्वच्छता अभियान की शुरुआत की थी। इसके लिए सब प्रयास करे। मंत्री ने पॉलिथीन के उपयोग को मानव जीवन के लिए खतरा बताया। साथ ही इसके दुष्प्रभावों से बचने की सलाह दी। दिलावर ने कहा कि स्वदेशी एवं आत्मनिर्भर भारत से ही हम आर्थिक महाशक्ति बन सकते है। उन्होंने स्वदेशी सामानों को खरीदने पर जोर देते हुए कहा कि इसमें हमारे देश के कामगारों के मेहनत का पसीना होता है। साथ ही रोजगार के अवसर भी बढ़ते है।

हर पंचायत को हर माह एक लाख रुपए देते हैं

पंचायतीराज मंत्री दिलावर ने कहा कि सरकार द्वारा हर ग्राम पंचायत में स्वच्छता के लिए प्रत्येक माह एक लाख रुपए की राशि दी जाती है, इसे उचित प्रबंधन के साथ खर्च करने की इच्छा शक्ति होनी चाहिए। उन्होंने गांवों में स्वच्छता को बढ़ावा देने के लिए बर्तन बैंक को अपनाने पर जोर दिया। इसके लिए विधायक कोष से प्रत्येक ग्राम पंचायत को एक लाख रुपए की राशि से बर्तन खरीदने की स्वीकृति दी गई है, ताकि सामाजिक आयोजनों में प्लास्टिक का उपयोग नही हो, और पर्यावरण को नुकसान नही पंहुचे। उन्होंने जिला प्रमुख सरोज बंसल की तारीफ करते हुए कहा कि टोंक जिले की सभी 228 ग्राम पंचायतों में जिला परिषद मद से यह कार्य पूर्ण हो चुका है। इससे गांवों में 30 प्रतिशत स्वच्छता स्वत: हो जाएगी। कैबिनेट मंत्री ने स्वदेशी अपनाने और अपने आस-पास के वातावरण को स्वच्छ रखने की शपथ दिलाई।

SOG ने तीन फर्जी डॉक्टर्स को किया गिरफ्तार:

विदेश में MBBS कर आए इंडिया, FMGE का फर्जी सर्टिफिकेट बनवाकर की इंटर्नशिप

भीम प्रज्ञा न्यूज

जयपुर। स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (स्हत) ने गुरुवार को बड़ी कार्रवाई को अंजाम देते हुए तीन फर्जी डॉक्टर को गिरफ्तार किया। तीनों आरोपी डॉक्टर्स ने विदेश से एमबीबीएस कर FMGE का फर्जी सर्टिफिकेट लेकर इंडिया में इंटर्नशिप की। फिलहाल आरोपी डॉक्टर्स से एसओजी पूछताछ कर रही है। गिरफ्तार आरोपियों के नाम डॉ. पीयूष कुमार त्रिवेदी निवासी प्रेम रूक्मणी दौसा, डॉ. शुभम गुर्जर निवासी खेरवाल दौसा और डॉ. देवेन्द्र सिंह गुर्जर निवासी खुरी कला दौसा है।

आरोपी डॉ. पीयूष ने साल-2020 में जॉर्जिया से किया था MBBS

इसके बाद एसओजी ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरु कर दी। जांच में सामने आया कि आरोपी डॉ. पीयूष ने साल-2020 में जॉर्जिया से MBBS किया था। भारत में मेडिकल प्रैक्टिस के लिए अनिवार्य FMGE परीक्षा को उसने साल-2022, 2023 और 2024 में तीन बार दिया। तीनों बार दी परीक्षा में वह फेल हो गया। फर्जी डॉ. पीयूष कुमार त्रिवेदी निवासी प्रेम रूक्मणी दौसा, डॉ. शुभम गुर्जर निवासी खेरवाल दौसा और डॉ. देवेन्द्र सिंह गुर्जर निवासी खुरी कला दौसा को गिरफ्तार किया। फर्जी डॉ. पीयूष कुमार त्रिवेदी निवासी प्रेम रूक्मणी दौसा, डॉ. शुभम गुर्जर निवासी खेरवाल दौसा और डॉ. देवेन्द्र सिंह गुर्जर निवासी खुरी कला दौसा को गिरफ्तार किया। आरोपी डॉ. पीयूष ने करौली मेडिकल कॉलेज में इंटर्नशिप की पूरी उन्होंने बताया कि बार-बार असफल होने पर उसके परिचित डॉ. देवेन्द्र सिंह गुर्जर से कॉन्टैक्ट किया। देवेन्द्र ने अपने साथी डॉ. शुभम गुर्जर और अन्य लोगों के साथ मिलकर 16 लाख रुपए में फेक सर्टिफिकेट और NMC का रजिस्ट्रेशन दिलवा दिया। इसी फर्जी सर्टिफिकेट के आधार पर पीयूष ने करौली मेडिकल कॉलेज में इंटर्नशिप पूरी कर ली। वहीं डॉ. शुभम गुर्जर ने भी FMGE के फर्जी सर्टिफिकेट के आधार पर राजीव गांधी हॉस्पिटल अलवर में इंटर्नशिप की। डॉ. देवेन्द्र सिंह गुर्जर ने इसी गिरोह के माध्यम से फर्जी सर्टिफिकेट लेकर राजकीय मेडिकल कॉलेज दौसा से इंटर्नशिप पूरी की। एसओजी की प्रारंभिक जांच में सामने आया कि पेशेवर गिरोह बड़ी रकम लेकर विदेशी मेडिकल ग्रेजुएट्स को फर्जी सर्टिफिकेट दिलवाने का काम करता है। एसओजी की ओर से FMGE का फेक सर्टिफिकेट तैयार करने वाले नेटवर्क, बिचौलिए और फेक डिग्री लेकर इंटरर्नशिप कर चुके अन्य डॉक्टर्स की पहचान की जा रही है।

एसओजी ने सूचना पर कार्रवाई को दिया अंजाम

एडीजी (एसओजी) विशाल बंसल ने बताया कि एसओजी को सूचना मिली कि डॉ. पीयूष कुमार त्रिवेदी निवासी दौसा ने FMGE परीक्षा में पास नहीं होने के बावजूद गैंग की मदद से फेक FMGE सर्टिफिकेट तैयार कराया। उसी के आधार पर NMC से इंटर्नशिप की अनुमति हासिल कर ली। इंटर्नशिप के लिए राजकीय मेडिकल कॉलेज करौली का आवंटन भी हो गया था।

टोहाना एसडीएम आकाश शर्मा आईएएस ने बाल विवाह के खिलाफ दिलाई सामूहिक शपथ

भीम प्रज्ञा न्यूज़.टोहाना।

रजत विजय रंगा। एसडीएम आकाश शर्मा ने वीरवार को लघु सचिवालय परिसर में कर्मचारियों और नागरिकों को बाल विवाह के खिलाफ सामूहिक शपथ दिलाई। इस अवसर पर बाल विवाह जैसी कुप्रथा को जड़ से समाप्त करने और समाज में जागरूकता बढ़ाने का संदेश दिया गया। कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगों ने संकल्प लिया कि वे अपने स्तर पर बाल विवाह रोकने में सक्रिय भूमिका निभाएंगे। एसडीएम आकाश शर्मा ने कहा कि यह प्रथा बच्चों के भविष्य को प्रभावित करती है और उनके शिक्षा, स्वास्थ्य तथा विकास के अधिकारों को गंभीर नुकसान पहुँचाती है। उन्होंने कहा कि समाज में ऐसी रूढ़ियों को खत्म करने के लिए प्रत्येक व्यक्ति को जिम्मेदारी निभानी होगी, ताकि किसी भी परिवार या समुदाय में बच्चों को समय से पहले विवाह के लिए मजबूर न किया जाए। उन्होंने उपस्थित कर्मचारियों और नागरिकों से कहा कि यदि कहीं भी बाल विवाह की आशंका या प्रयास दिखाई दे, तो तुरंत संबंधित विभागों को सूचना दें, ताकि समय रहते उचित कार्रवाई की जा सके। एसडीएम ने कहा कि प्रशासन हर ऐसे मामले में संवेदनशीलता और तत्परता के साथ कदम उठाएगा। बाल विवाह को रोकने के लिए सामूहिक प्रयास जरूरी है। परिवार, समाज, शिक्षण संस्थान और प्रशासन एक साथ मिलकर ही बच्चों के लिए सुरक्षित और शिक्षित वातावरण बना सकते हैं। यदि सभी लोग अपने स्तर पर सतर्कता और जागरूकता दिखाएँ, तो इस कुप्रथा को पूरी तरह समाप्त किया जा सकता है। सभी उपस्थित कर्मचारियों और नागरिकों ने संकल्प लिया कि वे न केवल अपने परिवार में बल्कि पड़ोस और समुदाय में भी बाल विवाह नहीं होने देंगे और इससे संबंधित किसी भी गतिविधि की जानकारी प्रशासन तक पहुंचाएँगे।

सुपरवाइजर करमजीत कौर ने बताया कि बाल विवाह जैसी कुप्रथा को जड़ से समाप्त करने के लिए 4 दिसंबर से लेकर सो दिनों तक हर रोज आंगनबाड़ी केंद्र और गांव में जागरूकता कार्यक्रम के माध्यम से नागरिकों को जागरूक किया जाएगा। जिस का मुख्य संदेश हर बच्चा सुरक्षित बचपन, उचित शिक्षा और बेहतर भविष्य का अधिकारी है, और इसी दिशा में समाज को एकजुट होकर कार्य करना होगा। इस दौरान डीएसपी उमेद सिंह, नायब तहसीलदार रसविंदर सिंह, बीडीपीओ राहुल श्योकंद, बलजीत सिंह, एआईपीआरओ डॉ विनय बेनीवाल, अधीक्षक मुकेश बजाज, एसईपीओ माया गोदारा, कृषि विषय विशेषज्ञ अजय ढिल्लो, सुपरवाइजर रचना, पोषण कॉर्डिनेटर नेन्सी, पुष्प राज सहित अन्य कर्मचारी व नागरिक मौजूद रहें।

बीकानेर: खारा ग्राम पंचायत में वायु प्रदूषण का विकराल रूप, ग्रामीण चिंतित

भीम प्रज्ञा न्यूज़.बीकानेर।

सोहनलाल परिहार। खारा ग्राम पंचायत के निवासियों ने क्षेत्र में वायु प्रदूषण के विकराल रूप को लेकर गहरी चिंता व्यक्त की है और इस संबंध में जिला कलेक्टर महोदय को एक शिकायत पत्र भेजा है। ग्रामीणों का आरोप है कि प्रदूषण ने गाँव और आस-पास के पर्यावरण को बुरी तरह से प्रभावित किया है, जिससे लोगों और जीव-जंतुओं के स्वास्थ्य पर गंभीर खतरा मंडरा रहा है।शिकायत पत्र के अनुसार, प्रदूषण का मुख्य कारण आर.एस.पी.सी.बी. जोधपुर नियम विरुद्ध आवासीय क्षेत्र के पास स्थित मिनरल जॉन है। यह ज़ोन ग्राम पंचायत खारा की आबादी से मात्र 100 मीटर की दूरी पर है।ग्रामीणों का कहना है कि यहाँ से उड़ने वाली धूल और एल.पी.जी. गैस का रिसाव आसपास की वनस्पति, जीव-जंतु, और इमारतों को नुकसान पहुँचा रहा है। शिक्षा पर असर: मिनरल ज़ोन के निकट स्थित सेकेंडरी स्कूल एवं स्वास्थ्य केंद्र की स्थिति भी अत्यंत भयावह है। स्कूल के बच्चों, मरीज़ों और पशु-पक्षियों पर इसका सीधा दुष्प्रभाव पड़ रहा है। अवैध गतिविधियाँ: पत्र में यह भी उल्लेख किया गया है कि औद्योगिक इकाइयों का निर्माण भी प्रदूषण नियंत्रण के नियमों का पालन नहीं कर रहा है। इसके अलावा, प्रतिबंधित पैराली (फसल अवशेष) जैसी चीज़ें भी धड़ल्ले से जलाई जा रही हैं, और कई फैक्टरियाँ अत्यधिक प्रदूषण फैला रही हैं, जिसका खामियाज़ा खाड़ा और आस-पास के गाँवों को भुगतना पड़ रहा है।

प्रशासन से तत्काल हस्तक्षेप की मांग

ग्रामवासियों ने प्रशासन से इस गंभीर समस्या को रोकने के लिए तत्काल कदम उठाने की मांग की है। उनकी प्रमुख माँगें खारा स्थित मिनरल ज़ोन को कहीं अन्य स्थान पर स्थानांतरित किया जाए। समस्त औद्योगिक इकाइयों को प्रदूषण नहीं फैलाने के लिए पाबंद किया जाए। ग्रामीणों ने पत्र के अंत में प्रशासन को चेतावनी दी है कि यदि उनकी सुनवाई नहीं होती है तो वे आगामी सोमवार से अपने बच्चों को स्कूल नहीं भेजेंगे। इसके बावजूद अगर कोई कार्रवाई नहीं होती है, तो वे आगामी दिनों में समस्त ग्रामवासी खाड़ा से समस्त ज़ोन-माल लेकर ज़िला कलेक्टर पर धरना देंगे। यह शिकायत पत्र ग्रामवासियों और प्रदूषण हटाओ, खारा बचाओ संघर्ष समिति की ओर से जिला कलेक्टर को प्रेषित किया गया है।

पिलानी में नाबालिग दुष्कर्म: 7 लोग भूख हड़ताल पर: पुलिस पर लगाए कार्रवाई नहीं करने के आरोप, विधायक काला ने भी की कार्रवाई की मांग

भीम प्रज्ञा न्यूज़.पिलानी।

पिलानी थाना क्षेत्र में एक नाबालिग से दुष्कर्म के मामले में आरोपियों की गिरफ्तारी न होने से नाराज भीम आर्मी के 7 लोगों ने बुधवार से पंचवटी के पास डॉ भीमराव अम्बेडकर प्रतिमा स्थल पर अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल शुरू कर दी है। अनशनकारियों के समर्थन में पिलानी विधायक पीतराम काला भी धरनास्थल पर पहुंचे। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से जल्द से जल्द आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग की। विधायक काला ने कहा कि पीड़िता को न्याय दिलाना पहली प्राथमिकता है और इस मामले में किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।भूख हड़ताल शुरू करने वालों में सत्यवान इनदासर, सोमबीर आजाद, विकास आल्हा, प्रीतम बिजोली, मनोज कुमार और मदनलाल शामिल हैं।

अनशनकारियों का आरोप है कि पुलिस ने इस मामले में अभी तक आरोपियों को गिरफ्तार नहीं किया है, जिससे पीड़ित परिवार को न्याय नहीं मिल पा रहा है। इसी नाराजगी के चलते पहले आंदोलन शुरू किया गया और बाद में सभी ने भूख हड़ताल पर बैठने का निर्णय लिया।फिलहाल प्रशासन की ओर से अनशनकारियों से बातचीत की कोशिश की जा रही है। इससे पहले एडिशनल एसपी फूलचंद मीणा ने भी अनशन स्थल पर पहुंचकर प्रदर्शनकारियों से बात की थी।

डॉ. अनंत शर्मा को मिलेगा 'अटल सार्क गौरव अवार्ड'

भीम प्रज्ञा न्यूज़.नवलगढ़।

कमल किशोर पंवार। भारत की शक्ति को वैश्विक स्तर पर बढाने वाले संगठन अन्तर्राष्ट्रीय समरसता मंच द्वारा सार्क राष्ट्रो के स्थापना दिवस की पूर्व संध्या दिनांक 07 दिसम्बर 2025 को भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती का शुभारम्भ कार्यक्रम राजधानी जयपुर में भव्य रूप से आयोजित की जा रही है। मंच के संयोजक डॉ0 कुलदीप प्रसाद शर्मा एडवोकेट ने बताया की डॉ.अनंत शर्मा, प्राचार्य, विनायक इंटरनेशनल स्कूल, फतेहपुर शेखावाटी जिला सीकर का इस समारोह में मंच के प्रेरणा स्रोत अतिथियो द्वारा अटल सार्क गौरव अवार्ड से अभिनन्दन किया जायेगा। अन्तर्राष्ट्रीय समरसता मंच के मुख्य उद्देश्य भारत-नेपाल की वैदिक कालीन संस्कृति का पुर्न उत्थान हो, भारत पुन: वैदिक

कालीन जगत गुरू के आसन पर पद् स्थापित हो, भारत को सुरक्षा परिषद् में विटो पावर के साथ स्थाई सदस्यता मिले, अयोध्या को संयुक्त राष्ट्र का मुख्यालय बनाया जावे को बढावा देने पर आमन्त्रित किया गया है। मंच के समारोह अध्यक्ष एच. सी. गणेशिया प्रसिद्ध कानुन विद् एंव ग्लोबल चांसलर रोमा इन्टरनेशनल कल्चर विश्व विद्यालय नई दिल्ली' ने बताया की डॉ अनंत शर्मा का चयन कर्म स्थली से विकास तक सेवा कार्यों का अवलोकन करने पर इनके द्वारा किये जा रहे नवाचारो के कार्यों को आगे बढाने के लिए भारत रत्न के सम्मान में होने वाले समरोह में 'अटल सार्क गौरव अवार्ड' से 25 राष्ट्रो के राष्ट्र ध्वजो (भारत, नेपाल, भुटान, अफगानिस्तान, अल्जीरिया, एंगोला, ऑस्ट्रिया, क्रोएटिया, फिनलैण्ड, तुनिशियाँ, जर्मनी, ईराक, इजराईल, मैकडोनिया, मोरक्को, नीदरलैण्ड, नाईजीरिया, नार्वेजियन, रोमानिया, रायल डेनिश, श्रीलंका, मालदीव, किर्गिजस्तान, फिलस्तीन, फिजी) के सानिध्य में अभिनन्दन किया जायेगा। डॉ अनंत शर्मा द्वारा भारत की शक्ति, प्रतिष्ठा, पंचशील सिद्धान्तो पर अपना उद्बोधन देकर समारोह को सम्बोधित कर मंच की कार्ययोजना को वैश्विक स्तर पर बढाने में सहयोग करेंगे।

चार श्रम संहिताओं को लागू करने के बाद, भारत में रोजगार के लाखों अवसर निर्मित होंगे

प्रहलाद सबनानी

हालांकि पिछले दशक में, भारत में सामाजिक सुरक्षा कवरेज का व्यापक विस्तार किया गया है, इससे सामाजिक सुरक्षा योजना में शामिल कार्यबल की संख्या वर्ष 2015 के लगभग 19 प्रतिशत से बढ़कर वर्ष 2025 में 64 प्रतिशत से अधिक हो गई है। साथ ही, यह भी सुनिश्चित किया गया है कि देश भर के श्रमिकों को सुरक्षा और सम्मान मिले और सामाजिक सुरक्षा के क्षेत्र में प्राप्त की गई उक्त बड़ी उपलब्धि के लिए भारत ने वैश्विक स्तर पर मान्यता भी अर्जित की है। चार श्रम संहिताओं का कार्यान्वयन इस व्यापक बदलाव में अगला बड़ा कदम है, जो सामाजिक सुरक्षा की प्रणाली को और सशक्त करता है और राज्यों तथा सेक्टरों तक विभिन्न लाभों को पहुंचाता है।

21 नवम्बर 2025 से भारत में चार श्रम संहिताओं (वेतन संहिता 2019, औद्योगिक सम्बंध संहिता 2020, सामाजिक सुरक्षा संहिता, 2020 एवं व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य और कार्य शर्त संहिता, 2020) को लागू कर दिया गया है। इन चार श्रम संहिताओं के माध्यम से भारत में पूर्व में लागू 29 श्रम कानूनों को आसान और कारगर बनाए जाने का प्रशंसनीय प्रयास केंद्र सरकार द्वारा किया गया है। उक्त चार श्रम संहिताओं का लागू किया जाना भारत के श्रमबल के लिए उचित वेतन, श्रमिकों की सामाजिक सुरक्षा, उनकी रक्षा एवं उनके बेहतर कल्याण के क्षेत्र में एक बड़े बदलाव की शुरूआत भी माना जा रहा है। इससे भारत में मजबूत उद्योग की नींव रखी जाकर रोजगार के लाखों नए अवसर निर्मित किए जा सकेंगे। इन चार श्रम संहिताओं के माध्यम से भारत के श्रमिकों को वैश्विक मानकों के अनुरूप ढालने का प्रयास भी किया जाएगा एवं उनके लिए सामाजिक न्याय सुनि ित किया जा सकेगा जो अंततः भारत को प्रत्येक क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने में सहायक होगा।

भारत में अभी तक लागू 29 श्रम कानूनों में से कुछ तो देश की आजादी से पूर्व एवं आजादी के तुरंत बाद के खंडकाल (वर्ष 1930 से 1950 के बीच) में बनाए गए थे। विश्व के अन्य देशों में पुराने श्रम कानूनों में पर्याप्त बदलाव कर वैश्विक स्तर पर हुए आर्थिक बदलावों के अनुरूप बनाकर नए श्रम कानूनों को लागू किए हुए एक अरसा हो चुका है परंतु भारत में अभी भी 29 केंद्रीय श्रम कानूनों का अनुपालन किया जा रहा था, जो अपने आप में बिखरे हुए हैं, पेचीदा हैं, एवं अति पुराने नियमों के अंतर्गत चलायमान रहे हैं, इससे अंततः भारत में इतने लम्बे समय तक, आजादी के 75 वर्षों के बाद भी, श्रमिकों के साथ अन्याय किया जाता रहा है। इससे भारत में औद्योगिक प्रगति भी एक तरह से बाधित ही होती रही है और आर्थिक प्रगति को भी कहीं न कहीं विपरीत रूप से प्रभावित करती रही है। उक्त चार श्रम सहिताओं को लागू करने के बाद औपनिवेशिक सोच को पीछे छोड़कर नए भारत की नींव रखने का प्रयास किय जा रहा है। साथ ही, आधुनिक वैश्विक प्रवाह के साथ तालमेल बिठाने की लंबे समय से चली आ रही जरूरत को पूरा किया जा रहा है। उक्त चार संहिताएं मिलकर मजदूरों और कंपनियों दोनों को मजबूत बनाएंगे एवं एक ऐसा श्रमबल तैयार करेंगे जो सुरक्षित, उत्पादक और काम की बदलती हुई दुनिया के साथ तालमेल बिठाएंगे, इससे भारत को अधिक मजबूत, प्रतिस्पर्धी और आत्मनिर्भर बनाने का रास्ता साफ होगा।

भारतीय स्टेट बैंक द्वारा जारी एक अनुसंधान प्रतिवेदन में बताया गया है कि भारत में उक्त चार श्रम सहिताओं को लागू करने के बाद बेरोजगारी की दर में कमी होगी, रोजगार के नए अवसर निर्मित होंगे, बढ़ी संख्या में अनौपचारिक क्षेत्र में

कार्य कर रहा श्रमबल औपचारिक क्षेत्र में हस्तांतरित होगा और इससे उनकी मजदूरी की दर में वृद्धि होगी, श्रमिकों की बचत की क्षमता में वृद्धि होगी एवं उनकी खर्च करने की क्षमता भी बढ़ेगी। इससे कुल मिलाकर देश में विभिन्न उत्पादों की मांग में वृद्धि दर्ज होगी। उक्त अनुसंधान प्रतिवेदन के अनुसार, वर्तमान में, भारत में लगभग 44 करोड़ श्रमिक अनौपचारिक क्षेत्र में कार्य कर रहे हैं, इनमें से 31 करोड़ श्रमिक भारत के ई-श्रम पोर्टल पर रजिस्टर्ड हैं। उक्त श्रमिकों में से यदि केवल 20 प्रतिशत श्रमिक ही अनौपचारिक क्षेत्र से औपचारिक क्षेत्र में हस्तांतरित हो जाएं तो लगभग 10 करोड़ श्रमिक औपचारिक क्षेत्र में बढ़ जाएंगे, जिससे उन्हें बढ़ी हुई दर से मजदूरी एवं सेवा निवृत्ति के समस्त लाभ मिलना प्रारम्भ हो जाएंगे। इससे अंततः भारत में कुल कार्यरत श्रमिकों में से 80-85 प्रतिशत श्रमिक भारत की सामाजिक सुरक्षा योजना में शामिल हो जाएंगे। एक अन्य अनुसंधान प्रतिवेदन के अनुसार, आज भारत में कुल श्रमिकों का लगभग 60.4 प्रतिशत भाग औपचारिक क्षेत्र में कार्य कर रहा है, उक्त वर्णित चार श्रम संहिताओं के लागू होने के बाद अनौपचारिक क्षेत्र में से लगभग 15.1 प्रतिशत भाग औपचारिक क्षेत्र में शामिल हो जाने वाला है। इस प्रकार, औपचारिक क्षेत्र में कार्य करने वाले श्रमबल की संख्या बढ़कर 75.5 प्रतिशत हो जाएगी।

भारतीय स्टेट बैंक के उक्त वर्णित अनुसंधान प्रतिवेदन के अनुसार, भारत में चार श्रम संहिताओं को लागू करने के बाद आगे आने वाले समय में बेरोजगारी की दर में भी लगभग 1.3 प्रतिशत तक की कमी दर्ज हो सकती है क्योंकि देश में रोजगार के लगभग 77 लाख नए अवसर निर्मित होने की सम्भावना व्यक्त की गई है। इससे, कार्य कर सकने वाली उम्र के श्रमिकों की संख्या भी 60.1 प्रतिशत से बढ़कर 70.7 प्रतिशत तक पहुंचने की सम्भावना है। श्रमिकों के अनौपचारिक क्षेत्र से औपचारिक क्षेत्र में हस्तांतरित होने के कारण श्रमिकों की उपभोग क्षमता में भी वृद्धि की सम्भावना व्यक्त की गई है। इस संदर्भ किए गए अनुसंधान के अनुसार, प्रत्येक श्रमिक की प्रतिदिन लगभग 66 रुपए की अतिरिक्त खर्च करने की क्षमता में वृद्धि दर्ज होगी और इससे कुल मिलाकर पूरे देश में लगभग 75,000 करोड़ रुपए की विभिन्न उत्पादों की अतिरिक्त मांग निर्मित होगी।

भारत में लागू की गई चार श्रम संहिताओं के बाद समस्त कामगारों को नियुक्ति पत्र प्रदान करना अनिवार्य कर दिया गया है, ताकि श्रमिकों को औपचारिक क्षेत्र में मिलने वाले समस्त लाभ मिल सकें। साथ ही, रोजगार के सम्बंध में लिखित में सबूत उत्पन्न होने से पारदर्शिता तथा श्रमिकों को रोजगार की गारंटी एवं पक्का रोजगार उपलब्ध होगा। सामाजिक सुरक्षा संहिता, 2020 के अंतर्गत गिग एवं प्लेटफार्म श्रमिकों सहित समस्त कामगारों को सामाजिक सुरक्षा के लाभ उपलब्ध होंगे। सभी कामगारों को पीएफ, ईएसआईसी, बीमा और अन्य सामाजिक सुरक्षा लाभ मिलने प्रारम्भ होंगे। वर्तमान में श्रमिकों का एक बड़ा वर्ग न्यूनतम मजदूरी की सीमा से बाहर रखा जा रहा था क्योंकि न्यूनतम मजदूरी केवल अधिसूचित उद्योगों/रोजगार पर ही लागू थी। परंतु, अब वेतन संहिता, 2019 के अंतर्गत, समस्त कर्मचारियों को न्यूनतम वेतन भुगतान पाने का कानूनी अधिकार प्रदान कर दिया गया है। न्यूनतम मजदूरी एवं समय पर वेतन के भुगतान से श्रमिकों की वित्तीय सुरक्षा को बेहतर किया जा सकेगा। साथ ही, अब नियोक्ताओं के लिए 40 वर्ष से अधिक की आयु के समस्त कर्मचारियों की मुफ्त स्वास्थ्य जांच कराना आवश्यक कर दिया गया है। समय पर निवारक स्वास्थ्य सेवा संस्कृति को विकसित किया जाना ही चाहिए। महिला कार्यबल को सभी स्थानों पर समस्त प्रकार के काम करने की इजाजत दे दी गई है, लेकिन इसके लिए सबंधित मातृशक्ति की सहमति होना अनिवार्य किया गया है एवं मातृशक्ति के आवश्यक सुरक्षा उपाय भी किए जाना आवश्यक होगा। साथ ही, कई प्रकार के आर्थिक लाभ भी औपचारिक क्षेत्र में शामिल होने वाले श्रमिकों को प्रदान किए गए हैं।

आज भारतीय अर्थव्यवस्था, पूरे विश्व की बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के बीच, सबसे तेज गति से आगे बढ़ती हुई अर्थव्यवस्था बन गई है और भारत आज प्रयासरत है कि देश में बड़े आकार के उद्योगों का जाल फैले ताकि भारत के विकास में उद्योग क्षेत्र का योगदान भी बढ़े। उद्योग क्षेत्र में सामान्यतः श्रमिकों का शोषण किए जाने की कई घटनाएं सामने आती रही हैं। अतः श्रमिकों के हितों की रक्षा करने के उद्देश्य से एवं देश में उद्योग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से उक्त चार श्रम संहिताओं को लागू किया गया है। भारत के श्रमिकों को आज वैश्विक स्तर पर इस संदर्भ में लागू मानदंडो पर अपने आप को खरा उतारना होगा। इसके बाद ही भारत में निर्मित उत्पाद विश्व के अन्य देशों में निर्मित उत्पादों से प्रतिस्पर्धा कर सकेंगे। कुल मिलाकर भारतीय उद्योग को वैश्विक स्तर पर ले जाने में श्रमिकों की अहम भूमिका रहने वाली है अतः उनके हितों की देखरेख भी उचित तरीके से किया जाना आवश्यक है। चार श्रम संहिताएं इस दृष्टि से अपनी सार्थक भूमिका निभाएंगी, ऐसी उम्मीद की जा रही है।

हालांकि पिछले दशक में, भारत में सामाजिक सुरक्षा कवरेज का व्यापक विस्तार किया गया है, इससे सामाजिक सुरक्षा योजना में शामिल कार्यबल की संख्या वर्ष 2015 के लगभग 19 प्रतिशत से बढ़कर वर्ष 2025 में 64 प्रतिशत से अधिक हो गई है। साथ ही, यह भी सुनि ित किया गया है कि देश भर के श्रमिकों को सुरक्षा और सम्मान मिले और सामाजिक सुरक्षा के क्षेत्र में प्राप्त की गई उक्त बड़ी उपलब्धि के लिए भारत ने वैश्विक स्तर पर मान्यता भी अर्जित की है। चार श्रम संहिताओं का कार्यान्वयन इस व्यापक बदलाव में अगला बड़ा कदम है, जो सामाजिक सुरक्षा की प्रणाली को और सशक्त करता है और राज्यों तथा सेक्टरों तक विभिन्न लाभों को पहुंचाता है। विस्तारित सामाजिक सुरक्षा, मजबूत सुरक्षा और अधिकारों की राष्ट्रव्यापी पोर्टेबिलिटी के साथ, संहिता श्रमिकों, विशेष रूप से महिलाओं, युवाओं, असंगठित, गिग और प्रवासी श्रमिकों को श्रम शासन के केंद्र में मजबूती से रखती है। अनुपालन के बोझ को कम करके और लचीली, आधुनिक कार्य प्रणाली को सक्षम करके, यह संहिता रोजगार, कौशल और उद्योग विकास को बढ़ावा देती है और एक श्रमिक समर्थक, महिला समर्थक, युवा समर्थक और रोजगार समर्थक श्रम-इकोसिस?टम की दिशा में सरकार की प्रतिबद्धता की पुष्टि करती है।

सम्पादकीय

एडवोकेट हरेश पंवार

Contact No. 9983040937

मैं बोलूंगा तो फिर कहोगे कि बोलता है

गलतियां: जीवन की अनिवार्य पाठशाला और मन के भ्रमों से मुक्ति का मार्ग

मनुष्य होने का अर्थ है–सोचना, समझना, निर्णय लेना और कभी-कभी उन निर्णयों में चूक जाना। इसलिए गलतियां सिर्फ एक घटना नहीं, बल्कि मानव जीवन की निरंतर चलने वाली प्रक्रिया हैं। कोई भी व्यक्ति, चाहे वह कितना ही बुद्धिमान, अनुभवी या शिक्षित क्यों न हो, गलती करने से मुक्त नहीं हो सकता। दरअसल, गलतियां हमारी परिपक्वता का आधार बनती हैं, हमारे निर्णयों को सुधारती हैं और हमारे जीवन को दिशा देती हैं। लेकिन समस्या तब पैदा होती है जब गलतियां हमारे मन में भ्रम, आत्मग्लानी और अनिश्चितता पैदा कर देती हैं। यही वह मोड़ है जहां व्यक्ति को समझदारी, धैर्य और आत्मविश्लेषण की सबसे अधिक आवश्यकता होती है। यह हमें बोलूंगा तो फिर कहोगे कि बोलता है।

जीवन में हम दो तरह की गलतियां करते हैं–अनजाने में होने वाली और जानबूझकर की जाने वाली। अनजाने में हुई गलती इंसानियत का हिस्सा है, लेकिन जानबूझकर की गई गलती, गलती नहीं बल्कि चरित्र का दोष और सोच की कमजोरी कहलाती है। अनजानी गलती में सुधार की गुंजाइश होती है, परंतु योजनाबद्ध गलती व्यक्ति के संकल्प और मूल्य प्रणाली पर प्रश्नचिह्न लगाती है। इसलिए हमें पहले खुद से यह ईमानदार स्वीकार करना चाहिए कि गलती कब भूल थी और कब वह एक गलत इरादे का परिणाम। गलतियों से उत्पन्न सबसे बड़ी समस्या यह है कि वे मनुष्य के दिमाग को भ्रम में डाल देती हैं। एक छोटी सी गलती भी हमारे भीतर संदेह, भय और मानसिक तनाव पैदा कर देती है। इसे मनोविज्ञान में संज्ञानात्मक विसंगति कहा जाता है–जहाँ हमारे निर्णय, हमारे मूल्य और हमारी वास्तविकता आपस में टकराने लगते हैं। कोई भी गलती व्यक्ति को दो राहों पर खड़ा कर देती है–या तो वह खुद को दोष देकर निराशा में डूब जाए, या फिर वह गलती को स्वीकार कर उसे सुधारने की प्रक्रिया शुरू कर दे। पहला रास्ता व्यक्ति को अंधेरे में धकेल देता है, जबकि दूसरा रास्ता उसे मजबूत बनाता है, परिपक्व करता है और जीवन के लिए अधिक योग्य बनाता है।समस्या यह नहीं कि हमसे गलती हो गई। समस्या तब पैदा होती है जब हम अपनी गलती को मानने से इनकार करते हैं। इंसान की सबसे बड़ी दुर्बलता यही है कि वह अपने सही होने के भ्रम में जीना चाहता है। लेकिन इतिहास में वही लोग महान हुए हैं जिन्होंने स्वीकार किया कि वे गलत थे और सीखने के लिए स्वयं को तैयार किया। गलती स्वीकार करना कमजोरी नहीं, बल्कि साहस की चरम अभिव्यक्ति है। यह आत्मविश्वास का संकेत है कि इंसान अपने आप को बेहतर बनाना चाहता है।

गलतियों को सुधारने की कला भी उतनी ही महत्वपूर्ण है जितनी गलती न करने की इच्छा। गलती हो जाने पर उलझन, गुस्सा या हड़बड़ी में लिए गए निर्णय परिस्थिति को और खराब कर देते हैं। अक्सर देखा गया है कि व्यक्ति अपनी गलती पर पर्दा डालने के लिए और बड़ी गलती कर बैठता है। यही वह मनोवैज्ञानिक भ्रम है जो इंसान को वास्तविक दोष से कहीं अधिक नुकसान पहुंचाता है। इसलिए गलती होते ही पहला कदम शांत मन से स्वीकार करना, दूसरा कदम नुकसान को कम करना और तीसरा कदम उसे दोबारा न दोहराने की रणनीति बनाना होना चाहिए। गलतियाँ हमें विनम्र बनाती हैं। वे हमारे अहंकार को तोड़ती हैं और जीवन का वास्तविक स्वरूप दिखाती हैं। दूसरों की गलतियों को सहन करना और अपनी गलतियों को सुधारना–यही परिपक्व समाज की नींव है। लेकिन आज के समय में लोग दूसरों की भूलों को बढ़ा-चढ़ाकर दिखाते हैं और अपनी भूलों को मामूली बताने की कोशिश करते हैं। यह दृष्टिकोण समाज में अविश्वास और नफरत को बढ़ावा देता है। जीवन में यदि हम सीखने की मानसिकता अपनाएं तो गलतियाँ हमारे विरोधी नहीं, हमारे शिक्षक बन जाती हैं।

स्वयंसेवा वह सॉफ्टवेयर जो दुनिया को क्रैश होने से बचाता है

दिलीप कुमार पाठक

संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा हर साल 5 दिसंबर को स्थापित अंतर्राष्ट्रीय स्वयंसेवक दिवस स्वयंसेवकों के महत्वपूर्ण, निस्वार्थ योगदान को स्वीकार करने और उसे बढ़ावा देने का एक वैश्विक अवसर है।

समाज में स्वयंसेवा की आवश्यकता और महत्व से हम सभी भली-भांति परिचित हैं। जब कोरोना महामारी, विनाशकारी बाढ़, भूकंप जैसी भीषण आपदाएं आती हैं, तब सरकारी तंत्र के साथ-साथ स्वयंसेवक ही तत्काल राहत की बागडोर संभालते हैं। वे अग्रिम पंक्ति में खड़े होकर समाज की सामूहिक ज़िम्मेदारी का निर्वहन करते हैं, क्योंकि कोई भी सरकार अकेले हर चुनौती का सामना प्रभावी ढंग से नहीं कर सकती। स्वयंसेवा केवल संकटकालीन प्रतिक्रिया तक ही सीमित नहीं है; यह सामाजिक ताने-बाने को मजबूत करती है, हाशिए पर पड़े समुदायों को सशक्त बनाती है और सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। यह नागरिकों में ज़िम्मेदारी की भावना जागृत करती है और मानवीय एकजुटता का सबसे उत्कृष्ट उदाहरण है। यह पहल स्वयंसेवा के माध्यम से समग्र मानवता की बेहतरी के लिए बदलाव लाने की सामूहिक क्षमता की एक याद दिलाती है। यह विशेष दिन उन अनगिनत व्यक्तियों को सम्मानित करता है जो निस्वार्थ सेवा के लिए अपना बहुमूल्य समय समाज एवं मानवता के लिए समर्पित करते हैं। कई चुनौतियों और बाधाओं के बावजूद, वे अक्सर बिना किसी प्रचार या पहचान के अपना महत्वपूर्ण कार्य जारी रखते हैं। ये सभी स्वयंसेवक समाज के उत्थान के लिए अथक प्रयास करते हैं, और यह उल्लेखनीय है कि अधिकांश स्वयंसेवक अवैतनिक होते हैं, मतलब उन्हें इसके लिए कोई वेतन नहीं मिलता, बस समाज प्रेम का एक जज्बा होता है'

उनके कार्यों में विविधता शामिल है, जैसे जानवरों को बचाना, बुजुर्गों की सहायता करना, गरीबों की मदद करना और वंचितों को शिक्षित करना। विश्व स्तर पर, एक अरब से भी अधिक लोग अपने समुदायों को बेहतर बनाने के लिए अपना समय, प्रतिभा और ज्ञान का योगदान देते हैं। स्वयंसेवक समाज के हर स्तर और क्षेत्र में मौजूद हैं वे वंचित बच्चों और वयस्कों को व्यावहारिक देखभाल प्रदान करने से लेकर जटिल तकनीकी और कानूनी मुद्दों पर विशेषज्ञ सलाह देने तक, हर तरह से मदद करते हैं। हर व्यक्ति अपने साथ कुछ अनूठा कौशल और अनुभव लेकर आता है, जिससे सामूहिक प्रयास और मजबूत होते हैं। संयुक्त राष्ट्र की उप महासचिव ने इस विशेष दिन पर स्वयंसेवकों के अमूल्य योगदान के लिए उनका धन्यवाद किया और कहा कि वे विकास चुनौतियों और आम भलाई के लिए ठोस और व्यावहारिक समाधान लेकर आते हैं।

संयुक्त राष्ट्र महासभा वैश्विक स्तर पर स्वयंसेवकों द्वारा किए गए महत्वपूर्ण योगदानों को औपचारिक रूप से मान्यता देने वाली पहली संस्था थी। मानवीय प्रयासों और सतत आर्थिक व सामाजिक विकास में स्वयंसेवा की शक्ति को स्वीकार करते हुए, महासभा ने 17 दिसंबर 1985 को एक ऐतिहासिक प्रस्ताव 40/212 अपनाया। इस प्रस्ताव के परिणामस्वरूप, हर साल 5 दिसंबर को आर्थिक और सामाजिक विकास के लिए अंतर्राष्ट्रीय स्वयंसेवक दिवस के रूप में नामित किया गया। यह दिवस स्वयंसेवकों से जुड़े संगठनों और व्यक्तिगत स्वयंसेवकों को स्वयंसेवा के महत्व को बढ़ावा देने, सरकारों को इन प्रयासों का समर्थन करने के लिए प्रोत्साहित करने और दुनिया भर के स्वयंसेवकों के समर्पण को पहचानने का अवसर प्रदान करता है। सरकारों, नागरिक समाज संगठनों और संयुक्त राष्ट्र स्वयंसेवक कार्यक्रम जैसे संस्थानों ने स्वयंसेवी कार्य के महत्व के बारे में जन जागरूकता बढ़ाने के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। इस वैश्विक उत्सव का उद्देश्य दुनिया भर के लाखों स्वयंसेवकों को श्रद्धांजलि देना है, जो गरीबी, असमानता और जलवायु परिवर्तन जैसी वैश्विक चुनौतियों से निपटने के लिए अपना बहुमूल्य समय और प्रयास स्वेच्छा से समर्पित करते हैं। नतीजतन, आज दुनिया भर में एक अरब से अधिक लोग सक्रिय रूप से विभिन्न स्तरों (स्थानीय, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय) पर स्वेच्छा से अपनी सेवाएँ दे रहे हैं, जिससे समुदायों में सकारात्मक बदलाव आ रहा है।

स्वयं सेवा से जुड़े लोगों का उद्देश्य बहुत विशाल है, जो बेहतर दुनिया के लिए संकल्पित हैं, जैसे गरीबी समाप्त करना, सार्वभौमिक प्राथमिक शिक्षा स्थापित करना, लैंगिक समानता को बढ़ावा देना, महिलाओं को मतदान का अधिकार प्रदान करना, शिशु मृत्यु दर को कम करना, मातृ स्वास्थ्य को बेहतर बनाना, एचआईवी/एड्स, मलेरिया, डेंगू और अन्य गंभीर बीमारियों के प्रसार को रोकना, साथ ही पर्यावरणीय स्थिरता सुनि ित करना। हम सभी को उनके महत्वपूर्ण योगदान को स्वीकार करना चाहिए और उन्हें उचित सम्मान मिलना चाहिए। उनका काम दूसरों को खुश करता है और हमें सुरक्षित रखता है। हम इस दिन इन सामाजिक चेतना सम्पन्न एवं समाज के लिए संकल्पित लोगों का सम्मान करते हैं।

(छठी पुण्यतिथि पर विनम्र श्रद्धांजलि एवं प्रेरणा-दिवस विशेष लेख)

शिक्षा के शिखर पुरुष डॉ. बी.एल. मेहरड़ा : खेतड़ी क्षेत्र में ज्ञान के दीपक से जगमगायी नई सुबह

भीम प्रज्ञा न्यूज़ खेतड़ी।

खेतड़ी का नाम आज जिस सम्मान से लिया जाता है, उसकी पृष्ठभूमि में एक ऐसा व्यक्तित्व खड़ा है जिसने अपना संपूर्ण जीवन शिक्षा, सामाजिक उत्थान और नवाचार के लिए समर्पित कर दिया–वह नाम है डॉ. बी.एल. मेहरड़ा का। पूर्व आईएएस अधिकारी, विद्वान, प्रशासक और समाज सुधारक, डॉ. मेहरड़ा ने प्रशासनिक सेवा में रहते हुए भी शिक्षा को अपनी सबसे बड़ी साधना माना। आज उनकी छठी पुण्यतिथि पर खेतड़ी क्षेत्र ही नहीं, संपूर्ण राजस्थान उनकी देन, उनके सपनों और उनके द्वारा खड़े किए गए संस्थानों को याद करते हुए भावुक हो उठता है। डॉ. मेहरड़ा उन दुर्लभ व्यक्तित्वों में से थे जिन्होंने जीवन की हर चुनौती को अवसर में बदलकर दिखाया। खेतड़ी कस्बे की साधारण पृष्ठभूमि से निकलकर वह भारतीय प्रशासनिक सेवा (इ्रस) तक पहुंचे और फिर देश-प्रदेश में अनगिनत जिम्मेदार पदों पर रहते हुए समाज को दिशा देने का काम किया। परंतु उनके जीवन की सबसे बड़ी उपलब्धि सिर्फ उच्च पद नहीं थी–बल्कि शिक्षा के क्षेत्र में खड़ा किया गया विशाल योगदान था, जिसने हजारों बच्चों के भविष्य को संवार दिया। खेतड़ी में शिक्षा-जागरण की अलख जगाने वाले महानायक डॉ. मेहरड़ा ने समय की आवश्यकता को समझते हुए उन क्षेत्रों में शिक्षण संस्थान स्थापित किए, जहां शिक्षा की पहुंच बहुत कम थी।इन संस्थानों ने वर्षों तक खेतड़ी, बुहाना, शेखावाटी और आस-पास क्षेत्रों के विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराई। खेतड़ी क्षेत्र की मिट्टी में वह तेज, वह उजाला और वह सामाजिक चेतना आज भी महसूस होती है, जो एक महान शिक्षाविद् और दूरदर्शी प्रशासक–डॉ. बी.एल. मेहरड़ा–ने अपने जीवनभर के कर्म से रोपित की थी। पूर्व आईएएस अधिकारी होकर भी उन्होंने शिक्षा को ही जीवन की सबसे बड़ी साधना माना। आज 5 दिसंबर 2025 को उनकी छठी पुण्यतिथि पर पूरा क्षेत्र श्रद्धा-सुमन अर्पित करते हुए उस युग-पुरुष को याद कर रहा है, जिसने शिक्षा को गांवों की दहलीज़ तक पहुंचाकर एक अद्वितीय क्रांति की शुरुआत की।

■ **1986: खेतड़ी में शुरू हुआ विनोदनी पीजी कॉलेज, जिसने हजारों जीवन संवार दिए** गरीब और ग्रामीण परिवेश के बच्चों को लेकर डॉ. मेहरड़ा के मन में एक ही चिंता थी–'कहीं अभाव के कारण कोई बच्चा पढ़ाई से वंचित न रह जाए।' इसी बड़े संकल्प और संवेदनशील सोच के साथ उन्होंने 1986 में खेतड़ी में विनोदनी पी.जी. कॉलेज की स्थापना की। डॉ बीएल मेहरड़ा का तब यह कदम सिर्फ एक कॉलेज बनाना नहीं था–बाबा साहब डॉ भीमराव अंबेडकर की शिक्षा रूपी शेरनी का दूध पिलाने वाले समाज की मजबूत पकड़ को सशक्त बनाना और स्वामी विवेकानंद की कर्म स्थली खेतड़ी में शिक्षा का जन जागरण करने का पहला कदम था। इस संस्थान का उद्देश्य ग्रामीण युवाओं के भविष्य को दिशा देना, और यह था समाज में ज्ञान का उजाला फैलाना।

आज विनोदिनी कॉलेज की सफलता और उसकी हजारों सफल कहानियां उनकी दूरदर्शिता का जीवंत प्रमाण हैं। डॉ. मेहरड़ा का शिक्षा मिशन एक कॉलेज बनाकर नहीं रुका। उन्होंने अनुभव किया कि समाज तभी विकसित होता है, जब हर वर्ग–खासतौर पर बालिकाएं–शिक्षा से जुड़े।

इसी सोच से उन्होंने स्थापित किए–एमकेएम महिला महाविद्यालय - ग्रामीण बालिकाओं के लिए शिक्षा का उजला द्वार खोल।

■ **विनोदिनी बीएड कॉलेज** - प्रशिक्षित शिक्षकों की पीढ़ी तैयार करने का केंद्र बीएलएम इंजीनियरिंग कॉलेज, संजीवनी फार्मेसी कॉलेज, मेडिकल व नर्सिंग कॉलेज पैरामेडिकल इंजीनियरिंग कॉलेज व इसके अलावा, डॉ. मेहरड़ा ने करीब दो दर्जन शिक्षण संस्थान स्थापित किए, जिन्होंने सिर्फ खेतड़ी ही नहीं, जयपुर व पूरे शेखावाटी क्षेत्र को एक शिक्षा-हब के रूप में पहचान दिलाई। इन संस्थानों ने–गरीब विद्यार्थियों की फीस में मदद कर हजारों परिवारों को संबल दिया ग्रामीण युवाओं को तकनीकी, चिकित्सा, इंजीनियरिंग और प्रतियोगी परीक्षाओं के योग्य बनाया। क्षेत्र की अर्थव्यवस्था और सामाजिक स्थिति में सुधार लाया। इस प्रकार उन्होंने शिक्षा को सिर्फ किताबों तक सीमित नहीं रखा, बल्कि उसे समाज-निर्माण का माध्यम बनाया।

■ **विरासत जो आज भी प्रकाशमान है** डॉ. मेहरड़ा ने दिखाया कि यदि इरादे पवित्र हों और लक्ष्य समाज का उत्थान हो, तो एक व्यक्ति भी पूरे क्षेत्र की तकदीर बदल सकता है। आज उनके द्वारा स्थापित संस्थान, उनकी सोच, और उनके कार्य
हजारों परिवारों के जीवन में सफलता का सूरज बनकर चमक रहे हैं।

उनकी पुण्यतिथि पर हम सभी की ओर से विनम्र श्रद्धांजलि– 'मेहरड़ा साहब, आपका सपना हम आगे बढ़ाते रहेंगे।'

डॉ. मेहरड़ा का शिक्षा मिशन एक कॉलेज बनाकर नहीं रुका। उन्होंने अनुभव किया कि समाज तभी विकसित होता है, जब हर वर्ग–खासतौर पर बालिकाएँ–शिक्षा से जुड़े।

■ **इसी सोच से उन्होंने स्थापित किए–** एमकेएम महिला महाविद्यालय - ग्रामीण बालिकाओं के लिए शिक्षा का उजला द्वार, विनोदिनी बीएड कॉलेज - प्रशिक्षित शिक्षकों की पीढ़ी तैयार करने का केंद्र, इंजीनियरिंग कॉलेज, फार्मेसी कॉलेज, मेडिकल व नर्सिंग कॉलेज, संजीवनी फार्मेसी कॉलेज, इसके अलावा, डॉ. मेहरड़ा ने करीब दो दर्जन शिक्षण संस्थान स्थापित किए, जिन्होंने सिर्फ खेतड़ी ही नहीं, पूरे शेखावाटी क्षेत्र को एक शिक्षा-हब के रूप में पहचान दिलाई।

■ **इन संस्थानों ने–** गरीब विद्यार्थियों की फीस में मदद कर हजारों परिवारों को संबल दियाग्रामीण युवाओं को तकनीकी, चिकित्सा, इंजीनियरिंग और प्रतियोगी परीक्षाओं के योग्य बनाया क्षेत्र की अर्थव्यवस्था और सामाजिक स्थिति में सुधार लाया इस प्रकार उन्होंने शिक्षा को सिर्फ किताबों तक सीमित नहीं रखा, बल्कि उसे समाज-निर्माण का माध्यम बनाया।

समाज की आस्था बने मेहरड़ा साहब – सेवा, संवेदना और समर्पण का व्यक्तित्व डॉ. बी.एल. मेहरड़ा सहज, सादगीपूर्ण, और जनमानस से जुड़े हुए व्यक्तित्व थे। उनकी सबसे बड़ी ताकत थी–मानवता को समझने की कला।उन्होंने हर समय यह संदेश दिया कि– 'जिस समाज ने हमें सब कुछ दिया है, उसे वापस लौटाना ही जीवन का असली धर्म है।'

उनके कार्यों, शिक्षण संस्थानों और सेवाभाव ने उन्हें सिर्फ एक प्रशासक या शिक्षाविद् नहीं बनाया– उन्हें समाज का शिखर पुरुष बनाया, जिनके नाम के साथ आज भी पूरा क्षेत्र गौरव महसूस करता है।

■ **विरासत जो आज भी प्रकाशमान है** डॉ. मेहरड़ा ने दिखाया कि यदि इरादे पवित्र हों और लक्ष्य समाज का उत्थान हो, तो एक व्यक्ति भी पूरे क्षेत्र की तकदीर बदल सकता है। आज उनके द्वारा स्थापित संस्थान, उनकी सोच, और उनके कार्य, हजारों परिवारों के जीवन में सफलता का सूरज बनकर चमक रहे हैं। उनकी पुण्यतिथि पर हम सभी की ओर से विनम्र श्रद्धांजलि– 'मेहरड़ा साहब, आपका सपना हम आगे बढ़ाते रहेंगे।'

झुंझुनूं का प्रदर्शन SIR के काम में शत-प्रतिशतः 12 जिलों में सबसे अच्छा प्रदर्शन किया, कलेक्टर ने किया टीम को सम्मानित

भीम प्रज्ञा न्यूज़.झुंझुनूं।

झुंझुनूं जिले ने मतदाता सूची शुद्धिकरण के विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान में ऐतिहासिक सफलता हासिल की है। जिले के सभी विधानसभा क्षेत्रों में यह कार्य शत-प्रतिशत पूर्ण कर लिया गया है, जो कि अभियान में शामिल राजस्थान के 12 जिलों में सर्वाधिक और सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है।जिले ने रिकॉर्ड समय में विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान का कार्य शत-प्रतिशत संपन्न कर लिया है। मतदाता सूची के शुद्धिकरण और पुनरीक्षण के इस महत्वपूर्ण कार्य को सफलतापूर्वक पूरा करने पर, जिला कलेक्टर अरुण कुमार गर्ग ने पूरी टीम को सम्मानित किया और इसे टीम वर्क, सतत मॉनिटरिंग और समयबद्ध कार्यशैली का परिणाम बताया। कलेक्टर ने इस उपलब्धि के लिए सभी अधिकारियों, कर्मचारियों और बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) का आभार व्यक्त किया।

12 जिलों में सबसे बेहतर झुंझुनूं

अभियान के सफल समापन के उपलक्ष्य में, जिला कलेक्टर अरुण कुमार गर्ग ने कलेक्टर सभागार में एक सम्मान समारोह आयोजित किया। इस दौरान

उन्होंने अभियान की सफलता में योगदान देने वाले सभी अधिकारियों, कर्मचारियों और बीएलओ का सम्मान किया। कलेक्टर गर्ग ने इस बात पर जोर दिया कि झुंझुनूं का प्रदर्शन राजस्थान के अन्य 12 जिलों में सबसे बेहतरीन रहा है, जो जिले के प्रशासनिक समर्पण को दर्शाता है।

96% मतदाताओं के संबंध जुड़े

कलेक्टर अरुण कुमार गर्ग ने बताया कि अभियान का मुख्य लक्ष्य मतदाता सूची को त्रुटि मुक्त बनाना था, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि किसी भी पात्र व्यक्ति का नाम सूची से न हटे और किसी भी अपात्र व्यक्ति का नाम गलत तरीके से न जुड़ा रहे। उन्होंने जानकारी दी कि जिले में 96 प्रतिशत मतदाताओं के संबंध 2002 की वोटर लिस्ट से जोड़ लिए गए हैं। यह कार्य सूची के ऐतिहासिक रिकॉर्ड को बनाए रखने और मतदाताओं की पहचान को मजबूत करने में महत्वपूर्ण है।

बीएलओ ने निभाया मुख्य रोल

अभियान के दौरान बीएलओ (बूथ लेवल अधिकारी) ने अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने घर-घर जाकर मतदाता सूचियों का गहन सत्यापन किया, नई प्रविष्टियां जोड़ीं और पुरानी प्रविष्टियों में मिली त्रुटियों का सुधार किया। कलेक्टर ने सभी टीमों को उनकी ईमानदारी और समर्पण के साथ भविष्य के चुनावी कार्यों में भी इसी प्रकार सहयोग करते रहने का आह्वान किया।

प्रमुख अधिकारियों को सम्मान

समारोह में उत्कृष्ट कार्य के लिए झुंझुनूं कलेक्टर अरुण गर्ग और एडीएम अजय आर्य ने विशेष रूप से एसडीएम कौशल्या विश्नोई और तहसीलदार महेंद्र मूंड को सम्मानित किया, जो इस अभियान की सफलता में अग्रिम पंक्ति में रहे।

जल ग्रहण महोत्सव' में विधायक काला का आह्वानः बरसाती पानी का करें उपयोग, घुटनों का दर्द होगा दूर

भीम प्रज्ञा न्यूज़.चिड़ावा।

ग्राम पंचायत लांबा गोठड़ा में गुरुवार को जल ग्रहण विभाग द्वारा ब्लॉक स्तरीय जल ग्रहण महोत्सव का आयोजन किया गया। इस महोत्सव का मुख्य उद्देश्य जल संरक्षण और उसके सदुपयोग के प्रति जागरूकता फैलाना था। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पिलानी विधायक पीतराम काला थे, जबकि चिड़ावा प्रधान रोहिताश धांगड़ ने अध्यक्षता की। इस अवसर पर विधायक पीतराम काला ने जल को वर्तमान समय की 'महती आवश्यकता' बताते हुए जल स्तर के लगातार नीचे जाने पर गहरी चिंता व्यक्त की। उन्होंने उपस्थित जनसमूह से आह्वान किया कि हर घर को बरसात का पानी स्टॉक करके उसका उपयोग करना चाहिए। विधायक काला ने स्वास्थ्य से जुड़ी एक महत्वपूर्ण बात कहते हुए कहा कि वर्तमान में लोगों में घुटनों के दर्द का कारण गहराई का पानी ही है। उन्होंने दावा किया कि अगर लोग बरसात का पानी पिएँ तो घुटनों का दर्द नहीं होगा। उन्होंने हर नागरिक को जल का सदुपयोग करने की सलाह दी। उन्होंने विधानसभा क्षेत्र के लिए जल आपूर्ति के मुद्दे को उठाते हुए कहा कि वह लगातार पानी की मांग उठाते रहे हैं और शीघ्र ही पिलानी विधानसभा के हर गाँव-ढाणी को पानी उपलब्ध कराया जाएगा। इससे पूर्व, महिलाओं द्वारा कलश यात्रा निकाली गई और विद्यालय के बच्चों द्वारा जल बचाओ रैली निकालकर जागरूकता का संदेश दिया गया। महोत्सव के तहत निबंध प्रतियोगिता और चित्रकला प्रतियोगिता भी आयोजित की गई, जिसके बाद अतिथियों द्वारा वृक्षारोपण (पेड़ लगाए गए) किया गया। प्रधान रोहिताश धांगड़ ने भी पानी की बचत के महत्व पर प्रकाश डाला। अंत में, लांबा गोठड़ा सरपंच संजय सैनी ने सभी अतिथियों और उपस्थित लोगों का धन्यवाद ज्ञापित किया। ये थे विशिष्ट अतिथि- पूर्व प्रधान निहाल सिंह रनवा, जिला परिषद सदस्य विनीता रनवा, लांबा गोठड़ा सरपंच संजय सैनी, खड़ाना सरपंच महावीर सिंह, बख्तावरपुरा सरपंच अनिल कटेवा, नूनिया गोठड़ा सरपंच अमर सिंह नूनिया, बुडानिया सरपंच हनुमान सिंह, धतरवाला सरपंच शीशराम धतरवाल, जल ग्रहण अधीक्षण अभियंता मनोज गौड़, ब्लॉक शिक्षा अधिकारी उमादत झाझड़िया, पीएचसी प्रभारी डॉ. विशाखा शर्मा, और पशु चिकित्सक यशपाल कटेवा। इस दौरान जल ग्रहण के अधिशाषी अधिकारी अरुण चौधरी, सहायक अभियंता मनोज खालिया सहित अनेक अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे।

शिक्षा को संबलः डॉ. अंबेडकर छात्रावास को लेखाला परिवार का 5 लाख रुपए का सहयोग

भीम प्रज्ञा न्यूज़.बीकानेर।

सोहनलाल परिहार । बीकानेर में निर्माणाधीन डॉ. अंबेडकर छात्रावास की नई बिल्डिंग के निर्माण के लिए व्यास कॉलोनी निवासी और उदयरामसर के मूल निवासी मदनलाल लेखाला और उनके परिवार ने एक महत्वपूर्ण आर्थिक सहयोग प्रदान किया है। लेखाला ने छात्रावास को 5 लाख रुपए की राशि भेंट की है, जो जरूरतमंद विद्यार्थियों के भविष्य निर्माण में सहायक सिद्ध होगी।

सेवा और समर्पण की मिसाल

मदनलाल लेखाला का जन्म 31 जुलाई 1959 को हुआ। उन्होंने सिविल इंजीनियरिंग में डिप्लोमा करने के बाद 1980 में पीडब्ल्यूडी विभाग में कनिष्ठ अभियंता के रूप में नौकरी शुरू की और 31 जुलाई 2019 को अधिशासी अभियंता के पद से सेवानिवृत्त हुए। सेवानिवृत्ति के बाद भी लेखाला समाज सेवा में सक्रिय हैं। उन्होंने इससे पूर्व डीडवाना में मेघवाल समाज छात्रावास को 1 लाख रुपए का सहयोग दिया था और नोखा के त्रिलोक छात्रावास में ओवर हेड टैंक का निर्माण भी करवाया था। वह समय-समय पर परिवार और समाज के ज़रूरतमंद लोगों की आर्थिक मदद करते रहे हैं।

तकनीकी विशेषज्ञता का भी योगदान

लेखाला का योगदान केवल आर्थिक सहायता तक ही सीमित नहीं है। वह छात्रावास बिल्डिंग के निर्माण कार्य की इंजीनियरिंग कमेटी में भी शामिल हैं। वह आर्किटेक्ट एस.के. बेरी के दिशा-निर्देशन में कंस्ट्रक्शन कार्य में अपनी तकनीकी विशेषज्ञता और अमूल्य समय का योगदान दे रहे हैं।

गौरवशाली पारिवारिक पृष्ठभूमि

लेखाला परिवार का समाज सेवा का इतिहास पुराना रहा है। उनके पिताजी, मूलाराम, विभिन्न सहकारी समितियों में कार्यरत रहे और सेंट्रल कोऑपरेटिव बैंक के 1972 से 1988 तक डायरेक्टर रहे। उनके बड़े भाई, रामेश्वर लाल लेखाला, BSNL से सेवानिवृत्ति के बाद अपने गाँव उदयरामसर के सरपंच भी रहे हैं। लेखाला परिवार की वर्तमान पीढ़ी भी देश की सेवा कर रही है। डॉ. मुकेश लेखाला मेडिकल कॉलेज चूरू में एसोसिएट प्रोफेसर के पद पर कार्यरत हैं। हरीश लेखाला स्कूल व्याख्याता हैं और हाल ही में इस में चयनित हुए हैं। महेंद्र कुमार वन विभाग में सहायक वन संरक्षक (ACF) के पद पर कार्यरत हैं। गगन लेखाला उच्च शिक्षित हैं और कृषि फार्म का प्रबंधन संभाल रहे हैं।

संस्था ने जताया आभार

इस अवसर पर संस्था के अध्यक्ष एस.के. बेरी, सचिव सोहनलाल गोयल, कोषाध्यक्ष सुभाष चन्द्र तंवर, एल.आर. बीबान, डॉ. रामकिशोर मेहरा आदि ने मदनलाल लेखाला, उनकी जीवनसंगिनी इमरती देवी और समस्त परिवारजनों की दानपारमिता के लिए उनका हृदय से आभार व्यक्त किया।

टोहाना डीएसपी उमेद सिंह ने एएसआई पद पर प्रमोट हुए शमशेर सिंह को बेज लगाकर किया सम्मानित

भीम प्रज्ञा न्यूज़.टोहाना।

रजत विजय रंगा । हेड कांस्टेबल से असिस्टेंट सब इंस्पेक्टर (एएसआई) पद पर पदोन्नत हुए शमशेर सिंह को डीएसपी उमेद सिंह ने वीरवार को अपने कार्यालय में सम्मानित किया। डीएसपी ने स्वयं उनके कंधों पर पदोन्नति का बैज लगाकर उन्हें नई जिम्मेदारियों के लिए शुभकामनाएं दीं।डीएसपी उमेद सिंह ने कहा कि शमशेर सिंह अपनी सेवाकाल के दौरान ईमानदारी, तत्परता और अनुशासन का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत करते आए हैं। उन्होंने कहा कि विभाग को ऐसे कर्मठ और जिम्मेदार कर्मचारियों पर गर्व है, जो हर परिस्थिति में जनता की सुरक्षा और कानून-व्यवस्था बनाए रखने में अग्रणी भूमिका निभाते हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि एएसआई शमशेर सिंह आगे भी अपनी लगन और प्रतिबद्धता से पुलिस विभाग का नाम रोशन करेंगे। उन्होंने उपस्थित पुलिसकर्मियों को संबोधित करते हुए कहा कि पदोन्नति केवल पद में वृद्धि नहीं, बल्कि कार्य के प्रति समर्पण, व्यवहारिक दक्षता और निरंतर श्रेष्ठ प्रदर्शन का परिणाम होती है। यह अन्य कर्मचारियों के लिए भी प्रेरणा का स्रोत है कि निरंतर मेहनत और निष्ठा से कार्य करने पर योग्यतानुसार सम्मान और अवसर अवश्य मिलते हैं। कार्यक्रम में उपस्थित अधिकारियों और कर्मचारियों ने शमशेर सिंह को बधाई दी और नई जिम्मेदारी को और अधिक मजबूती से काम करने की उम्मीद जताई।

कैम्ब्रिज इंस्टीट्यूट सिंघाना में हुआ 'नशा मुक्ति भारत जागरूकता अभियान' का आयोजन

भीम प्रज्ञा न्यूज़.सिंघाना।

कैम्ब्रिज नर्सिंग एंड पैरामेडिकल इंस्टीट्यूट सिंघाना में गुरुवार को अपने परिसर में तथा रैली निकालकर 'नशा मुक्ति भारत जागरूकता अभियान' का उत्साहपूर्वक आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम संस्थान के निदेशक रहीश यादव की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। इस अवसर पर, प्रिंसीपल संगीता मादव ने समस्त युवा शक्ति को एकजुट होने का आह्वान किया। उन्होंने छात्र-छात्राओं को स्वयं को, अपने परिवार, मित्रों और समुदाय को नशे से दूर रखने की प्रतिज्ञा दिलाई और राष्ट्र को नशा मुक्त बनाने का प्रबल संदेश दिया। अभियान के दौरान छात्र-छात्राओं ने समाज को जागरूक करने के लिए विभिन्न रचनात्मक माध्यमों का उपयोग किया। नाटक, पोस्टर और चार्ट के माध्यम से उन्होंने नशा करने के गंभीर दुष्परिणामों को दर्शाया और नशे से दूर रहने के प्रभावी उपाय बताए। इस जागरूकता कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं के साथ-साथ समस्त शिक्षकों, प्रिंसिपल और मैनेजमेंट टीम की भी सक्रिय भागीदारी रही। मैनेजमेंट टीम से हरिकृष्ण, दीपू, जतिन, जयेंद्र, मनोज, करण, लक्ष्मी, सुशीला समेत संस्थान का पूरा स्टाफ उपस्थित रहा। सभी ने मिलकर इस महत्वपूर्ण सामाजिक संदेश को आगे बढ़ाया।

नोबल स्कूल देवलावास में यूपीएससी मार्गदर्शन सेमिनार

आईपीएस प्रांजली खांडेरकर और आईआरएमएस संजय यादव ने छात्रों को दी करियर प्रेरणा

सफलता की दिशा में ग्रामीण प्रतिभाओं के आत्मविश्वास को मिला नया संबल

भीम प्रज्ञा न्यूज़ पचेरी।

नोबल स्कूल देवलावास में कक्षा 9 से 12 तक के विद्यार्थियों के लिए यूपीएससी संयुक्त परीक्षा की तैयारी हेतु प्रेरणादायी सेमिनार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता आईपीएस प्रांजली खांडेरकर और आईआरएमएस संजय यादव रहे। संजय यादव नोबल स्कूल के पूर्व छात्र भी रहे हैं, जिसका उल्लेख होते ही सभागार में बैठे विद्यार्थियों के चेहरों पर उत्साह और गर्व की चमक दिखाई दी। आईपीएस प्रांजली खांडेरकर ने विद्यार्थियों को यूपीएससी की तैयारी से जुड़े महत्वपूर्ण पहलुओं–मूलभूत समझ, अखबार पढ़ने की आदत, समय अनुशासन, सकारात्मक दृष्टिकोण और लक्ष्य के प्रति निष्ठा–पर विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि ग्रामीण पृष्ठभूमि किसी भी सपने को सीमित नहीं करती, बल्कि ईमानदारी और सादगी से किया गया अध्ययन सफलता को संभव बनाता है। आईआरएमएस संजय यादव ने अपनी प्रेरणादायी यात्रा साझा

करते हुए कहा कि 'नोबल स्कूल ने मेरे अंदर बड़ी सोच पैदा की, और आज मैं चाहता हूँ कि इसी स्कूल के विद्यार्थी मुझसे भी आगे बढ़ें।' उन्होंने यूपीएससी के सभी चरणों की तैयारी को सरल तरीके से समझाया और बताया कि निरंतर प्रयास, आत्मविश्वास और सही दिशा–यही इस परीक्षा की कुंजी है। उनका वक्तव्य विद्यार्थियों के लिए प्रेरणामयी ऊर्जा का स्रोत बना। सेमिनार के दौरान नोबल एजुकेशन ग्रुप के निदेशक इंजीनियर संदीप नेहरा ने शिक्षा में नवाचार और गुणवत्तापूर्ण मार्गदर्शन की आवश्यकता पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि 'हमारा लक्ष्य ग्रामीण क्षेत्र के हर बच्चे को सही कैरियर की दिशा में पहुंचाना है, ताकि प्रतिभा सिर्फ पहचानी नहीं जाए, बल्कि बड़े अवसरों में बदल सके।' इस प्रेरक आयोजन में डिप्टी डायरेक्टर अशोक शर्मा, एकेडमिक डायरेक्टर सुमन नेहरा, प्रिंसिपल कृष्ण कुमार यादव, सहित समेत संपूर्ण विद्यालय स्टाफ उपस्थित रहा। कार्यक्रम के दौरान छात्रों ने उत्साहपूर्वक जिज्ञासाएं रखीं और यूपीएससी, समय प्रबंधन, विषय चयन, आत्म-अनुशासन आदि से जुड़े सवाल पूछे। प्रत्येक प्रश्न का जवाब अत्यंत सरल, व्यावहारिक और प्रेरणादायक ढंग से दिया गया।

सेमिनार ने विद्यार्थियों में नई ऊर्जा, नए सपने और बड़े लक्ष्य निर्धारित करने की प्रेरणा पैदा की। नोबल स्कूल प्रबंधन ने वक्ताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम आगे भी नियमित रूप से आयोजित किए जाएंगे, ताकि ग्रामीण प्रतिभाओं को सही मार्गदर्शन मिलता रहे और वे देश सेवा की दिशा में आगे बढ़ सकें।

टीकमदास आश्रम में संत शिरोमणि भजन सम्राट रतिनाथ महाराज की मूर्ति स्थापना, भक्तों का उमड़ा सैलाब

भीम प्रज्ञा न्यूज़.मंडावा।

मुकुंदगढ़ रोड स्थित टीकमदास आश्रम में संचालित कामधेनु निराश्रित गौ सेवा समिति द्वारा गुरुवार को संत शिरोमणि भजन सम्राट रतिनाथ महाराज की मूर्ति स्थापित की गई। टाईधाम के मुख्य महंत सोमनाथ महाराज के सानिध्य में नाथ संप्रदाय के संतों ने विधि-विधान के साथ मूर्ति स्थापना की। समारोह से पूर्व पंडित मुरली मनोहर शर्मा, विजय जोशी, मुकेश शर्मा, चेतन परासर और नरेंद्र सुरोलिया के नेतृत्व में वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ हवन, नवग्रह पूजन, षोडश मात्रिका, सप्त मात्रिका एवं गुरु-धरती माता का आवाहन किया गया। मुख्य यजमान रामगोपाल सोनी ने अपनी पत्नी प्रेमलता सोनी के साथ विधिवत पूजा-अर्चना कर पूर्णाहुति दी। मूर्ति स्थापना के बाद प्रसाद वितरण और भंडारा आयोजित किया गया, जिसमें सैकड़ों भक्तों ने प्रसाद ग्रहण किया। कार्यक्रम में पूर्व पालिकाध्यक्ष सजन मिश्रा, किशोर चौहान, प्रकाश स्वामी, राकेश, रविकांत, हैप्पी, अरुण, मनीष, पुनीत, शुभम, गजेंद्र, मनीष, वंश, बजरंग लाल, मुरारीलाल खेमानी, आंचल सोनी, श्वेता, अन्नू, प्रियांशु, करण, बाबूलाल, राजनाथ महाराज, राधा सहित नगरवासी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।कामधेनु निराश्रित गौ सेवा समिति के सदस्य जयप्रकाश सोनी ने बताया कि संत रतिनाथ महाराज की मूर्ति स्थापना से क्षेत्र में आध्यात्मिक व सामाजिक गतिविधियों को नई दिशा मिलेगी।

खेतड़ी में स्व. डॉ. बी.एल. मेहरड़ा की छठी पुण्यतिथि पर भव्य कार्यक्रम आज

कवि सम्मेलन एवं ओब्स्टेकल (NDA ट्रेनिंग) एरिया का होगा उद्घाटन

भीम प्रज्ञा न्यूज़.खेतड़ी।

पूर्व आईएएस एवं प्रख्यात शिक्षाविद् स्वर्गीय डॉ. बी. एल. मेहरड़ा की छठी पुण्यतिथि के उपलक्ष्य में शुक्रवार सुबह 10:15 बजे डॉ. बी.एल. मेहरड़ा स्मृति पार्क, बीएलएम इंजीनियरिंग कॉलेज, राजोता में भव्य कवि सम्मेलन एवं ओब्स्टेकल (NDA ट्रेनिंग)

एरिया का उद्घाटन समारोह आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम में सुप्रसिद्ध हास्य-व्यंग्य कवि सम्पत सरल तथा वीर रस के प्रसिद्ध कवि अशोक चारण अपनी प्रस्तुतियों से श्रोताओं को मनोरंजन एवं प्रेरणा का संदेश देंगे। मुख्य अतिथि के रूप में शेखावाटी विश्वविद्यालय, सीकर के कुलगुरु प्रोफेसर (डॉ.) अनिल रायल उपस्थित रहेंगे। वहीं विशिष्ट अतिथि जिला कलेक्टर डॉ. अरुणा गर्ग, पुलिस अधीक्षक बृजेश उपाध्याय तथा सीकेआई सेम्बकॉर्प के प्लांट हेड भगनाराय शाक्य होंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता मेडिकल डायरेक्टर-होमलैंड सिक्योरिटी हॉस्पिटल, ङ्क की डॉ. संजीवनी मेहरड़ा करेंगी। समारोह का संचालन खेतड़ी विकास समिति की अध्यक्ष श्रीमती विनोदश्री मेहरड़ा एवं सचिव डॉ. अभिमन्यु मेहरड़ा करेंगे। इस अवसर पर स्व. डॉ. मेहरड़ा के शिक्षा, सामाजिक सरोकारों एवं जनसेवा के क्षेत्र में किए गए उल्लेखनीय योगदान का भी स्मरण किया जाएगा। आयोजन खेतड़ी विकास समिति द्वारा किया जा रहा है।

बीकानेर कांग्रेस अध्यक्षों का खाजूवाला विधानसभा क्षेत्र में भव्य स्वागत

भीम प्रज्ञा न्यूज़.बीकानेर।

सोहनलाल परिहार । नव नियुक्त जिला कांग्रेस कमेटी बीकानेर(शहर) के अध्यक्ष मदन गोपाल मेघवाल और जिला कांग्रेस कमेटी बीकानेर (देहात) के अध्यक्ष श्री बिशनाराम सियाग का खाजूवाला विधानसभा क्षेत्र में पहुँचने पर ग्रामवासियों द्वारा ज़ोरदार स्वागत किया गया। कांग्रेस के दोनों ज़िला अध्यक्षों (शहर और देहात) का पदभार ग्रहण करने के बाद क्षेत्र में यह पहला दौरा था, जिसे लेकर ग्राम वासियों में काफी उत्साह दिखा। यह भव्य स्वागत खाजूवाला विधानसभा क्षेत्र के बदरासर और शोभासर ग्रामों में किया गया। इस दौरे का मुख्य आकर्षण ग्राम पंचायत बदरासर के नागरिकों द्वारा दोनों अध्यक्षों को दिया गया विशेष मान-सम्मान था। ग्रामवासियों ने अपने नेताओं के प्रति स्नेह और समर्थन व्यक्त करते हुए उनका गर्मजोशी से अभिनंदन किया। इस अवसर पर, शहर कांग्रेस अध्यक्ष मदन गोपाल मेघवाल ने ग्राम वासियों के इस स्नेह और समर्थन के लिए हृदय से आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि यह स्नेह उन्हें और अधिक समर्पण के साथ जनता की सेवा करने की प्रेरणा देता है।

शीतलहर से प्रभावी बचाव की तैयारी को लेकर टोहाना एसडीएम आकाश शर्मा आईएएस ने की महत्वपूर्ण बैठक

भीम प्रज्ञा न्यूज़.टोहाना।

बेघर व जरूरतमंदों को रैन बसेरों में गर्म बिस्तर, कंबल और 24 घंटे आश्रय सुविधा सुनिश्चित करने के निर्देश

रजत विजय रंगा । शीतलहर और कड़ाके की सर्दी के संभावित प्रभावों को ध्यान में रखते हुए जिला प्रशासन ने अपनी तैयारियों को और तेज कर दिया है। एसडीएम टोहाना आकाश शर्मा ने वीरवार को लघु सचिवालय में विभिन्न विभागों के अधिकारियों की एक महत्वपूर्ण बैठक ली और आमजन की सुरक्षा, राहत और आवश्यक सेवाओं की उपलब्धता को प्राथमिकता देते हुए कई महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश जारी किए। एसडीएम आकाश शर्मा ने कहा कि मौसम विभाग द्वारा दी जा रही चेतावनियों को देखते हुए प्रशासन का मुख्य लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि कोई भी व्यक्ति ठंड के कारण असुरक्षित या असहाय न रहें।

रैन बसेरों पर विशेष फोकस– 24 घंटे खुलें आश्रय स्थल

एसडीएम ने कहा कि शीतलहर के दौरान बेघर और जरूरतमंद लोगों के लिए रैन बसेरे होना आवश्यक है, इसलिए रैन बसेरों के संचालन, प्रबंधन और सुविधाओं को लेकर विशेष सतर्कता बरती जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि सभी रैन बसेरों में गर्म बिस्तर, पर्याप्त कंबल, स्वच्छ पानी और प्रकाश व्यवस्था उपलब्ध हो। नगरपालिका और नगर परिषद के रैन बसेरे 24 घंटे खुले रहें। संबंधित अधिकारी प्रतिदिन रैन बसेरों का निरीक्षण करें और कमियों को तुरंत दूर करें।

गांवों में भी बने सुरक्षित आश्रय केंद्र

एसडीएम ने पंचायत विभाग को निर्देश दिए कि वे गांवों में स्थित ग्राम सचिवालयों व पंचायत भवनों में रैन बसेरों की व्यवस्था सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि गांवों में भी जरूरतमंदों को ठंड से बचाने के लिए पर्याप्त कंबल, बिस्तर और बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं।

किसानों और पशुपालकों के लिए विशेष एडवाइजरी जारी करने के निर्देश

सर्दी के मौसम में फसलों और पशुओं पर पड़ने वाले संभावित दुष्प्रभावों को देखते हुए एसडीएम ने कृषि तथा पशुपालन विभाग को समय-समय पर विस्तृत एडवाइजरी जारी करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मौसम की बदलती परिस्थितियों के अनुसार किसानों को सही, तकनीकी और समय पर जानकारी प्रदान की जाए।पशुपालकों को पशुओं को ठंड से बचाने संबंधी उपायों के बारे में जागरूक किया जाए।

बैठक में मौजूद अधिकारी

इस बैठक में डीएसपी उमेद सिंह, नायब तहसीलदार रशवेंद्र सिंह, बीडीपीओ बलजीत सिंह, एसईपीओ माया गोदारा, एसएमएस अजय ढिल्लों, अधीक्षक मुकेश बजाज, टैक्स इंस्पेक्टर बलजीत शर्मा सहित विभिन्न विभागों के अन्य अधिकारी उपस्थित रहें।

टोहाना व जाखल शहर में रेलवे स्टेशन और बस स्टैंड का नियमित दौरा किया जाए। कोई भी व्यक्ति बाहर खुले में सोता मिला तो उसे तत्काल रैन बसेरे में ले जाया जाए।

चिड़ावा में अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांग दिवस पर लोक सेवा ज्ञान मंदिर ट्रस्ट ने 15 दिव्यांगों का किया सम्मान

भीम प्रज्ञा न्यूज़.चिड़ावा।

अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांग दिवस के पावन अवसर पर, लोक सेवा ज्ञान मंदिर ट्रस्ट के द्वारा एक अत्यंत प्रेरणादायक दिव्यांग सम्मान समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें समाज को नई दिशा दे रहे 15 दिव्यांगजनों को सम्मानित किया गया। इस समारोह के मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व चेयरमैन रामगोपाल मिश्र उपस्थित रहे, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता परमहंस दिव्यांग समिति के संयोजक अरुण दाधीच ने की। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथियों में प्रोफेसर अवतार कृष्ण शर्मा, परमहंस दिव्यांग समिति के अध्यक्ष होशियार सिंह, और पवन शर्मा नवहाल शामिल रहे। कार्यक्रम की शुरुआत में जिला प्रभारी राधेश्याम शर्मा सुखाड़िया और तहसील प्रभारी ने सभी अतिथियों का दुपट्टा ओढ़ाकर सम्मान किया। इसके उपरांत, चिड़ावा तहसील प्रभारी रजनीकांत मिश्रा ने मंच से ट्रस्ट द्वारा दिव्यांगों के हित में किए जा रहे कार्यों का विस्तृत ब्यौरा प्रस्तुत किया और साथ ही केंद्र एवं राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं की विस्तार से जानकारी दी। इस दौरान, रजनीकांत मिश्रा ने उपस्थित सभी लोगों के साथ मिलकर ट्रस्ट के प्रेरणा गीत का गायन भी किया।

समारोह में ट्रस्ट के सहयोग से लाभान्वित हुए दिव्यांगजनों ने अपने हृदय से निकले शब्दों के माध्यम से ट्रस्ट के कार्यों की सराहना की। मुख्य अतिथि राम गोपाल मिश्रा ने ट्रस्ट के इस मानवीय कार्य की प्रशंसा करते हुए कहा कि ऐसे कार्यों से उन्हें सुख की अनुभूति होती है और उन्होंने भविष्य में भी किसी भी कार्य के लिए तत्पर रहकर सहयोग करने का आश्वासन दिया। विशिष्ट अतिथि प्रोफेसर अवतार कृष्ण शर्मा ने भी दिव्यांगों और अन्य वंचित वर्गों के लिए लोक सेवा ज्ञान मंदिर ट्रस्ट के प्रयासों को सराहा। अध्यक्षता कर रहे अरुण दाधीच ने दिव्यांगजनों को संबोधित करते हुए यह महत्वपूर्ण संदेश दिया कि दिव्यांग होना कोई अभिशाप नहीं है, बल्कि इसका डटकर मुकाबला करना चाहिए। उन्होंने किसी भी योजना की जानकारी के लिए दिव्यांगों को लोक सेवा ज्ञान मंदिर ट्रस्ट या परमहंस दिव्यांग समिति से संपर्क करने को कहा, जो हर समय उनकी सहायता के लिए तैयार रहते हैं। इसी क्रम में, होशियार सिंह ने दिव्यांगों को खेल से जुड़ने की प्रेरणा दी, क्योंकि इससे आगे चलकर सरकारी नौकरी मिलने की संभावना भी बनती है। अंत में, ट्रस्ट के द्वारा उपस्थित सभी दिव्यांगजनों का सम्मान अतिथियों द्वारा कम्बल ओढ़ाकर किया गया, जिसके बाद मानवीय सेवा का विस्तार करते हुए पचास जरूरतमंदों को भी कम्बल वितरित किए गए। इस अवसर पर होशियार सिंह जो जिला स्तर पर सम्मानित हुए उनका भी ट्रस्ट द्वारा सम्मान किया गया। अन्त में जिला प्रभारी राधेश्याम शर्मा सुखाड़िया ने पधारे हुए अतिथियों का आभार व धन्यवाद ज्ञापित किया। इस गरिमामय अवसर पर मुकेश शर्मा, सुभाष मिश्रा, गोयल शर्मा, आकाश लावा, रंजीत वर्मा, बाबूलाल योगी, नरसिंह योगी, मनोज नायक सहित काफी संख्या में दिव्यांग और अन्य महिला-पुरुष उपस्थित रहे।

भीम प्रज्ञा कविता

दिल का टुकड़ा, बड़ा शैतान

तेरी मुस्कान में बसी है मेरी जान
तू ही है मेरे दिल की सबसे प्यारी पहचान
बेटा तू है मेरे लिए बहुत खास
तेरे साथ अनोखा होता है एहसास
तेरी पहली आवाज मेरी आंखों में नम आंसू लाई
खुशी के उन लम्हों में मेरी पूरी दुनिया समाई
दिल का टुकड़ा है तू
लेकिन है बड़ा शैतान
बेटा तू ही है मेरी जिंदगी
लेकिन करता है मुझे बहुत परेशान मेरा बेटा मेरा गुरूर है
मेरे बेचैन दिल का सुकून है
तेरा मेरा रिश्ता जहां में सबसे निराला है
सब रिश्ते में यह रिश्ता सबसे प्यारा है
घुटनों से रेंगता रेंगता जब तू पैरों पर खड़ा हो गया
मेरी ममता की छांव में न जाने तू बड़ा हो गया
तू मिला तो पाया नया प्यार
मेरा बेटा है मेरा पूरा संसार
खुद से मेरी यही दुआ है
मेरे बेटे को मिली खुशियांअपार

आशा अग्रवाल निवासी-चौमु

संतोष देवी चैरिटेबल ट्रस्ट ने पीएम श्री विद्यालय बहरोड़ में विद्यार्थियों को बांटे गर्म स्वेटर व स्टेशनरी

भीम प्रज्ञा न्यूज़.नीमराना।

रमेशचंद्र । पीएम श्री राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय बहरोड़ में गुरुवार को संतोष देवी चैरिटेबल ट्रस्ट की ओर से विद्यार्थियों के लिए गर्मजोशी भरा सहायता कार्यक्रम आयोजित किया गया। ट्रस्ट द्वारा विद्यालय के सभी विद्यार्थियों को गर्म स्वेटर और स्टेशनरी किट उपलब्ध करवाई गई, जिसकी कुल लागत लगभग रू2.50 लाख रही। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि डॉ. शानू यादव, प्रदेश प्रवक्ता, भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा रहीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय प्रधानाचार्य रमेश मेहता ने की। विद्यालय परिवार ने मुख्य अतिथि का सफेद साफा, स्मृति चिह्न, शाल ओढ़ाकर और पौधा भेंट कर स्वागत किया।

कार्यक्रम में पूर्व मंडल अध्यक्ष विक्रम यादव, पूर्व सरपंच अशोक यादव (गूंती), पूर्व प्रधानाचार्य राधेश्याम, महिपाल यादव (UCCO बहरोड़), महेंद्र शर्मा (SMC अध्यक्ष), कुलदीप यादव (पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष), ऋषि शर्मा, प्रधानाचार्य अनिल यादव, प्रधानाचार्य सुनीता यादव, विकास समिति सदस्य एवं अनेक अभिभावक उपस्थित रहे। इस अवसर पर मुख्य अतिथि डॉ. शानू यादव ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए शिक्षा, आत्मनिर्भरता और नारी सशक्तिकरण पर विशेष जोर दिया। कार्यक्रम का संचालन उप-प्रधानाचार्य मीना कुमारी यादव ने किया।

भामाशाह चरण सिंह ने मनाया जन्मदिन, मानका विद्यालय के मुख्य द्वार निर्माण की रखी आधारशिला

भीम प्रज्ञा न्यूज़.नीमराना।

रमेशचंद्र । राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय मानका में गुरुवार 4 दिसंबर को भामाशाह चरण सिंह पुत्र रमेश चंद्र निवासी मानका ने अपने जन्म दिवस पर सेवा, संस्कार और शिक्षा के प्रति समर्पण का अद्भुत उदाहरण प्रस्तुत किया। उन्होंने सपत्नीक यज्ञ-हवन कर धार्मिक परंपराओं के साथ कार्यक्रम सम्पन्न कराया। इस शुभ अवसर पर विद्यालय के दिव्य एवं भव्य मुख्य द्वार निर्माण के लिए भूमि पूजन कर आधारशिला रखी गई। भामाशाह की ओर से सभी विद्यार्थियों, स्टाफ और उपस्थित अतिथियों के लिए भोजन प्रसाद की विशेष व्यवस्था की गई, जिसे सभी ने श्रद्धा व प्रसन्नता से ग्रहण किया। यज्ञ का संचालन प्राचार्य यशवंत शास्त्री ने किया, जबकि उप्राचार्य कमल कुमार शर्मा ब्रह्मात्व के रूप में उपस्थित रहे। स्टाफ सचिव निहाल सिंह, व्याख्याता जगदीश यादव, प्रियंका, सुषमा, यशोदा सहित स्टाफ ने अतिथियों का स्वागत किया। कार्यक्रम में भामाशाह के परिजनों के साथ सरपंच गोविंद, बावद सरपंच सत्यबीर, पूर्व सरपंच जगरूप चौधरी, धारूमल गुरुजी, नरेंद्र अरोड़ा, नरेंद्र (नेकी), विद्यालय के सभी एसएमसी-एसडीएमसी सदस्य, समस्त स्टाफ तथा आसपास के गांवों के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

चिड़ावा में अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांग दिवस पर लोक सेवा ज्ञान मंदिर ट्रस्ट ने 15 दिव्यांगों का किया सम्मान

भीम प्रज्ञा न्यूज़.चिड़ावा।

अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांग दिवस के पावन अवसर पर, लोक सेवा ज्ञान मंदिर ट्रस्ट के द्वारा एक अत्यंत प्रेरणादायक दिव्यांग सम्मान समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें समाज को नई दिशा दे रहे 15 दिव्यांगजनों को सम्मानित किया गया। इस समारोह के मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व चेयरमैन रामगोपाल मिश्र उपस्थित रहे, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता परमहंस दिव्यांग समिति के संयोजक अरुण दाधीच ने की। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथियों में प्रोफेसर अवतार कृष्ण शर्मा, परमहंस दिव्यांग समिति के अध्यक्ष होशियार सिंह, और पवन शर्मा नवहाल शामिल रहे। कार्यक्रम की शुरुआत में जिला प्रभारी राधेश्याम शर्मा सुखाड़िया और तहसील प्रभारी ने सभी अतिथियों का दुपट्टा ओढ़ाकर सम्मान किया। इसके उपरांत, चिड़ावा तहसील प्रभारी रजनीकांत मिश्रा ने मंच से ट्रस्ट द्वारा दिव्यांगों के हित में किए जा रहे कार्यों का विस्तृत ब्यौरा प्रस्तुत किया और साथ ही केंद्र एवं राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं की विस्तार से जानकारी दी। इस दौरान, रजनीकांत मिश्रा ने उपस्थित सभी लोगों के साथ मिलकर ट्रस्ट के प्रेरणा गीत का गायन भी किया।

समारोह में ट्रस्ट के सहयोग से लाभान्वित हुए दिव्यांगजनों ने अपने हृदय से निकले शब्दों के माध्यम से ट्रस्ट के कार्यों की सराहना की। मुख्य अतिथि राम गोपाल मिश्रा ने ट्रस्ट के इस मानवीय कार्य की प्रशंसा करते हुए कहा कि ऐसे कार्यों से उन्हें सुख की अनुभूति होती है और उन्होंने भविष्य में भी किसी भी कार्य के लिए तत्पर रहकर सहयोग करने का आश्वासन दिया। विशिष्ट अतिथि प्रोफेसर अवतार कृष्ण शर्मा ने भी दिव्यांगों और अन्य वंचित वर्गों के लिए लोक सेवा ज्ञान मंदिर ट्रस्ट के प्रयासों को सराहा। अध्यक्षता कर रहे अरुण दाधीच ने दिव्यांगजनों को संबोधित करते हुए यह महत्वपूर्ण संदेश दिया कि दिव्यांग होना कोई अभिशाप नहीं है, बल्कि इसका डटकर मुकाबला करना चाहिए। उन्होंने किसी भी योजना की जानकारी के लिए दिव्यांगों को लोक सेवा ज्ञान मंदिर ट्रस्ट या परमहंस दिव्यांग समिति से संपर्क करने को कहा, जो हर समय उनकी सहायता के लिए तैयार रहते हैं। इसी क्रम में, होशियार सिंह ने दिव्यांगों को खेल से जुड़ने की प्रेरणा दी, क्योंकि इससे आगे चलकर सरकारी नौकरी मिलने की संभावना भी बनती है। अंत में, ट्रस्ट के द्वारा उपस्थित सभी दिव्यांगजनों का सम्मान अतिथियों द्वारा कम्बल ओढ़ाकर किया गया, जिसके बाद मानवीय सेवा का विस्तार करते हुए पचास जरूरतमंदों को भी कम्बल वितरित किए गए। इस अवसर पर होशियार सिंह जो जिला स्तर पर सम्मानित हुए उनका भी ट्रस्ट द्वारा सम्मान किया गया। अन्त में जिला प्रभारी राधेश्याम शर्मा सुखाड़िया ने पधारे हुए अतिथियों का आभार व धन्यवाद ज्ञापित किया। इस गरिमामय अवसर पर मुकेश शर्मा, सुभाष मिश्रा, गोयल शर्मा, आकाश लावा, रंजीत वर्मा, बाबूलाल योगी, नरसिंह योगी, मनोज नायक सहित काफी संख्या में दिव्यांग और अन्य महिला-पुरुष उपस्थित रहे।

तालुका विधिक सेवा समिति लक्ष्मनगढ ने लंबित प्रकरणों व प्री लिटिगेशन प्रकरणों के डोर स्टेप काउंसिल कैंप का किया आयोजन

भीम प्रज्ञा न्यूज़.लक्ष्मणगढ़।

राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर द्वारा आयोजित 21 दिसंबर को होने वाली चतुर्थ राष्ट्रीय लोक अदालत के संदर्भ में जारी निर्देशानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सीकर के तत्वावधान मे तालुका विधिक सेवा समिति की ओर से गुरुवार को पंचायत समिति के सभागार में तालुका स्थित न्यायालयों में लंबित प्रकरणों एवं सभी प्रकार के प्री लिटिगेशन प्रकरणों के लिए डोर स्टेप काउंसलिंग कैंप का आयोजन किया गया।

तालुका अध्यक्ष सुश्री श्वेता शर्मा एडीजे के निर्देशन में कैंप की अध्यक्षता तालुका लक्ष्मणगढ़ के पैनल अधिवक्ता ने की। अधिवक्ता ने सभागार में उपस्थित जनों को लोक अदालत की महता बताते हुए न्यायालयों में लंबित राजीनामा योग्य प्रकरणों को लोक अदालत द्वारा निस्तारित करवा कर सुलभ ओर शीघ्र न्याय न्याय प्रक्रिया की जानकारी दी।कैंप में सुरभि महला सचिव तालुका विधिक सेवा समिति,रोमा सहारण विकास अधिकारी, बनवारी मीणा अतिरिक्त विकास अधिकारी, वीरेंद्र चाहर सहायक अभियंता, पूर्व पंचायत समिति सदस्य सुभाष कुल्हारी एवं पैनल अधिवक्ता बाबूलाल ढाका एडवोकेट मंचस्थ अतिथि थे। इस अवसर पर सिंगोदडा सरपंच महेश ढेवा धाननी के पूर्व सरपंच नारायण सिंहबलवीर सिंह ढूकिया सहायक लेखाअधिकारी प्रथम सुश्री सुमन लेखाकार सुरेंद्र चौधरी सहायक प्रशासनिक अधिकारी गिरधारी लाल सहायक विकास अधिकारी महेश जाखड़ सहायक विकास अधिकारी मनोहर सिंह सहायक विकास अधिकारी छोटू राम सहायक विकास अधिकारी राम प्रसाद सहायक विकास अधिकारी राजेश कुमार प्रमोद कुमार ढाका सुभाष जांगिड़ विशाल कुमार श्रीमती कमलेश राकेश कुमार कुलदीप चिरानिया श्रीमती कमला चौधरी राकेश सैनी संजय कुमार मूलाराम आनंद कुमार श्रीमती विमला देवी रामअवतार चालक जगन कुमार आदि मौजूद थे।

राजस्थान शीतलहर की चपेट में, 2 डिग्री तक गिरा तापमान:

पाला पड़ने की आशंका, कोहरे ने बढ़ाई परेशानी

भीम प्रज्ञा न्यूज

उत्तर भारत से आ रही बर्फीली हवाओं के कारण राजस्थान में तापमान तेजी से गिर गया है। सीकर, चूरू और जयपुर सहित कई शहरों में इस मौसम की सबसे ठंडी रात दर्ज की गई। शेखावाटी क्षेत्र में कल तापमान 2 डिग्री सेल्सियस तक गिर गया, जिससे ग्रामीण इलाकों में ओस की बूंदें जम गईं और पाला पड़ने की आशंका बढ़ गई है। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार, राज्य में अगले एक सप्ताह तक मौसम साफ रहने की संभावना है। इस दौरान उत्तरी हवाएं और तेज होंगी, जिससे तापमान में 1 से 2 डिग्री सेल्सियस तक और गिरावट आ सकती है।

भामाशाह समाजसेवी महावीर प्रसाद सैनी के सुपुत्र की शादी में शामिल हुए व्यवसायी, उद्यमी व प्रबुद्ध जन

भीम प्रज्ञा न्यूज़.लक्ष्मणगढ़।

अंचल के जाने-माने समाजसेवी भामाशाह महावीर प्रसाद सैनी श्रीडूंगरगढ़ की सुपुत्र कृष्ण की शादी समारोह में प्रवासी उद्योगपति, व्यवसायी व प्रबुद्ध जनों ने शिरकत कर नवदम्पत्ति को आशीर्वाद दिया। सालासर बालाजी धाम के पोद्दार सेवा सदन में तारानगर निवासी व्यवसायी तारानगर निवासी ताराचंद सैनी की सुपुत्री डिम्पल के साथ आयोजित शादी समारोह में उद्योगपति महेश बागड़ी, इन्द्रपाल धूपिया, गौरव सैनी हैदराबाद, जगदीश प्रसाद तंवर जयपुर, बनवारी लाल सैनी, रामगोपाल राकसिया सीकर ,एम आर तंवर चूरू, महावीर प्रसाद सिंगोदिया भादरा,महावीर प्रसाद मिटावा जयपुर, प्रेमप्रकाश मिटावा, सीकर, जगदीश प्रसाद कटारिया रतननगर, मनोहर लाल सीकर, छगनलाल सीकर, महात्मा ज्योतिबा फुले छात्रावास लक्ष्मनगढ के पदाधिकारी सदस्यों सहित विभिन्न सामाजिक व सार्वजनिक संस्थाओं के पदाधिकारियों सदस्यों ने शिरकत वर वधू को आशीर्वाद प्रदान किया ।

टोहाना हुआ धन्यः पूज्य प्रेमानंद जी महाराज के चरणों में टोहाना के युवा प्रेरक आशीष कौशिक की भावपूर्ण प्रस्तुति

महाराज हुए अति प्रसन्न, प्रस्तुति को बताया ज्ञान वर्धक व अद्भुत

भीम प्रज्ञा न्यूज़.टोहाना।

रजत विजय रंगा । गीता जयंती के पावन अवसर पर यूथ एक्सीलेंस के संस्थापक युवा प्रेरक आशीष कौशिक ने अपनी टीम के साथ मिलकर राधा केली कुंज, वृंदावन में पूज्य प्रेमानंद जी महाराज से भेंट कर गीता 700 दिन चैलेंज की राष्ट्रव्यापी यात्रा के लिए आशीर्वाद प्राप्त किया। उन्होंने पूज्य प्रेमानंद जी महाराज को कुरुक्षेत्र से कर्मक्षेत्र तक थीम के बारे में विस्तार से बताया। इस दौरान यूथ एक्सीलेंस की युवा टीम ने भावपूर्ण प्रस्तुति देते हुए 'एक तुम्हीं आधार सदगुरु वंदना' सुनाई और इसके पश्चात गीता चैलेंज का थीम गीत 'गीता पढ़ो, आगे बढ़ो' प्रस्तुत किया, जिसे स्वयं आशीष कौशिक ने लिखा है। कार्यक्रम में संगीत सहयोग तबलावादनः कमल बिश्नोई, गिटारः प्रीतपाल, तथा सहयोगः अशोक कश्यप द्वारा दिया गया। युवाओं की इस प्रस्तुति से प्रसन्न होकर पूज्य प्रेमानंद जी महाराज ने युवा प्रेरक आशीष कौशिक के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि यह कार्य युवाओं को सनातन मूल्यों, आत्मविकास और सकारात्मक जीवन दृष्टि से जोड़ने की दिशा में अत्यंत महत्वपूर्ण और प्रेरणादायी पहल है। उन्होंने पूरी टीम के लिए मंगलकामनाएँ एवं आशीर्वाद प्रेषित किए।यूथ एक्सीलेंस के सह-संस्थापक विनय वर्मा ने इस उपलब्धि पर बधाई देते हुए कहा कि यह क्षण पूरे टोहाना शहर के साथ हरियाणा प्रदेश के लिए गर्व का विषय है और प्रत्येक युवा को इनसे प्रेरणा लेकर गीता के ज्ञान को जीवन में अपनाना चाहिए। 700 दिनों का अनूठा अभियान युवाओं को ज्ञान, नेतृत्व और जीवन कौशल से जोड़ने की पहल है। यूथ एक्सीलेंस द्वारा संचालित गीता 700 दिन चैलेंज का उद्देश्य युवाओं को गीता के ज्ञान को 700 दिनों तक प्रतिदिन पढ़ने, समझने, जीने और साझा करने के लिए प्रेरित करना है। यह पहल युवाओं में आत्मविश्वास, मानसिक संतुलन, नेतृत्व क्षमता, और सकारात्मक सोच विकसित करने की दिशा में अग्रसर है। यह अभियान आशीष कौशिक द्वारा युवा शक्ति को दिशा देने वाली सांस्कृतिक क्रांति है। इस कार्य के लिए पूज्य प्रेमानंद जी महाराज का आशीर्वाद मिलना केवल टोहाना शहर और हरियाणा नहीं बल्कि पूरे देश के युवाओं को धर्म, संस्कृति, नेतृत्व और नैतिकता से जोड़ने वाला एक सार्थक और क्रांतिकारी प्रयास है, जो भारत की युवा शक्ति को एक ऊर्जावान और जिम्मेदार भविष्य की ओर अग्रसर करता है। इस अभियान में गौरव चौधरी, टेक्निकल टीम के विजय वर्मा का विशेष सहयोग रहा है।

संक्षिप्त समाचार

भारत में परेशान हैं मुसलमान; मदनी बोले- वंदे मातरम को लेकर नहीं बनाना चाहिए दबाव

नई दिल्ली, एजेंसी। जमीयत उलेमा-ए-हिंद के अध्यक्ष मौलाना महमूद मदनी का कहना है कि भारत में मुस्लिम परेशान हैं। उनके मुताबिक, यह अचानक नहीं हुआ है। उन्होंने वंदे मातरम और परवेज मुशर्रफ प्रकरण पर भी बातें की हैं। मदनी ने कहा, हम परेशान हैं और यह अचानक नहीं है। हमें आपसे, अपने प्रधानमंत्री से, गृह मंत्री से और मुख्यमंत्रियों से उम्मीदें हैं। मैं समझता हूं कि उन्हें चुनावों के लिए विभाजन पैदा करना है। मैं यह नहीं कह रहा कि हर कोई हमारे खिलाफ है, लेकिन सभी को बैठकर समुदाय की चिंताओं को दूर करना चाहिए। उपयोग की जा रही शब्दावली को बदला जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि अगर जरूरी हुआ तो वे सरकार तक पहुंचेंगे। मौलाना मदनी ने मुशर्रफ प्रकरण का उल्लेख करते हुए देश में शांत बहुमत के अनुपात में आई गिरावट पर चिंता व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि मुशर्रफ प्रकरण के दौरान 90त्न शांत बहुमत था, जो कि अब घटकर 60त्न हो गया है। शीतकालीन सत्र में सरकार द्वारा वंदे मातरम की 150वीं वर्षगांठ पर चर्चा कराने और इसके गायन को अनिवार्य बनाने की चर्चा के बीच मौलाना मदनी ने अपने संगठन का रुख स्पष्ट किया। उन्होंने कहा, वंदे मातरम पर हमारे संगठन ने 2011 में और उससे पहले भी काफी बहस की थी। जमीयत उलेमा-ए-हिंद ने नवंबर 2009 में दारुल उलूम देवबंद के फतवे का समर्थन करते हुए प्रस्ताव पारित किया था कि वंदे मातरम का गायन इस्लाम के एकेश्वरवाद के विपरीत है, क्योंकि इसके कुछ छंद मातृभूमि को देवता के रूप में पूजते हैं। संगठन का मानना है कि वंदे मातरम के विवादास्पद अंशों को नहीं गाया जाना चाहिए। मदनी ने कहा, अब वे कह रहे हैं कि वंदे मातरम अनिवार्य होगा। जबरन लागू करना भारत के विचार के अनुरूप नहीं है।

बंगाल के भाजपा सांसदों से मिले पीएम मोदी

नई दिल्ली, एजेंसी। पीएम नरेंद्र मोदी ने पश्चिम बंगाल के भाजपा सांसदों से मुलाकात की है। 2026 में होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले पीएम मोदी की यह मीटिंग मायने रखती है। सोमवार को हुई इस बैठक में उन्होंने सांसदों से साफ कहा कि वे बंगाल में कानून व्यवस्था के मसले को प्रमुखता से उठाएं और इसी पर डटे रहें। उन्होंने सांसदों से कहा कि वे चुनाव के लिए तैयार रहें और हमलों की बात जनता तक पहुंचाएं। पीएम मोदी ने कहा कि सांसद खगेन मुर्मू पर हमला चिंता की बात है। उन्होंने कहा कि टीएमसी की ओर से ऐसी हिंसा को जनता तक पहुंचाना चाहिए। बंगाल से भाजपा के 12 लोकसभा सांसद हैं और 2 राज्यसभा के मेंबर हैं। पीएम मोदी ने कहा कि बंगाल में जैसे हालात हैं, उसमें जनता के बीच पहुंचना जरूरी है ताकि उन्हें संदेश दिया जाए कि स्थिति कैसी है। यदि हम जनता तक यह संदेश पहुंचाने में सफल रहे कि टीएमसी के राज में कानून-व्यवस्था की स्थिति खराब है तो हमें फायदा मिलेगा। इसके अलावा उन्होंने सांसदों से यह भी कहा कि वे एक डिटेल प्रजेंटेशन भी दें। इसमें बताएं कि वे जमीनी स्तर पर क्या प्रयास करेंगे, जिससे पार्टी को 2026 के असेंबली इलेक्शन में फायदा होगा। यह बैठक तब हुई है, जब राज्य में चुनाव आयोग की ओर से चलाए जा रहे स्क्रूक्का टीएमसी विरोध कर रही है। संसदीय कार्यमंत्री किरेन रिजिजू ने इससे पहले लोकसभा स्पीकर की अध्यक्षता में बुलाई गई सर्वदलीय बैठक में बताया कि 8 दिसंबर को वंदे मातरम के 150 साल पूरे होने पर लोकसभा में डिबेट होगी। इसके अलावा 9 तारीख को चुनाव सुधारों पर बात होगी। बता दें कि शीतकालीन सत्र के पहले ही दिन टीएमसी की सांसद सागरिका घोष ने केंद्र सरकार और चुनाव आयोग पर आरोप लगाया था और कहा था कि उनके हाथ खून से सने हुए हैं। घोष ने कहा था कि यह मानवीय आपदा है। बंगाल में स्क्रूक्की प्रक्रिया के दौरान 40 लोगों की मौत हो चुकी है। बीएलओ जान दे रहे हैं।

वेनेजुएला पर अमेरिका सख्त : ट्रंप ने चेताया- अब जमीन पर भी होंगे हमले

वॉशिंगटन, एजेंसी। कैरिबियन सागर में कथित वेनेजुएला के ड्रग तस्करों की नौकाओं पर अमेरिकी हमलों के बाद अब तनाव और बढ़ने के संकेत मिल रहे हैं। कारण है कि कैबिनेट बैठक के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दो टूक चेतावनी दी है कि सागर में हमले के बाद अब अमेरिका जल्द ही वेनेजुएला के अंदर भी जमीनी हमले शुरू कर सकता है। ट्रंप की ये चेतावनी ऐसे समय में सामने आई है जब ट्रंप प्रशासन कैरिबियन सागर में किए गए हमले को लेकर जांच के घेरे में है। बता दें कि इन हमलों में हुए 80 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई थी, ऐसे में इस हमले को लेकर उठ रहे सवाल के बीच ट्रंप ने अपने रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ का बचाव किया। साथ ही ट्रंप ने कहा कि हम जल्द ही जमीन पर भी हमले शुरू करेंगे। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि जमीनी हमले आसान है, क्योंकि हमें पता है कि ड्रग तस्कर कहां रहते हैं। हम बहुत जल्द हमला शुरू करने वाले हैं।

हाल में अमेरिका की ट्रंप प्रशासन को उन नौकाओं पर किए गए हमलों को लेकर कड़ी आलोचना झेलनी पड़ रही है जिन पर नशा-तस्करी का आरोप था। इन हमलों में अब तक 80 से अधिक लोग मारे जा चुके हैं। ऐसे में ट्रंप ने रक्षा मंत्री हेगसेथ का बचाव करते हुए कहा कि न तो उन्हें और न ही हेगसेथ को दूसरे हमले की जानकारी थी। ट्रंप ने कहा कि मुझे दूसरे हमले के बारे में कुछ नहीं पता था। मुझे बस इतना पता था कि एक नाव को निशाना बनाया गया था। दूसरी ओर रक्षा मंत्री हेगसेथ ने कहा कि उन्होंने पहला हमला लाइव देखा, लेकिन उसके बाद अपनी अगली मीटिंग में चले गए। उन्होंने कहा कि कुछ घंटे बाद मुझे दूसरे हमले के बारे में पता चला। मैंने कोई जीवित व्यक्ति नहीं देखा, क्योंकि वह नाव पूरी तरह आग में घिरी हुई थी।

हालांकि दूसरे हमले को लेकर व्हाइट हाउस ने बताया कि अमेरिकी स्पेशल ऑपरेशंस कमांड के प्रमुख एडमिरल फ्रैंक मिच ब्रैडली ने दूसरे हमले का आदेश दिया था।

8 साल की उम्र में हाई स्कूल और 15 में क्वांटम फिजिक्स में पीएचडी

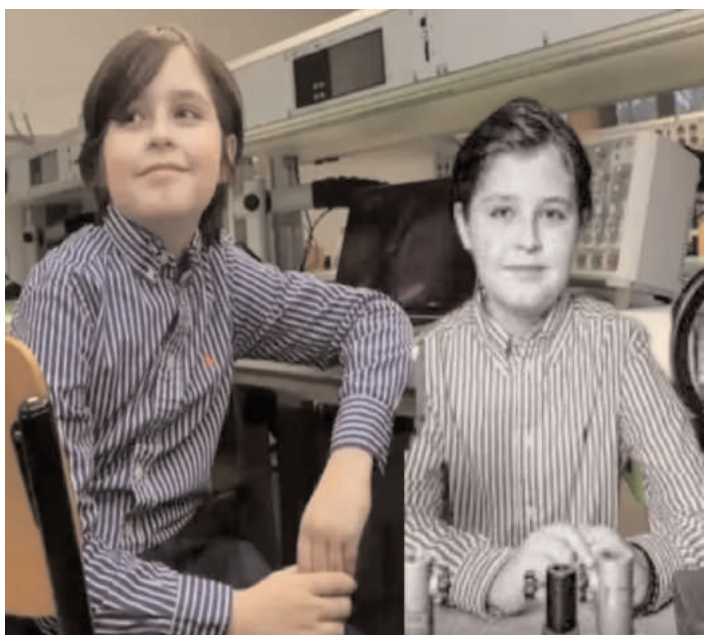

ब्रुसेल्स, एजेंसी। बेल्जियम के लॉरेंट सिमंस ने महज 15 साल की उम्र में क्वांटम फिजिक्स में डॉक्टरेट की उपाधि प्राप्त कर विश्व रिकॉर्ड बना दिया है। एंटवर्प विश्वविद्यालय में अपनी डॉक्टरेट थीसिस जमा करने के बाद लॉरेंट आधिकारिक रूप से दुनिया के सबसे कम उम्र के पीएचडी धारकों में से एक बन गए हैं। उनकी इस उपलब्धि ने वैज्ञानिक जगत को वर्षों से आश्चर्य में डाल रखा है। उन्हें लिटिल आइंस्टीन भी कहा जा रहा है।

लॉरेंट का मानना है कि वे शायद पीएचडी हासिल करने वाले सबसे कम उम्र के व्यक्ति हैं। यह उपलब्धि कई साल पहले शुरू हुए उनके सफर का प्रतीक है। 8 साल की उम्र में हाई स्कूल पूरा करना, 12 साल की उम्र में भौतिकी में बैचलर डिग्री और फिर रिकॉर्ड समय में मास्टर्स डिग्री हासिल करना। उन्होंने मीडिया को बताया कि इसके बाद मैं अपने असली लक्ष्य यानी सुपर-ह्यूमन बनाने की दिशा में काम शुरू करूंगा।लॉरेंट का कहना है कि उनकी महत्वाकांक्षाएं सिर्फ अकादमिक पुरस्कारों तक सीमित नहीं हैं। उनका जीवनभर का सपना मानव जीवन प्रत्याशा को बढ़ाना और अंततः मनुष्य को जैविक रूप से अमर बनाना है। पहले के साक्षात्कारों में उन्होंने कहा था कि मैं भौतिकी, रसायन विज्ञान, चिकित्सा और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को एक साथ जोड़ना चाहता हूं।

ब्लैक होल से बोसॉन तक

लॉरेंट के मास्टर्स शोध में बोसॉन अवस्थाओं और ब्लैक होल के बीच समानताओं की खोज की गई थी; इसमें उन्होंने अत्यंत कम तापमान पर बोस-आइंस्टीन कंडेनसेट का अध्ययन किया। जर्मनी के मैक्स प्लैंक इंस्टीट्यूट में इंटर्नशिप के दौरान उन्होंने क्वांटम ऑप्टिक्स और एआई-संचालित प्लाज्मा विश्लेषण का इस्तेमाल कर कैंसर के शुरुआती पता लगाने पर काम किया। उन्होंने बताया कि हमने एक मशीन लर्निंग एल्गोरिदम को ट्रेन किया है जो कैंसर मरीजों और स्वस्थ लोगों के बीच सटीक अंतर कर सके।

बता दें कि लॉरेंट ने अमेरिका और चीन की बड़ी-बड़ी टेक कंपनियों के कई ऑफर ठुकरा दिए हैं। उनके माता-पिता एलेक्जेंडर और लिडिया ने कहा कि उनके बेटे का शोध सबसे पहले चिकित्सा क्षेत्र की सेवा करे। गौरतलब है कि पीएचडी करने के बाद लॉरेंट म्यूनिख चले गए। वहां वे चिकित्सा में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर केंद्रित अपना दूसरा डॉक्टरेट कार्यक्रम शुरू करने वाले हैं। उनके पिता ने वीटीएम को बताया कि यह वास्तव में भौतिकी से बिल्कुल अलग क्षेत्र है।

टाटा ग्रुप के ट्रस्ट ने भाजपा को दिए 757.6 करोड़, कांग्रेस को मिला 77 करोड़

नई दिल्ली, एजेंसी। इलेक्टोरल बॉन्ड रद्द होने के बावजूद 2024-25 में भारतीय जनता पार्टी को चुनावी चंदे का सबसे बड़ा हिस्सा मिला है। चुनाव आयोग की वेबसाइट पर अपलोड किए गए विभिन्न इलेक्टोरल ट्रस्ट्स के योगदान रिपोर्टों से खुलासा हुआ है कि टाटा समूह नियंत्रित प्रोग्रेसिव इलेक्टोरल ट्रस्ट ने इस वित्त वर्ष में कुल 915 करोड़ रुपये में से लगभग 83% यानी 757.6 करोड़ रुपये सिर्फ भाजपा को दान किए। इसके मुकाबले कांग्रेस का हिस्सा मात्र 8.4% यानी 77.3 करोड़ रुपये रहा। इस ट्रस्ट ने 10-10 करोड़ रुपये तृणमूल कांग्रेस, वाईएसआर कांग्रेस, शिवसेना (उद्धव गुट), बीजू जनता दल, भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस), जद(यू), डीएमके और एलजेपी (रामविलास) को भी दिए। रिपोर्ट बताती हैं कि इलेक्टोरल बॉन्ड्स को असंवैधानिक करार देने और स्कीम खत्म करने के बावजूद भारतीय जनता पार्टी की फंडिंग पर कोई खास असर नहीं पड़ा है। भाजपा को ट्रस्टों के जरिए लगभग 959 करोड़ रुपये की राजनीतिक चंदा मिला है। इनमें सबसे बड़ा योगदान टाटा ग्रुप द्वारा नियंत्रित प्रोग्रेसिव इलेक्टोरल ट्रस्ट ही रहा। टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, इन सबको मिलाकर भाजपा को अभी तक ट्रस्टों से लगभग 959 करोड़ रुपये प्राप्त हुए हैं। हालांकि देश के सबसे बड़े प्रूडेंट इलेक्टोरल ट्रस्ट की 2024-25 की रिपोर्ट अभी चुनाव आयोग की वेबसाइट पर अपलोड नहीं हुई है। इसी ट्रस्ट के जरिए सबसे ज्यादा चंदा दिया जाता रहा है और भाजपा सबसे बड़ा लाभार्थी रही है। पिछले रिकॉर्ड के अनुसार प्रूडेंट ने 2023-24 में भाजपा को 724 करोड़ रुपये दिए थे। इसलिए वास्तविक आंकड़ा 959 करोड़ रुपये से काफी ज्यादा हो सकता है। कुल मिलाकर कांग्रेस की 2024-25 में कुल आय 517 करोड़ रुपये रही, जिसमें ट्रस्ट रूट से 60% से ज्यादा चंदा आया। यह आंकड़ा 2023-24 के 828 करोड़ रुपये (बॉन्ड्स से) से काफी कम है, लेकिन गैर-चुनाव वर्ष 2022-23 के 171 करोड़ रुपये से ज्यादा है। विशेषज्ञों का कहना है कि इलेक्टोरल बॉन्ड्स बंद होने के बाद कॉर्पोरेट घराने अब फिर से इलेक्टोरल ट्रस्ट्स के पुराने रास्ते पर लौट आए हैं, जिसमें पारदर्शिता का स्तर पहले से भी कम है क्योंकि ट्रस्टों को दानदाता कंपनियों के नाम सार्वजनिक करने की जरूरत नहीं होती (केवल प्राप्तकर्ता पार्टियों के नाम बताने होते हैं)। प्रूडेंट इलेक्टोरल ट्रस्ट की रिपोर्ट आने के बाद 2024-25 के कुल चंदे की पूरी तस्वीर स्पष्ट होगी, लेकिन उपलब्ध आंकड़े यही बता रहे हैं कि सत्ता में बैठी पार्टी की फंडिंग पर बॉन्ड्स के खत्म होने का कोई खास असर नहीं पड़ा है।

दिल्ली से बिहार तक शीतलहर की चेतावनी

दक्षिण भारत में दितवाह का कहर; चेन्नई में रेड अलर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। उत्तर भारत इस समय कड़ाके की सर्दी की चपेट में हैं। वहीं, दक्षिण भारत में दितवाह तूफान कहर बरपा रहा है। पहाड़ी राज्यों में बर्फबारी का दौर जारी है। इस बीच भारत मौसम विज्ञान विभाग ने देश के 08 राज्यों में आज शीतलहर की चेतावनी जारी की है।

आईएमडी ने बताया कि इस दौरान इन राज्यों में तापमान में तेजी से कमी आएगी। विभाग के मुताबिक यूपी, बिहार, राजस्थान, महाराष्ट्र हरियाणा पंजाब समेत कई राज्यों में शीतलहर देखने को मिल सकती है। उधर, दक्षिण भारत के कई राज्यों में चक्रवात दितवाह का कहर देखने को मिल रहा है। तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश समेत कई राज्यों में आज बारिश की संभावना है।

आईएमडी के अनुसार, दिल्ली में आज सर्दी का सितम देखने को मिल रहा है। पहले से ही राजधानी प्रदूषण की मार झेल रही है। इस बीच मौसम विभाग ने बताया कि दिल्ली के अधिकांश इलाकों में आज कोहरा देखने को मिलेगा। यलो अलर्ट जारी करते हुए मौसम विभाग ने बताया कि 3 दिसंबर से सुबह के समय शीत लहर चलेगी।

उत्तर प्रदेश के अधिकांश जिलों में ठंड का प्रकोप देखने को मिल रहा है। सुबह और

शाम को ठंड का ज्यादा एहसास हो रहा है। वहीं, आईएमडी ने बताया कि बुधवार से कई जिलों में तापमान में तेजी से कमी देखने को मिलेगी। आज कानपुर, आगरा, इटावा, टुंडला, मुजफ्फरनगर, बाराबंकी में शीत लहर देखने को मिल सकती है। पूर्वी यूपी के जिलों में भी करीब यही स्थिति देखने को मिल सकती है। मौसम विभाग के अनुसार, बिहार में आज यानी बुधवार को कड़ाके की ठंड महसूस होगी। दिसंबर की शुरुआत के साथ ही तापमान में भी कमी देखने को मिल रही है। विभाग ने पूर्णिया, किशनगंज, अररिया, कटिहार में शीत लहर अलर्ट जारी किया है।

चक्रवात दितवाह कमजोर पड़ गया है, हालांकि इसके असर से तमिलनाडु में भारी बारिश की संभावना है। विज्ञान विभाग ने मंगलवार को तमिलनाडु के तिरुवल्लूर, चेनई, कांचीपुरम और चेंगलपट्टू जिलों के लिए रेड अलर्ट जारी किया। गहरे दबाव में क्षेत्र में बदला दितवाह पश्चिम-मध्य और दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी के आस-पास और उत्तर तमिलनाडु और दक्षिण आंध्र प्रदेश के तटों पर तीन किमी/घंटा की गति से धीरे-धीरे दक्षिण-पश्चिम की ओर बढ़ा है। यह तमिलनाडु-पुडुचेरी तटों से 25 किमी दूर है। संभावना है कि यह धीरे-धीरे उत्तर तमिलनाडु-पुडुचेरी तटों की ओर बढ़ेगा।

लंदन में 'मेगा' दूतावास बनाने की चीन की योजना में और देरी

लंदन, एजेंसी। मध्य लंदन में चीन के एक विशाल दूतावास के निर्माण की विवादास्पद योजना पर एक लंबे समय से लंबित निर्णय को एक बार फिर टाल दिया गया है। अधिकारियों ने बढ़ती सुरक्षा चिंताओं के मद्देनजर यह जानकारी दी है। लंदन के वित्तीय जिले और संवेदनशील डेटा केबलों के करीब एक बहुत बड़ी साइट पर बनने वाले इस 'मेगा दूतावास' की योजना वर्षों से रुकी हुई है। आलोचकों ने चिंता जताई है कि इस इमारत का इस्तेमाल जासूसी के अड्डे के रूप में किया जाएगा, और राजनीतिक गलियारों के सांसदों ने सरकार से इस प्रस्ताव को खारिज करने का आग्रह किया है।

प्लानिंग इंस्पेक्टरेट ने कहा कि इस पर पूरी तरह से विचार करने के लिए अधिक समय देने हेतु समय सीमा को बढ़ाकर 20 जनवरी कर दिया गया है। प्रधान मंत्री कीर स्टार्मर के प्रवक्ता टॉम वेल्स ने पत्रकारों से कहा, 'गृह कार्यालय और विदेश कार्यालय ने विशेष सुरक्षा निहितार्थों पर विचार दिए हैं, और शुरू से ही यह स्पष्ट किया है कि जब तक हम यह पुष्टि नहीं कर देते कि उन विचारों को पूरा या सुलझा लिया गया है।

अफगानिस्तान में तालिबानी सजा

13 साल के बच्चे ने युवक को दी सजा-ए-मौत; देखने के लिए उमड़ी हजारों की भीड़

काबुल, एजेंसी।। अफगानिस्तान से एक दिल दहला देने वाली घटना का वीडियो सामने आया है। जिसमें 80 हजार लोगों के सामने एक युवक को गोली मारकर सजा दी गई। हैरानी की बात यह है कि यह सजा एक 13 साल के बच्चे ने दी। दरअसल, सजा पाने वाला युवक पर गोली मारने वाले लड़के के परिवार के लोगों की हत्या का आरोप था। तालिबानी अधिकारियों ने आरोपी की पहचान की। जिसके बाद अफगानिस्तान के सुप्रीम कोर्ट ने उसे दोषी करार दिया था। इसके बाद तालिबान के सुप्रीम लीडर हिबतुल्लाह अखुंदजादा ने उसकी फांसी की मंजूरी दी थी। इसके बाद 13 वर्षीय लड़के से पूछा कि क्या वह दोषी ठहराए गए व्यक्ति को माफ करना

चाहता है, इस पर बच्चे ने साफ मना कर दिया। इसके बाद अधिकारियों ने सार्वजनिक रूप से निवासियों को फांसी की सजा देखने के लिए प्रोत्साहित किया था। इसके लिए बकायदा नोटिस भी जारी किया गया और उसे व्यापक रूप से प्रसारित किया गया। सार्वजनिक फांसी देखने के लिए स्टेडियम में करीब 80 हजार लोगों की भीड़ जुटी थी। जिसके बाद तालिबानी अधिकारियों ने 13 साल के लड़के के हाथ में एक बंदूक थमा दिया और उसे हत्या करने का निर्देश दिया। कुछ ही देर में बच्चे ने स्टेडियम के अंदर घातक गोलियां चलाकर आरोपी को मौत के घाट उतार दिया। तालिबान के सर्वोच्च न्यायालय ने फांसी दिए गए व्यक्ति की पहचान तलाह खान के पुत्र मंगल के रूप में की। मंगल को अब्दुल रहमान की हत्या करने का दोषी पाया गया था। सजा देने वाली घटना का खौफनाक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। जिसमें करीब 80 हजार लोगों से खचाखच भरे स्टेडियम में गोली मारकर सार्वजनिक फांसी दी गई। गोलियों की आवाज के बीच धार्मिक नारे भी सुनाई दे रहे हैं।

लुटियंस दिल्ली 25 साल तक होगी पानी की टेंशन से फ्री, एनडीएमसी बनाएगी मास्टर प्लान

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के दिल यानी लुटियंस दिल्ली में अब पानी की हर बूंद को 25 साल आगे तक सुरक्षित करने की बड़ी तैयारी चल रही है। एनडीएमसी ने एक मास्टर प्लान बनाने का फैसला किया है, जिससे वीआईपी इलाका पानी की किल्लत से हमेशा के लिए मुक्त हो जाए।

लुटियंस दिल्ली के 42.7 वर्ग किलोमीटर में स्थायी आबादी महज 2.5 लाख है, लेकिन दिन में घूमने-काम करने वाले लोगों की तादाद 16 से 20 लाख तक पहुंच जाती है। मतलब पानी की डिमांड तो दिल्ली के किसी बड़े इलाके जितनी है लेकिन सप्लाई लाइनें पुरानी और सीमित हैं।

148 मिलियन लीटर चाहिए, मिल रहे सिर्फ 125 : अभी इस इलाके को रोज 148 एमएलडी (मिलियन लीटर प्रतिदिन) पानी की जरूरत है, लेकिन दिल्ली जल बोर्ड से सिर्फ 125 एमएलडी ही मिल पाता है। यानी हर दिन 23 मिलियन लीटर की कमी है। गर्मियों में तो हालात और खराब हो जाते हैं।

संघीय जांच ब्यूरो ने हमीद, अमेरिका में भारतीय मां-बेटे की हत्या करने वाले नजीर पर 50 हजार डॉलर का इनाम

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में 2017 में एक भारतीय महिला और उसके 6 साल के बेटे की नृशंस हत्या के मामले में फरार नजीर की तलाश तेज हो गई है। संघीय जांच ब्यूरो ने हमीद की गिरफ्तारी में मदद करने वाले को 50,000 डॉलर का इनाम भी रखा है। संघीय जांच ब्यूरो ने हमीद ने भारत सरकार से अपील की है कि हमीद के प्रत्यर्पण में मदद करे।

दरअसल, अमेरिका के न्यू जर्सी में 23 मार्च 2017 को मेपल शेड स्थित अपार्टमेंट में शशिकला नर्रा (38) और उनके बेटे अनीश नर्रा (6) के शव मिले थे। शव के पोस्टमॉर्टम में सामने आया कि दोनों की हत्या गर्दन

पर चाकू से वार कर की गई है। बेटे अनीश का सिर शरीर से अलग हो गया था और दोनों के शरीर पर अनगिनत घाव के निशान थे।

जांच के दौरान सामने आया कि आरोपी नजीर हमीद जो भारतीय नागरिक है, पीड़ितों के ही अपार्टमेंट कॉम्प्लेक्स में रहता था।उसकी पहचान संदिग्ध व्यक्ति के रूप में हुई, क्योंकि यह पता चला कि वह पीड़ितों के पति और पिता का पीछा कर रहा था। हत्याओं के छह महीने बाद वह भारत भाग आया और तब से यहीं छिपा है। घटनास्थल पर मिली खून की एक बूंद किसी पीड़ित की नहीं थी। बाद में उस खून का डीएनए हमीद से मैच हो गया। हमीद पर फरवरी 2025 में हत्या समेत छह गंभीर आरोप लगाए गए। न्यू जर्सी गवर्नर फिल मर्फी ने पिछले हफ्ते भारत के राजदूत विनय क्वात्रा को फोन कर हमीद को प्रत्यर्पण में तुरंत सहयोग करने की मांग की।

कड़े मानदंडों को पूरा करने के बाद मिलती है सऊदी अरब की नागरिकता

अबुधावी, एजेंसी। दुनिया के सबसे बड़े तेल उत्पादक और अपनी इस्लामी विरासत के लिए प्रसिद्ध देश सऊदी अरब में नागरिकता प्राप्त करने के नियम दुनिया के अन्य देशों की तरह ही सख्त और जटिल हैं। सोशल मीडिया पर अक्सर यह सवाल चर्चा का विषय बनता है कि क्या कोई विदेशी पुरुष सऊदी अरब की महिला से विवाह करके यहां की नागरिकता आसानी से प्राप्त कर सकता है? आज हम आपको सऊदी अरब के विवाह और नागरिकता से जुड़े नियमों का स्पष्ट जवाब देते हैं जो मुख्यत: इस्लामी शरिया कानून से प्रेरित हैं। सऊदी अरब के विवाह कानून इस्लामी सिद्धांतों पर आधारित हैं जो वैवाहिक जीवन के सभी पहलुओं को नियंत्रित करते हैं। सऊदी नागरिक संबंधित अनुमति के साथ किसी अरब या इस्लामी देश की लड़की से विवाह कर सकते हैं। सऊदी सरकार गैर-मुस्लिमों से विवाह पर कड़े प्रतिबंध लगाती है। अधिकारी सऊदी महिलाओं के विदेशी पतियों के निवास संबंधी मुद्दों पर विशेष ध्यान देते हैं। ऐसे पतियों को निवास परमिट प्राप्त करने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है। सऊदी अरब में विवाह के आधार पर नागरिकता मिलना सीधी प्रक्रिया नहीं है। इसके लिए गैर-सऊदी जीवनसाथी को कड़े मानदंडों को पूरा करना पड़ता है- निवास समाप्ति- सऊदी पति या पत्नी के तलाक या मृत्यु की स्थिति में विदेशी जीवनसाथी का निवास समाप्त किया जा सकता है। यह नियम तभी लागू नहीं होगा जब विवाह से बच्चे हों या वे असाधारण मानवीय औचित्य प्रस्तुत कर सकें।

तेज रफ्तार कार हाईवे पर ट्रक में घुसी, चार डॉक्टरों की हुई दर्दनाक मौत

अमरोहा (एजेंसी)। यूपी के अमरोहा जिले के रजबपुर क्षेत्र में दिल्ली-लखनऊ राष्ट्रीय राजमार्ग पर तेज रफ्तार कार खड़े हुए ट्रक से टकराने के कारण चार चिकित्सकों की मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक बीती देर रात करीब साढ़े 10 बजे अतरासी इलाके के पास यह दुर्घटना हुई। पुलिस के अनुसार टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार ट्रक के नीचे फंसकर बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गयी। घटनास्थल पर पहुंची पुलिस ने कटर से कार को काटकर शवों को बाहर निकाला। पुलिस ने बताया कि मृतकों की पहचान दिल्ली के निवासी आयुष शर्मा, श्रेष्ठ पंचोली, कोलकाता के निवासी अर्नब चक्रवर्ती और त्रिपुरा के रहने वाले सप्तऋषि के रूप में हुई है। पुलिस ने चारों शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिए हैं।

एसिड अटैक मामले में 16 साल बाद भी ट्रायल... अत्याधिक देरी पर भड़के सीजेआई

नई दिल्ली (एजेंसी)। 2009 के एसिड अटैक मामले में सुप्रीम कोर्ट ने ट्रायल में अत्यधिक देरी पर चिंता व्यक्त कर कड़ा रुख अपनाया है। साल 2009 में एक महिला पर हुए एसिड अटैक का मामला, जिसका ट्रायल 16 साल बाद भी (खबर के अनुसार) चल रहा है। उन्होंने कहा कि अगर राष्ट्रीय राजधानी (दिल्ली) इसतरह के मामलों को हैंडल नहीं कर सकती है, तब कौन करेगा। उन्होंने शर्म की बात और सिस्टम का मज़ाक बताया। बेंच (सीजेआई सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची) ने सभी हाई कोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल से एसिड अटैक केस में लंबित ट्रायल का डेटा चार हफ़्तों के अंदर जमा करने का निर्देश दिया है। याचिकाकर्ता ने बताया कि ट्रायल अब दिल्ली के रोहिणी में अंतिम सुनवाई के चरण में है। वह अपने केस के साथ-साथ अन्य एसिड अटैक सर्वाइवर्स की मदद भी कर रही हैं। सीजेआई ने याचिकाकर्ता को ट्रायल में तेजी लाने के लिए आवेदन दायर करने और मामले की सुनवाई रोज़ाना करने को कहा। याचिकाकर्ता ने एसिड अटैक सर्वाइवर्स की बुरी हालत (जैसे एसिड पीने को मजबूर होना, आर्टिफिशियल फीडिंग ट्यूब पर निर्भरता) का जिक्र किया और उन्हें दिव्यांगों की कैटेगरी में रखने की मांग की, ताकि उन्हें वेलफेयर स्कीम्स का लाभ मिल सके। बेंच ने केंद्र से इस अर्जी पर जवाब मांगा है। सुप्रीम कोर्ट ने 16 साल से चल रहे एसिड अटैक ट्रायल की धीमी गति पर न्यायिक व्यवस्था की कड़ी आलोचना की है और देश भर के हाई कोर्ट से लंबित मामलों का डेटा मांगा है, साथ ही पीड़ितों को दिव्यांग कैटेगरी में शामिल करने की मांग पर केंद्र से जवाब मांगा है।

धर्मेंद्र की संपत्ति को लेकर चर्चा, सनी ने कहा... सभी बच्चों को उनकी संपत्ति में समान अधिका

मुंबई (एजेंसी)। दिग्गज अभिनेता धर्मेंद्र का निधन 24 नवंबर 2025 को उनके मुंबई स्थित घर पर निधन हो गया था। उनकी अनुमानित संपत्ति जो कि करीब 450 करोड़ रुपये है, जिसमें फार्महाउस, बंगला, स्टूडियो, प्रोडक्शन हाउस, रेस्टोरेंट और अन्य निवेश शामिल हैं। इसके बंटवारे को लेकर चर्चा जोरों पर है। बालीवुड के हीमैन धर्मेंद्र ने दो शादिया की थी इसके बाद उनके दो परिवार है। पहली पत्नी प्रकाश कौर से अभिनेता सनी देओल, बॉबी देओल, बहन अजीता और विजेता। जबकि दूसरी पत्नी हेमा मालिनी से ईशा और अहाना देओल शामिल है। इसके अलावा उनके 13 नाती-पोते भी हैं। बात दें कि हेमा और उनकी बेटियों का धर्मेंद्र की प्रेयर मीट में शामिल न होना, परिवार के भीतर संभावित मतभेदों की खबरों को हवा देता है। साथ ही, हेमा मालिनी के 45 साल की शादी में पहली पत्नी वाले घर कभी न जाने का ज़िक्र है, जिसके कारण अंतिम समय में वे धर्मेंद्र से नहीं मिल पाईं। लेकिन परिवार के एक करीबी सूत्र के अनुसार, सनी देओल ने स्पष्ट किया है कि धर्मेंद्र के सभी बच्चों को उनकी संपत्ति में समान अधिकार प्राप्त होगा। सनी का कहना है कि वे किसी भी हालत में ईशा और अहाना के हिस्से को नुकसान नहीं पहुंचने देने वाले है। उन्होंने कहा कि यह धर्मेंद्र की भी आखिरी इच्छा थी। संपत्ति के बंटवारे को लेकर सोशल मीडिया पर खूब चर्चा हो रही है। अब यह देखना होगा कि उनकी इच्छा और सनी देओल के आश्वासन के अनुरूप विरासत को न्यायपूर्ण तरीके से कैसे विभाजित किया जाता है।

800 करोड़ के ऑनलाइन सट्टेबाजी धोखाधड़ी मामले में दो आरोपी गिरफ्तार

मुंबई (एजेंसी)। सूरत पुलिस के साइबर अपराध प्रकोष्ठ ने 800 करोड़ के ऑनलाइन सट्टेबाजी धोखाधड़ी मामले में दो आरोपियों को मुंबई हवाई अड्डे से गिरफ्तार किया है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि जतिन ठक्कर उर्फ जॉन रैपर (27) और दीपकुमार ठक्कर (24) को अदालत में पेश किया, जहां से उन्हें छह दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया गया। साइबर अपराध प्रकोष्ठ ने इसके पहले सूरत के कतारगाम इलाके में छापेमारी कर मीत शाह, यश शिंदे, ऋषिकेश सपकाल, नीलेश सोलंकी और परेशकुमार मोदी को ऑनलाइन सट्टेबाजी पोर्टल या मंच के जरिए लोगों को ठगने के आरोप में गिरफ्तार किया था। पुलिस अधिकारी ने बताया कि आरोपी कथित तौर पर 149 बैंक खातों का उपयोग कर रहे थे और इन खातों के संबंध में पूरे भारत में 417 शिकायतें दर्ज कराई गई हैं। जतिन और दीपकुमार के फरार होने पर सूरत पुलिस ने उनके खिलाफ लुकआउट सर्कुलर (एलओसी) जारी किया था।

भारत के खिलाफ युद्ध छेड़ने और हथियार खरीदने के आरोप में 5 को आजीवन कारावास

कोलकाता(एजेंसी)। कोलकाता की एक कोर्ट ने जमात-उल-मुजाहिदीन बांग्लादेश के पांच सदस्यों को जिनमें से दो बांग्लादेशी नागरिक हैं, भारत के खिलाफ युद्ध छेड़ने और इस उद्देश्य के लिए हथियार खरीदने का दोषी पाया और उन्हें आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक आतंकवादी समूह जमात-उल-मुजाहिदीन बांग्लादेश (जेएमबी) के कार्यकर्ता भारत के कई राज्यों में बम विस्फोट जैसी गतिविधियों को अंजाम देने की योजना बना रहे थे। कोलकाता पुलिस की एसटीएफ ने सितंबर 2016 में पश्चिम बंगाल और असम से छह आरोपियों को विस्फोटक, आईईडी, भारत में विस्फोट करने की उनकी योजना के दस्तावेजों और अन्य सामग्रियों के साथ गिरफ्तार किया था। सिटी सत्र अदालत के विशेष न्यायाधीश रोहन सिन्हा ने छह आरोपियों में से पांच को दोषी करार दिया और उन्हें आजीवन कारावास की सजा सुनाई। कोर्ट ने बांग्लादेशी नागरिकों अनवर हुसैन फारुक और मोहम्मद रुबेल, पश्चिम बंगाल के बर्धमान निवासी मौलाना यूसुफ एस के और असम निवासियों मोहम्मद साहिदुल इस्लाम और जबीरुल इस्लाम को दोषी करार देते हुए सजा सुनाई है। छठे आरोपी बर्धमान निवासी अब्दुल कलाम को सबूतों के अभाव में बरी कर दिया गया।

वायु प्रदूषण पर बोलीं सोनिया गांधी- मुझ जैसे बुजुर्गों को हो रही परेशानी, कुछ करना सरकार की जिम्मेदारी

-संसद परिसर में विपक्ष ने किया जोरदार प्रदर्शन

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली-एनसीआर में लगातार वायु गुणवत्ता बिगड़ी हुई और इसे लेकर आज यहां संसद परिसर में विपक्ष ने राजनीतिक तापमान बढ़ा दिया। विपक्षी सांसदों ने मकर द्वार के सामने मास्क, पोस्टर और स्लोगन के साथ जोरदार विरोध प्रदर्शन करते हुए सरकार से त्वरित और ठोस कदम उठाने की मांग की। इस प्रदर्शन में कांग्रेस नेत्री सोनियां गांधी भी शरीक हुईं और वायु प्रदूषण के लिए सरकार को घेरा।

यहां सोनिया गांधी ने कहा, कि वायु प्रदूषण के कारण छोटे बच्चे परेशान हैं, मुझ जैसे बुजुर्गों को परेशानी हो रही। कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी ने प्रदर्शन में शामिल होते हुए कहा, कुछ करना सरकार की ज़िम्मेदारी है। छोटे बच्चे परेशान हैं, और मेरे जैसे बुज़ुर्ग लोगों के लिए भी यह मुश्किल है। सरकार को त्वरित कार्रवाई करनी चाहिए। संसद परिसर में विपक्ष के सांसदों ने मास्क और स्लोगन लिखे पोस्टर लेकर जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। वहीं सोनिया गांधी के बयान को विपक्ष की उस बढ़ती नाराजगी के रूप में देखा जा रहा है, जो दिल्ली की विषाक्त हवा और केंद्रीय व राज्य सरकारों की निष्क्रियता पर केंद्रित है।

इसी बीच वायनाड से सांसद प्रियंका गांधी ने कहा, कि आखिर किस मौसम का मजा लें? खासतौर पर तब जबकि लोग सांस तक ठीक से नहीं ले पा रहे हों। उन्होंने कहा, बाहर देखिए क्या स्थिति बनी हुई है। छोटे बच्चे, बुजुर्ग सांस नहीं ले पा रहे हैं। हर साल स्थिति बिगड़ती जा रही है, हर साल सिर्फ बयानबाजी होती है। कोई ठोस कार्रवाई नहीं होती। हमने सरकार से कहा है कि कार्रवाई करे, हम उसके साथ खड़े हैं। यह कोई राजनीतिक मामला नहीं है। उन्होंने वायु गुणवत्ता को राष्ट्रीय स्वास्थ्य संकट बताया और इसे संसद में शीर्ष प्राथमिकता से उठाने की आवश्यकता दोहराई।

स्थगन प्रस्ताव दिया

कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी ने बताया, कि उन्होंने सदन में काम रोको प्रस्ताव दिया है। उनके अनुसार, दिल्ली में एक्यूआई 400 है, लोग बुरी स्थिति में हैं। बच्चों को सांस लेने में मुश्किल हो रही है। यह स्वास्थ्य की दृष्टि से एक बड़ी आपदा है। इस पर सदन में विस्तृत चर्चा होनी चाहिए।

दोनों सरकारें फेल : अजय माकन

कांग्रेस नेता अजय माकन ने दिल्ली और केंद्र सरकार दोनों पर सीधा हमला बोला। उन्होंने कहा, दिल्ली में, दिल्ली सरकार और केंद्र सरकार दोनों जिम्मेदार हैं। कोई भी अब ब्लेम गेम नहीं खेल सकता। जब तक दिल्ली में पब्लिक ट्रांसपोर्ट में सुधार नहीं होगा, प्रदूषण का मुद्दा हल नहीं होगा। कांग्रेस के 15 साल में हालात नियंत्रण में थे, लेकिन बीजेपी और आप दोनों दिल्ली में प्रदूषण रोकने में फेल हो गए हैं।

प्रदूषण पर कड़ा राजनीतिक दबाव

दिल्ली-एनसीआर में एक्यूआई लगातार 'बहुत खराब' से 'गंभीर' श्रेणी में बना हुआ है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ बार-बार चेतावनी दे रहे हैं कि स्थितियां बच्चों, बुजुर्गों और सांस संबंधी रोगियों के लिए बेहद खतरनाक हैं।

यूपी में कांग्रेस का समाजवादी पार्टी से टूटा नाता ! कांग्रेस ने पंचायत चुनाव अकेले लड़ने का किया ऐलान

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में कांग्रेस पार्टी के एक फैसले से सूबे की राजनीति गरमा गयी है। दरअसल, पंचायत चुनाव से पहले कांग्रेस ने समाजवादी पार्टी से किनारा कर लिया है। इसके पीछे वजह यह है कि कांग्रेस पार्टी ने अकेले पंचायत चुनाव लड़ने का फैसला किया है। बताया जाता है कि यूपी कांग्रेस सांसदों की राहुल गांधी के साथ हुई बैठक में यह फैसला लिया गया है। यूपी कांग्रेस प्रभारी अविनाश पांडे ने कहा कि आने वाले पंचायत चुनाव में पार्टी अकेले चुनाव लड़ेगी। कहा जा रहा है कि बिहार विधानसभा चुनाव में मिली करारी हार के बाद कांग्रेस पार्टी अलग से पंचायत चुनाव लड़ने का फैसला किया। हालांकि कांग्रेस पार्टी के इस फैसले से अब इंडिया अलायंस के भविष्य पर सवाल उठने लगे हैं। वहीं राजनीतिक जानकार कांग्रेस के इस फैसले को उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव से पहले एक नए प्रयोग के रूप में देख रहे हैं। उल्लेखनीय है कि, बीते दिनों उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री व समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव ने कहा था कि कांग्रेस और समाजवादी पार्टी 2027 का विधानसभा चुनाव साथ मिलकर लड़ेगी। हमारा गठबंधन जारी रहेगा। मगर, कांग्रेस पार्टी के इस फैसले ने सभी को चौका दिया है। हालांकि, कांग्रेस के इस निर्णय पर समाजवादी पार्टी की तरफ से कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है। गौरतलब है कि लोकसभा चुनाव 2024 में सपा-कांग्रेस के गठबंधन प्रदेश की 80 सीटों सें 43 सीटें अपने खाते में की थी।

झांसी की एसआईआर लिस्ट में अमिताभ बच्चन का नाम, मचा हड़कंप

- मकान नंबर 54 में दर्ज है नाम लेकिन वहां मंदिर मिला

झांसी (एजेंसी)। यूपी इन दिनों एसआईआर प्रक्रिया चर्चाओं में हैं। आए दिन इसको लेकर कुछ न कुछ चौंकाने वाली मामले सामने आ रहे हैं। अब एक और अजब-गजब मामला सामने आया है। जहां एसआईआर सूची में फिल्म अभिनेता अमिताभ बच्चन और उनके पिता हरिवंश राय बच्चन का नाम दर्ज मिला है, जिसको लेकर अब हड़कंप मचा गया है। सवाल उठ रहे हैं कि आखिर ऐसे नाम सूची में कैसे पहुंचे?

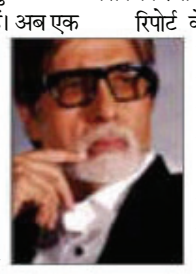

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अमिताभ बच्चन ओरछा गेट बाहर के खुशीपुरा इलाके की वोटर लिस्ट में उनका नाम और मकान नंबर 54 दर्ज है। साफतौर से ये भी बताया गया है कि अमिताभ बच्चन ने साल 2003 में वोट भी डाला था, साथ ही लिस्ट के मुताबिक अमिताभ बच्चन की उम्र 76 साल की है। इसको लेकर जब पड़ोसियों ने बताया तो हर कोई हैरान रह गया। पड़ोसियों ने कहा कि हमने अमिताभ बच्चन को सिर्फ फिल्मों में देखा है।

रिपोर्ट के मुताबिक एसआईआर लिस्ट में अमिताभ बच्चन के नाम के साथ जो मकान नंबर-54 दर्ज है वह मकान नंबर सुरेंद्र कुमार (76) पुत्र राजेश कुमार के नाम दर्ज पाया गया है। दोनों मतदाताओं का नाम लिस्ट में 543 और 544वें नंबर पर देखा गया है। वहीं पूरा मामले में यूटर्न तब आया जब मकान नंबर 54 की जगह यहां मंदिर मिला। नाम सामने आते ही प्रशासन में खलबली मच गई। विभाग में घमासान और जांच की मांग तेज हो गई है। फिलहाल विभाग में जवाबदेही को लेकर चर्चाएं तीखी हो गई हैं और मामला गर्माता जा रहा है।

सीएम रेंवत के बयान पर बीजेपी का आरोप, हिंदू-विरोधी राजनीति कर रहे है और मुस्लिम लीग जैसी सोच

हैदराबाद (एजेंसी)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए.रेवंत रेड्डी के हिंदू देवी-देवताओं पर दिए गए बयान से विवाद पैदा हो गया है। सीएम रेड्डी ने कांग्रेस की अंदरूनी बैठक में पार्टी के भीतर विभिन्न विचारधाराओं और समूहों को समायोजित करने की प्रक्रिया को समझाने के लिए हिंदू धर्म में देवी-देवताओं की विविधता का उदाहरण दिया। उन्होंने कहा कि हिंदुओं के तीन करोड़ देवी-देवता हैं, और हर परिस्थिति के लिए अलग देवता माने जाते हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार, उन्होंने विभिन्न देवताओं के उदाहरण दिए, जैसे अविवाहितों के लिए हनुमान, दो बार शादी करने वालों के लिए अलग देवता, शराब पीने वालों के लिए अलग देवता, आदि। सीएम रेंवत के बयान पर भाजपा और बीआरएस (बीआरएस) दोनों ने इस बयान पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त देकर मुख्यमंत्री से माफी की मांग की है। भाजपा ने आरोप लगाया है कि कांग्रेस हिंदू-विरोधी राजनीति कर रही है और मुस्लिम लीग जैसी सोच के साथ काम कर रही है। भाजपा के

राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने हिंदू देवी-देवताओं का अपमान और अर्बन नक्सली मानसिकता का उदाहरण बताया। उन्होंने कांग्रेस पर हिंदू आस्थाओं पर बार-बार हमला करने का आरोप लगाया और हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री के राधे-राधे अभिवादन पर आपत्ति जताने की घटना का भी उल्लेख किया। भाजपा ने कांग्रेस सांसद इमरान मसूद के जिहाद संबंधी टिप्पणी के समर्थन और कांग्रेस सांसद रेणुका चौधरी की भौं-भौं वाली प्रतिक्रिया पर भी निशाना साधा, इसे कांग्रेस के मुस्लिम लीग एजेंडा का हिस्सा बताया। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता संबित पात्रा ने इस बयान को आपत्तिजनक और घृणित बताते हुए कांग्रेस के भीतर हिंदू-विरोधी भावनाओं का जहर उजागर होने की बात कही।

इसके बाद में मुख्यमंत्री रेड्डी ने दावा किया कि भाजपा उनके बयान को तोड़-मरोड़ रही है। उन्होंने कहा कि उन्होंने यह बात कांग्रेस के भीतर की आंतरिक विविधता को समझाने के लिए कही थी ताकि नए डीसीसी अध्यक्ष सभी को साथ लेकर चल सकें। यह विवाद तब सामने आया है जब तेलंगाना की नई कांग्रेस सरकार संगठन को मजबूत करने और व्यापक समूहों तक पार्टी की विचारधारा पहुँचाने की कोशिश कर रही है। यह घटना तेलंगाना की राजनीति में एक तीखी बहस का विषय बन गई है, जिसमें विपक्षी दल कांग्रेस पर हिंदू भावनाओं को ठेस पहुँचाने और मुस्लिम तुष्टिकरण का आरोप लगा रहे हैं।

राहुल गांधी की नागरिकता को दाखिल परिवाद पर सुनवाई आज

नई दिल्ली(एजेंसी)। रायबरेली (ईएमएस)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और रायबरेली से कांग्रेस सांसद राहुल गांधी की ब्रिटिश नागरिकता को लेकर रायबरेली की एमपी-एमएलए कोर्ट में दाखिल परिवाद पर कल कोर्ट सुनवाई करेगा। बेंगलुरु के रहने वाले भाजपा नेता एस. विग्नेश शिशिर ने हाईकोर्ट के अधिवक्ता विदेश्वरी पांडेय के माध्यम से बुधवार को प्रार्थना पत्र दिया था। इस पर कोर्ट ने शहर कोतवाली पुलिस से प्रकरण की रिपोर्ट तलब की है।

एस. विग्नेश शिशिर ने राहुल गांधी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 318, 335, 340, 236, 237, 61, 148,147, 152, 238, 336, 351, 354,359, 241 सहित पासपोर्ट अधिनियम व विदेशी अधिनियम की विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कराने का प्रार्थना पत्र विशेष न्यायाधीश डा. विवेक कुमार के समक्ष दाखिल किया है। कोर्ट ने न्यायालय ने प्रार्थनापत्र पर कोई आदेश करने के पूर्व कोतवाली से रिपोर्ट मंगाई है। शिकायतकर्ता ने राहुल पर गंभीर आरोप लगाए हैं। कुछ धाराओं में आजीवन कारावास से लेकर मृत्युदंड तक के प्रावधान है। दोहरी नागरिकता, फर्जी पासपोर्ट, गोपनीय सूचना दुश्मनों को पहुंचाना, बेनामी संस्था बनाने जैसे गंभीर आरोप है। कोर्ट ने प्रकीर्ण वाद में दर्ज कर सुनवाई के लिए कल पांच दिसम्बर की तिथि नियत की है।

भाजपा कार्यकर्ता एस विग्नेश शिशिर ने बताया कि एमपी-एमएलए कोर्ट में सांसद राहुल गांधी के खिलाफ ब्रिटिश नागरिकता को लेकर एप्लीकेशन दी गयी है। कोर्ट से इस मामले में मुकदमा दर्ज करने की मांग की है। इस मामले में न्यायालय ने कोतवाली पुलिस रायबरेली से रिपोर्ट मांगी है। जांच की रिपोर्ट भी जल्दी मिल जाएगी। इस मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और सीबीआई पहले से जांच कर रही है। शिशिर ने कहा कि भारत की राजनीति में पहली बार ऐसा हुआ कि कोई विदेशी नागरिक हमारे संसद में 20 साल से बैठे हैं। इस मामले में जल्द ही सुनवाई होगी और फैसला भी सुनाया जाएगा। ब्रिटिश सरकार से भी पासपोर्ट आ गया है। भारतीय सरकार से भी हमें जानकारी मिली है। जो भी डॉक्यूमेंट न्यायालय मांगेगा या पुलिस मांगेगी, उसमें पूरी सहायता करने के लिए हम पूर्ण रूप से तैयार हैं।

बिहार चुनाव की नाराजगी के बाद झारखंड में उबाल: हेमंत सोरेन भाजपा के साथ जा सकते हैं?

रांची (एजेंसी)। बिहार विधानसभा चुनाव में महागठबंधन की करारी हार के बाद झारखंड की सियासत में भूचाल आ गया है। वजह है झारखंड मुक्ति मोर्चा (जेएमएम) की नाराजगी। बिहार चुनाव में जेएमएम को एक भी सीट नहीं दी गई थी, जिससे पार्टी बेहद खफा है। अब मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन अपनी पत्नी कल्पना सोरेन के साथ दिल्ली में डेरा डाले हुए हैं। राजनीतिक गलियारों में तेज चर्चा है कि जेएमएम एनडीए के साथ जा सकती है और झारखंड में नई सरकार बन सकती है।

2024 के झारखंड विधानसभा चुनाव में महागठबंधन ने शानदार प्रदर्शन किया था। 81 में से 56 सीटें जीती थीं - जेएमएम 34, कांग्रेस 16, राजद 4 और वाम दल 2। बीजेपी को सिर्फ 20 सीटें मिली थीं। अगर जेएमएम महागठबंधन छोड़कर बीजेपी के साथ आती है तो सिर्फ दो दलों की सीटें (34 + 20 = 54) ही बहुमत के जादुई आंकड़े 42 से कहीं ऊपर पहुँच जाएंगी। अगर पूरा एनडीए जेएमएम के साथ आता है तो तस्वीर और मजबूत होगी। बीजेपी (20) + जेएमएम (34) + आजसू (1) + एलजेपी (1) + जेडीयू (1) = कुल 57 सीटें। यानी भारी बहुमत। इससे मौजूदा महागठबंधन सरकार अपने आप गिर जाएगी और हेमंत सोरेन एक बार फिर मुख्यमंत्री बन सकते हैं, इस बार बीजेपी के समर्थन से। सियासी जानकार मानते हैं कि बिहार में नीतीश कुमार की जीत और राजद की हार के बाद जेएमएम को लगा कि कांग्रेस-राजद के साथ रहने से उसका भविष्य सुरक्षित नहीं है। बिहार में सीट न मिलना आखिरी झटका साबित हुआ। यही वजह है कि हेमंत सोरेन दिल्ली में बीजेपी के शीर्ष नेतृत्व से लगातार संपर्क में बताए जा रहे हैं। हालांकि जेएमएम के प्रवक्ता सुप्रियो भट्टाचार्य ने साफ इनकार किया है। उन्होंने कहा, यह सिर्फ अफवाह है। हम महागठबंधन के साथ हैं और रहेंगे। मगर दिल्ली में सोरेन दंपती की मौजूदगी और बंद कमरों में चल रही बैठकों ने सारी अटकलों को हवा दे दी है। अगर यह उलटफेर हुआ तो झारखंड की राजनीति में पिछले दस साल का सबसे बड़ा सियासी धमाका होगा। देखना यह है कि हेमंत सोरेन पुरानी दोस्ती निभाते हैं या नया गठबंधन चुनते हैं।

जीव दया और कबूतर बचाव अभियान के तहत जैन समुदाय 7 दिसंबर को मुंबई में मार्च निकालेगा

मुंबई (एजेंसी)। जैन समुदाय 7 दिसंबर को मुंबई में एक बड़ा मार्च निकालेगा। जीव दया और कबूतर बचाव अभियान की शुरुआत जैन मुनि नीलेशचंद्र विजय महाराज के नेतृत्व में शुरू किया जाएगा। यह मार्च कोलाबा जैन मंदिर से शुरू होगा और लालबाग, भायखला, डोंगरी, लोअर परेल होते हुए दादर कबूतरखाना जैन मंदिर और दूसरे बड़े जैन मंदिरों तक जाएगा। मार्च के दौरान जैन समुदाय में जागरूकता पैदा करने के लिए प्रवचन और कई तरह के कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। अभियान को बड़े पैमाने पर समर्थन देने की अपील भी की जाएगी। खबर है कि नीलेशचंद्रजी महाराज जीव दया और कबूतर बचाव आंदोलन को और मजबूत करने के लिए दादर में फिर से अनशन करने की तैयारी कर रहे हैं। सरकार का ध्यान खींचने के लिए जैन समुदाय के आक्रामक रुख अपनाने की संभावना है। नीलेशचंद्र महाराज कहते हैं कि जैन समाज ने किसी के मंदिर या घर तोड़कर जैनालय नहीं बनाया। यह जैन समाज शांतिप्रिय समाज है। लेकिन हमारे विले पार्ले का मंदिर बुलडोज़र से गिरा दिया गया, तो उन्होंने गैर-कानूनी मस्जिदें क्यों नहीं गिराईं? दो नेता मुझसे मिले हैं, उन्होंने कहा कि हम 15 दिन बाद कोई हल निकालेंगे, लेकिन बात नहीं बनी। देवेंद्र फडणवीस के साथ जो गद्दार नेता समाज को तोड़ रहे हैं, उनकी खैर नहीं है। मेरी जान भी चली जाए, तो भी मैं उन्हें नहीं छोड़ूंगा। मुझे जो मैसेज देना था, वह मैंने देवेंद्र फडणवीस को दे दिया है। जो भी हिंदी के हित में कुछ करेगा, हम उसका साथ देंगे। क्या जैन समाज आने वाले चुनाव लड़ेगा? इसपर जैन मुनि नीलेशचंद्र जी ने कहा, हां, मैं पूरे भारत में अभियान शुरू करूंगा, हर समाज की एक पार्टी होती है। तो जैन समुदाय के लिए कोई पार्टी क्यों नहीं है, हमें कुछ चीज़ों के लिए इधर-उधर भागना पड़ता है। हमें सड़कों पर उतरना पड़ता है। हम एक शांतिप्रिय और प्यार करने वाला समुदाय हैं। हम किसी के झगड़ों में नहीं पड़ते। हम लड़ाई-झगड़ों में नहीं पड़ते। जब विदर्भ में बाढ़ आई थी, तो मैंने वहां दो करोड़ रुपये भेजे, हमने देवेंद्र फडणवीस को चेक दिया, हमने महाराष्ट्र के लोगों के लिए दिया, ऐसे कई उदाहरण हैं।

बाबरी से मिलती-जुलती मस्जिद बनाने का दावा करने वाले कबीर टीएमसी से निलंबित

कोलकाता (एजेंसी)। बाबरी से मिलती जुलती मस्जिद बनाने का दावा कर रहे विधायक हुमायूं कबीर को टीएमसी ने निलंबित कर दिया है। कबीर ने 6 दिसंबर को मुर्शिदाबाद जिले में मस्जिद की नींव रखने की बात कही थी। इसके बाद से ही प्रशासन अलर्ट था। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक टीएमसी विधायक कबीर के इस फैसले से सीएम ममता बनर्जी नाराज थीं। हालांकि इस पर आधिकारिक तौर पर कुछ नहीं कहा गया है।

पुतिन का दौरा अहम, तकनीक-ऊर्जा सहयोग और यूक्रेन युद्ध पर हो सकती है चर्चा

-पूर्व राजनयिक त्रिगुणायत ने कहा- कंपनियों को सामरिक रिश्तों का लाभ उठाना चाहिए।

नई दिल्ली (एजेंसी)। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन गुरुवार को दो दिवसीय दौरे पर भारत आ रहे हैं। पुतिन की यात्रा को लेकर पूर्व भारतीय राजनयिकों का मानना है कि परमाणु प्लांट से जुड़े विषय, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और तकनीक के अलावा पुतिन और पीउम मोदी के बीच द्विपक्षीय वार्ता में यूक्रेन युद्ध पर भी चर्चा हो सकती है। पूर्व राजनयिक अनिल त्रिगुणायत ने कहा कि रूस हर मुश्किल वक्त में भारत के साथ खड़ा रहा है। इस कड़ी में 25 साल पहले यह तय हुआ कि समय-समय पर दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय वार्ताएं होंगी। उसी आधार पर पुतिन भारत आ रहे हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अनिल त्रिगुणायत ने कहा कि पिछले 25 सालों में भारत-रूस संबंध बहुत मजबूत हुए हैं। पीएम मोदी और राष्ट्रपति पुतिन के बीच आपसी समझ भी काफी अच्छी है। रूस-यूक्रेन युद्ध पर त्रिगुणायत ने कहा कि संभावना है कि पुतिन बातचीत में पीएम मोदी से यूक्रेन के विषय पर बात कर सकते हैं। पीएम मोदी ने हमेशा युद्धविराम की बात की है। रूस-यूक्रेन की लड़ाई इसलिए चिंताजनक है, क्योंकि इसका असर पूरी दुनिया पर पड़ रहा है।

त्रिगुणायत ने कहा कि एनर्जी सिक्योरिटी में रूस की बहुत बड़ी भूमिका है। उसके चलते भारत के ऊपर कुछ अतिरिक्त शुल्क भी लगा है। हालांकि, भारत ने इतना ध्यान नहीं दिया है। उन्होंने कहा कि मेरा मानना है कि द्विपक्षीय वार्ता में इस पर भी चर्चा हो सकती है। अगर रूस अपने सरप्लस को रणनीतिक तरीके से भारत में निवेश करना चाहे तो वह उसके लिए बहुत बड़ा अवसर है। इसी तरह भारतीय कंपनियों के लिए भी यह बड़ा मौका है। कंपनियों को भी सामरिक रिश्तों का लाभ उठाना चाहिए।

वहीं, पूर्व राजनयिक वीना सिकरी ने कहा कि ऐसा लगता है कि पुतिन का यह एक बहुत ही अहम दौरा है। इसके पीछे कई कारण हैं। दुनिया भर में जियोपॉलिटिकल हालात बहुत नाजुक हैं। दो युद्ध चल रहे हैं, जो अभी खत्म नहीं हैं, बल्कि तनाव बना हुआ है। इसके अलावा भारत पर अमेरिका की तरफ से ज्यादा टैरिफ को लेकर काफी दबाव है, जिसका ज्यादातर हिस्सा उस एनर्जी से जुड़ा है जो भारत रूस से खरीद रहा है। सिकरी ने कहा कि रूस की ओर से विकसित सुखोई-57 स्टील्थ फाइटर जेट बहुत अहम है और भारत सरकार इस पर गंभीरता से विचार कर रही है।

करण देओल ने गंगा में विसर्जित की दादा धर्मेंद्र की अस्थियां

सनी और बॉबी देओल भी रहे मौजूद

बॉलीवुड एक्टर धर्मेंद्र के निधन की जब खबर सामने आई थी तो उनके तमाम चाहने वालों को गहरा सदमा लगा था। 24 नवंबर को धर्मेंद्र ने इस दुनिया को अलविदा कह दिया था। उनका पूरा परिवार बुरी तरह से टूट गया था। अब उनके निधन के 9 दिन के बाद आज यानी 3 दिसंबर को गंगा में धर्मेंद्र की अस्थियां विसर्जित की गई हैं। सनी देओल, बॉबी देओल, करण देओल अस्थियां विसर्जित करने के लिए हरिद्वार गए थे।करण देओल ने दादा की अस्थियां गंगा विसर्जित की हैं। उन्होंने सबसे पहले पूरे विधि-विधान के साथ पूजा की। उसके बाद धर्मेंद्र की अस्थियों को गंगा में विसर्जित किया। उस दौरान सनी और बॉबी काफी इमोशनल हो गए। अस्थियां विसर्जित करने के बाद सभी पीलीभीत होटल गए। उन्होंने होटल के पीछे बने एक घाट पर स्नान किया।सनी देओल और उनकी फैमिली 2 दिसंबर को हरिद्वार पहुंच गई थी।वहीं उसके अगले दिन अस्थियां विसर्जित करने के बाद सभी मुंबई वापस लौट गए। धर्मेंद्र का अंतिम संस्कार मुंबई के विले पार्ले में स्थित पवन हंस श्मशान घाट में किया गया था। सनी देओल के बेटे करण ही अस्थियां लेने श्मशान घाट भी गए थे। वहीं अब उन्होंने ही अस्थियां विसर्जित भी की हैं।

कृति सेनन की बहन बनने वाली हैं दुल्हन

बॉलीवुड की खूबसूरत और टैलेंटेड एक्ट्रेस कृति सेनन की छोटी बहन नुपूर सेनन जल्द ही अपनी नई जिंदगी की शुरुआत करने वाली हैं। नुपूर और मशहूर सिंगर स्टेबिन बेन लंबे समय से रिलेशनशिप में हैं और अब दोनों जनवरी 2026 में शादी के बंधन में बंध सकते हैं,उनकी शादी को लेकर इंडस्ट्री में खूब चर्चा है और फैंस भी इस खबर को लेकर काफी एक्साइटेड हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, नुपूर सेनन और स्टेबिन बेन की शादी 8 और 9 जनवरी 2026 को हो सकती है।

दोनों राजस्थान के खूबसूरत और रॉयल वेडिंग डेस्टिनेशन उदयपुर के फेयरमोंट पैलेस में शादी करने की तैयारी में हैं। बताया जा रहा है कि वेन्यू बुक हो चुका है और वहां शाही अंदाज में दो दिन तक भव्य समारोह होंगे। शादी पूरी तरह राजस्थानी ट्रेडिशनल स्टाइल में होने वाली है।सूत्रों की मानें तो 8 जनवरी को मेहंदी और संगीत, जबकि 9 जनवरी को शादी रखी जा सकती है। शादी में बॉलीवुड के कई बड़े सितारों के शामिल होने की उम्मीद है, क्योंकि कृति सेनन इंडस्ट्री की टॉप एक्ट्रेसेस में से एक हैं और नुपूर भी लंबे समय से इंडस्ट्री में एक्टिव हैं। हालांकि नुपूर और स्टेबिन ने अभी तक इस शादी की खबर पर ऑफिशियल कंफर्मेशन नहीं दिया है।नुपूर और स्टेबिन पिछले कई सालों से साथ हैं। दोनों अकसर सोशल मीडिया पर रोमांटिक तस्वीरें शेयर करते रहते हैं और उनकी केमिस्ट्री फैंस को खूब पसंद आती है। वे साथ में कई बार वेकेशन पर भी देखे गए हैं। नुपूर सेनन को सबसे ज्यादा पहचान उनके सुपरहिट म्यूजिक वीडियो 'फिलहाल' से मिली थी, जिसमें उन्होंने अक्षय कुमार के साथ स्क्रीन शेयर की थी। वहीं, स्टेबिन बेन अपने पॉपुलर गानों 'मेरा महबूब', 'थोड़ा-थोड़ा प्यार', 'बारिश' और कई रोमांटिक हिट्स की वजह से यूथ के बीच बेहद पॉपुलर हैं।

बॉलीवुड अभिनेत्री अनन्या पांडे का कहना है कि अभिनेता कार्तिक आर्यन सिर्फ अपना या अपने किरदार का नहीं,बल्कि पूरी फिल्म का ख़याल रखते हैं। अनन्या पांडे ने अपनी फिल्म 'तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी' के को-स्टार कार्तिक आर्यन की प्रोफेशनलिज़्म और सेट पर उनकी गर्मजोशी की खुलकर तारीफ़ की, और बताया कि उनके साथ काम करना हमेशा क्यों सुखद अनुभव होता है।

'अंगूरी भाभी' ने फटी जींस पहन किलर अंदाज में दिए पोज

शुभांगी अत्रे ने फेमस कॉमेडी शो 'भाबीजी घर पर हैं' में अंगूरी भाभी का किरदार निभाकर जबरदस्त लोकप्रियता हासिल की है। हालांकि शुभांगी अब इस शो को अलविदा कह चुकी हैं। शुभांगी एक्टिंग के अलावा अपनी ग्लैमरस अदाओं के लिए भी मशहूर हैं। भले ही शो में शुभांगी का देसी और संस्कारी अंदाज देखने को मिलता था। लेकिन रियल लाइफ में वह काफी हॉट एंड ग्लैमरस हैं। शुभांगी अक्सर फैंस के साथ अपनी तस्वीरें शेयर करती रहती हैं। हाल ही में शुभांगी अत्रे ने अपनी कुछ तस्वीरें शेयर की है, जो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रही है। इन तस्वीरों में एक्ट्रेस का मस्तीभारा अंदाज देखने को मिल रहा है। तस्वीरों में शुभांगी व्हाइट कलर की टॉप और फटी हुई जींस पहने नजर आ रही हैं। वह घर में लगे झूले पर मस्ती करती दिख रही हैं।

कार्तिक, सिर्फ अपना या अपने किरदार का नहीं, पूरी फिल्म का ख़याल रखते हैं : अनन्या पांडे

अनन्या ने कहा, "मैं कार्तिक के आस-पास हमेशा बहुत कंफ़र्टेबल महसूस करती हूं। मुझे लगता है कि वह सेट पर मेरा बहुत ध्यान रखते हैं, क्योंकि मुझे पता होता है कि वह सिर्फ़ अपने लिए नहीं, बल्कि अपने किरदार, अपनी टीम और फिल्म के साथ सबके लिए सोचते हैं।"

अनन्या ने फिल्म के सेट पर बने मजेदार और सहयोगपूर्ण माहौल के बारे में भी बताया।

उन्होंने कहा, कार्तिक से सीखने को बहुत कुछ मिलता है। माहौल हमेशा मज़ाकिया और हल्का-फुल्का रहता है। ज़्यादा गंभीरता नहीं होती, और हर कोई अपनी राय बेझिझक दे सकता है। सच कहूँ तो सात साल बाद भी उनके साथ काम करके वही ख़ुशी महसूस हुई, जो पति पत्नी और वो के दौरान हुई थी।" अनन्या की बातें कार्तिक की अपने काम, अपनी टीम और पूरी फिल्म के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाती हैं और यही वजह है कि 'तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी' प्रशंसकों के बीच पहले से ही बेहद चर्चा का विषय बन गई है।

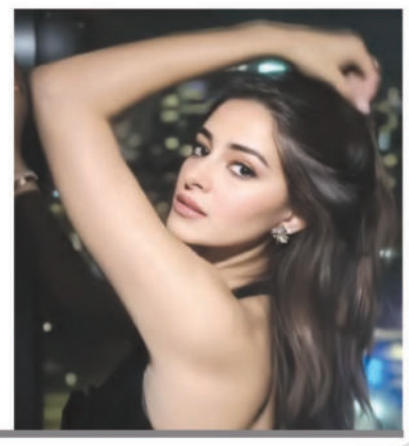

रणवीर सिंह की फिल्म धुरंधर का गाना 'ईजी-ईजी' रिलीज

बॉलीवुड स्टार रणवीर सिंह की आने वाली फिल्म धुरंधर का नया गाना 'ईजी-ईजी' रिलीज हो गया है। ग्लोबल आइकन दिलजीत दोसांझ, ब्रेकआउट रैप फिनॉम हनूमानकाइंड, और नेशनल अवॉर्ड विजेता म्यूज़िक डायरेक्टर शशवत सचदेव को साथ लाने वाला "इजी इजी " इस सीज़न के म्यूज़िक साउंडस्केप को नए सिरे से परिभाषित करने के लिए तैयार है। एक सोनिक पावरहाउस, यह ट्रैक दिलजीत की अनोखी पंजाबी शैली को हनूमानकाइंड की धारदार रैपिंग के साथ जोड़ता है, जिसे शशवत सचदेव के अत्याधुनिक प्रोडक्शन ने और भी ऊँचाई दी है। राज रंजोध और हनूमानकाइंड द्वारा लिखे गए प्रभावशाली बोलों के साथ, "इजी इजी" एक एड्रेनालिन-भरी धुन है जो समकालीन भारतीय संगीत की सीमाओं को आगे बढ़ाती है। "इजी इजी " का म्यूजिक वीडियो अब सारेगामा म्यूज़िक के यूट्यूब चैनल पर लाइव है, और इसका ऑडियो सभी प्रमुख प्लेटफॉर्म्स पर स्ट्रीम हो रहा है,जो दर्शकों को एक अविस्मरणीय दृश्य और संगीत अनुभव देने का वादा करता है। फिल्म धुरंधर में रणवीर सिंह के साथ अक्षय खन्ना, संजय दत्त, आर. माधवन और अर्जुन रामपाल की भी अहम भूमिका हैं।

माधुरी दीक्षित का अब तक का सबसे डार्क अवतार, 19 दिसंबर से प्रीमियर

भोली-सी सूरत, आँखों में मस्ती लेकिन इस बार, उसी मुस्कान के पीछे छुपी है चुप्पी जो डर पैदा करती है। आज जियोहॉटस्टार ने अपनी नई सीरीज़ 'मिसेज़ देशपांडे' का रोमांचक ट्रेलर लॉन्च किया। 6 एपिसोड की यह साइकोलॉजिकल थ्रिलर अप्लॉज़ एंटरटेनमेंट और कुकुनूर मूवीज़ द्वारा निर्मित है और इसका प्रीमियर 19 दिसंबर 2025 को होगा। इस सीरीज़ में माधुरी दीक्षित अपने ग्लैमरस और परिचित ऑन-स्क्रीन व्यक्तित्व से पूरी तरह अलग नजर आती हैं एक सादा, खामोश और डराने वाली महिला, जिसकी मुस्कान और उसकी चुप्पी दोनों असहज कर देने वाली हैं। उनका यह परफॉर्मेंस इतना बारीक, अस्थिर और गहरा है कि दर्शक उन्हें इस रूप में पहले कभी नहीं देख पाए होंगे।

तनाव, रहस्य और भावनाओं के मेल वाली यह सीरीज़ जियोहॉटस्टार की साल के अंत की सबसे प्रभावशाली रिलीज़ बनने की ओर बढ़ रही है वह कहानी जो खत्म होने के बाद भी दिमाग में चलती रहती है। मुंबई में दहशत फैल गई है शहर एक कॉपीकैट किलर की वजह से दहला हुआ है, जो पुराने सीरियल मर्डर पैटर्न को फिर से दोहरा रहा है। पुलिस के पास सुराग कम हैं और डर ज्यादा। और सबसे उलझन भरी बात असली किलर पहले से जेल में है। एक साधारण-सी दिखने वाली महिला, सबकी नज़र में सामान्य लेकिन भीतर कहीं बहुत गहरा अंधेरा छिपाए हुए है। जैसे-जैसे पुराने राज, धोखे और दबी हुई सच्चाइयाँ सामने आती हैं, तनाव अपनी चरम स्थिति तक पहुँचता है क्योंकि कॉपीकैट को पकड़ने के लिए पुलिस को पहले असली किलर को समझना होगा। फ्रेंच थ्रिलर ला मांट से रूपांतरित और नागेश कुकुनूर द्वारा निर्देशित इस सीरीज़ में सिद्धार्थ चांदेकर, प्रियांशु चट्टर्जी और अन्य उत्कृष्ट कलाकारों का दमदार प्रदर्शन देखने को मिलेगा।

प्रभास की बाहों में दिखेगी Mahesh Babu की हीरोइन

प्रभास की मोस्ट अवेटेड फिल्म 'कल्कि 2898 एडी' के सीक्वल को लेकर लगातार माहौल गरम बना हुआ है। 2024 में रिलीज हुई पहली फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर 1000 करोड़ से ज्यादा की कमाई कर बॉक्स ऑफिस पर नोटों की बारिश कर दी थी। अब फैंस की निगाहें इसके दूसरे पार्ट पर है, इस बीच दीपिका पादुकोण के फिल्म छोड़ने की खबर ने फैंस को उदास कर दिया था, जिससे मेकर्स को भी बड़ा झटका लगा। जिसके बाद सबसे बड़ा सवाल यह उठता है कि अब आखिर दीपिका की जगह कौन लेगा? तो फैंस के लिए गुड न्यूज है, क्योंकि अब इस लिस्ट में एक बड़ा नाम जुड़ने जा रहा है और वो ग्लोबल स्टार प्रियंका चोपड़ा हैं।

मीडिया के मुताबिक, मेकर्स का मानना है कि फिल्म की इंटरनेशनल अपील को देखते हुए प्रियंका चोपड़ा सबसे बेहतर विकल्प साबित हो सकती हैं। उनके ग्लोबल फैनबेस और इंटरनेशनल प्रोजेक्ट्स की वजह से मूवी को वर्ल्ड लेवल पर प्रोफिट हो सकता है। सबसे खास बात तो ये है कि देसी गर्ल पहले ही राजामौली की फिल्म 'वाराणसी' में महेश बाबू के साथ नजर आने वाली हैं, जिसमें वह 'मंदाकिनी' के रोल में दिखेंगी। जिसकी लॉन्चिंग पर प्रियंका खूब सुर्खियों में थीं।'हालांकि, दीपिका के इस किरदार के लिए साई पल्लवी, अनुष्का शेट्टी और आलिया भट्ट के नाम भी सामने आ चुके हैं। अनुष्का के साथ प्रभास पहले ही बड़ी स्क्रीन पर फिल्म 'बाहुबलि' से धमाल मचा चुके हैं, तो वहीं आलिया से मेकर्स की बातचीत की खबर भी सामने आई, क्योंकि आलिया 'आरआरआर' में नजर आ चुकीं हैं, जो फिल्म के लिए काफी मजबूत दावेदार मानी जा रहीं हैं। डायरेक्टर नाग अश्विन ऐसी एक्ट्रेस चाहते हैं जो प्रभास की स्टार पावर के बराबर दिखाई दे और फ्रेंचाइजी को नई ऊंचाई दे सके। दूसरी ओर प्रियंका की 'वाराणसी' में फीस भी चर्चा में है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, उन्होंने इस फिल्म के लिए 30 करोड़ रुपये चार्ज किए हैं। लंबे वक्त बाद वह इंडियन सिनेमा में दमदार वापसी कर रही हैं, इसीलिए उनकी एंट्री को लेकर एक्साइटमेंट और क्लीयर दिख रहा है।

आमिर खान की नई फिल्म 'हैप्पी पटेल' का एलान

आमिर खान प्रोडक्शंस की अनोखी जासूसी फिल्म हैप्पी पटेल की घोषणा आख़िरकार हो ही गई है। यह फिल्म वीर दास के डायरेक्टोरियल डेब्यू को चिन्हित करती है, जिसमें वीर दास और मोना सिंह लीड रोल्स में नजर आएंगे। जैसे इसका टाइटल मज़ेदार है, वैसे ही मेकर्स ने फिल्म का अनाउंसमेंट वीडियो और भी मज़ेदार अंदाज में रिलीज़ किया है, जिसमें आमिर खान और वीर दास दिखाई दे रहे हैं।

हैप्पी पटेल की घोषणा बिल्कुल हटके और बेहद मजेदार तरीके से की गई है। वीडियो में आमिर खान, वीर दास से पूछते नजर आते हैं कि आखिर वो फिल्म में एक्शन, रोमांस और यहां तक कि आइटम नंबर को किस अंदाज़ में दिखाने वाले हैं। आमिर को लगातार यह चिंता सताती दिखती है कि दर्शक इस सब पर कैसा रिस्पॉन्स देंगे, जबकि उसी समय वीडियो में दूसरे लोग फिल्म की जमकर तारीफ करते नजर आते हैं। उनकी बातचीत का यह मजेदार कंट्रास्ट पूरे अनाउंसमेंट को बेहद मनोरंजक बना देता है। इतना तो पक्का है कि एक बिल्कुल अलग तरह की सिनेमा आने वाली है। और सबसे खास बात ये है कि आमिर खान प्रोडक्शंस हमेशा हटकर और अनोखी कहानियाँ बड़े ही सलीके से पेश करता आया है। लगान, तारे ज़मीन पर, दंगल और सीक्रेट सुपरस्टार जैसी यादगार फिल्मों के बाद, यह फिल्म भी यूनिक सिनेमा दिखाने की एक और कोशिश है। दिलचस्प बात ये है कि इस बार वो मशहूर स्टैंड-अप कॉमेडियन वीर दास के साथ काम कर रहे हैं, जो न सिर्फ अपनी कॉमेडी स्पेशल्स के साथ दुनिया भर में परफॉर्म कर चुके हैं, बल्कि गो गोवा गॉन, बदमाश कंपनी और दिल्ली बेली जैसी फिल्मों में भी काम कर चुके हैं। यह फिल्म वीर दास का आमिर खान प्रोडक्शंस के साथ दिल्ली बेली के बाद दूसरा कोलैबोरेशन है।

राहुल संग श्रद्धा का रोमांटिक मूड हुआ ऑन!

बॉलीवुड की खूबसूरत एक्ट्रेस श्रद्धा कपूर अपने रूमर्ड बॉयफ्रेंड राहुल मोदी संग एक बार फिर सुर्खियों में हैं. सोशल मीडिया पर इन दोनों का एक नया वीडियो जमकर वायरल हो रहा है, जिसमें दोनों एक प्यारा और दिल छू लेने वाला पल शेयर करते दिख रहे हैं.हाल ही में श्रद्धा और राहुल को मुंबई कॉफी फेस्टिवल में स्पॉट किया गया. दोनों आराम से फ़ूड स्टॉल्स पर घूमते हुए दिखाई दिए और इस दौरान फैंस की नजरें इनसे हट नहीं पाईं, लेकिन जिसने सबसे ज्यादा ध्यान खींचा, वह था श्रद्धा का राहुल को बेहद प्यार से मोची (जापानी मिठाई) खिलाना. कैमरे में कैद हुआ यह मोमेंट इतनी तेजी से वायरल हुआ कि देखते ही देखते सोशल मीडिया पर आग की तरह फैल गया.

7 दिसंबर को होगी स्मृति मंधाना-पलाश मुच्छल की शादी?

भारतीय महिला क्रिकेट टीम की स्टार खिलाड़ी स्मृति मंधाना 23 नवबंर को म्यूजिक कंपोजर और फिल्ममेकर पलाश मुच्छल से शादी के बंधन में बंधने वाली थीं। लेकिन, शादी से ठीक एक दिन पहले शादी अचानक ही पोस्टपोन हो गई। स्मृति के पिता संगीत सेरेमनी वाले दिन अचानक बीमार पड़ गए और शादी पोस्टपोन करनी पड़ी। क्रिकेटर के पिता को माइनर हार्ट अटैक की शिकायत होने के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया था। हालांकि, कुछ ही दिनों में उन्हें छुट्टी भी मिल गई। जब से स्मृति और पलाश की शादी पोस्टपोन हुई है तभी से अलग-अलग थ्योरीज सामने आ रही हैं। इस बीच दोनों की शादी की नई डेट को लेकर भी चर्चा शुरू हो गई, जिस पर अब स्मृति मंधाना के भाई श्रवण मंधाना ने प्रतिक्रिया दी है। मंगलवार शाम को सोशल मीडिया पर स्मृति मंधाना और पलाश मुच्छल की शादी की नई तारीख को लेकर बाजार गर्म हो गया। कई रिपोर्ट्स में दावा किया गया कि दोनों अब 7 दिसंबर को शादी के बंधन में बंधेंगे। दोनों की शादी को लेकर तरह-तरह के दावे किए जाने लगे, जिस पर अब स्मृति के भाई श्रवण मंधाना ने पूर्ण विराम लगा दिया है और बताया कि अब तक शादी की नई डेट तय नहीं हुई है। यानी अभी भी स्मृति और पलाश की शादी पोस्टपोन ही है।

संक्षिप्त समाचार

खालिदा को देखने ब्रिटेन की टीम बांग्लादेश रवाना

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन से चिकित्सा विशेषज्ञों की एक टीम वेंटिलेटर पर रखी गई पूर्व पीएम खालिदा जिया के इलाज का आकलन करने बांग्लादेश का दौरा करेगी। खालिदा जिया की हालत यहां एक निजी अस्पताल में गंभीर बनी हुई है। एवरकेयर अस्पताल के जाहिद हुसैन ने कहा, ब्रिटेन के विशेषज्ञ जांच के लिए निकल चुके हैं।

तुर्किये तट के पास रूसी तेल टैंकर पर हमला, चालक दल सुरक्षित

मास्को, एजेंसी। रूस से जॉर्जिया जा रहे रूसी तेल टैंकर एमआईडीवीओएलजीए-2 ने तुर्किये तट से 80 मील दूर 13 सदस्यीय दल पर हमला किया गया। हालांकि हमले में किसी को कोई नुकसान नहीं पहुंचा। तुर्किये की समुद्री प्राधिकरण बताया कि जहाज ने सहायता नहीं मांगी और सिनोप बंदरगाह की ओर बढ़ता रहा। यह घटना ऐसे समय आई है जब पिछले सप्ताह यूक्रेनी नौसैनिक ड्रोन ने काला सागर में दो रूसी-गामी टैंकरों को निशाना बनाया था।

स्टारबक्स ने हड़ताली कर्मियों को दिए 31.33 करोड़ रुपये

न्यूयॉर्क, एजेंसी। अमेरिकी कंपनी स्टारबक्स न्यूयॉर्क में हड़ताल के बीच अपने 15,000 से अधिक कर्मचारियों को लगभग 31.33 करोड़ रुपये का भुगतान करेगी। कर्मचारियों ने आरोप लगाया था कि कंपनी ने उन्हें स्थिर शेड्यूल नहीं दिए और मनमाने ढंग से काम के घंटे घटाए। कंपनी के चेयरमैन और सीईओ ब्रायन निकोल निकोल ने इससे पहले कहा था कि कंपनी की संरचना को सुधारने का उद्देश्य निर्णय लेने की क्षमता को बढ़ाना है और उन सिलोस को खत्म करना है जो संचार को धीमा करते हैं।

अमेरिका में जिम्नास्टिक कोच पर यौन शोषण के आरोप

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के आयोवा में एक जिम्नास्ट कोच पर यौन शोषण को लेकर कार्रवाई न करने पर यूएसए जिम्नास्टिक और यूएस सेंटर फॉर सेफपोर्ट नामक संस्था के खिलाफ लापरवाही का मुकदमा दर्ज किया है। पीड़िता की शिकायत के अनुसार 2017 में उन्होंने कोच के उन्हें अनुचित तरीके से छूने की जानकारी संस्थाओं को दी गई थी। लेकिन उन्होंने न तो मामले में पड़ताल करना जरूरी समझा और न ही कोई कार्रवाई। इसके चलते कोच को 2018 में आयोवा के एक अन्य जिम में नौकरी मिली। वहां भी वह बेखौफ होकर नाबालिग लड़कियों का यौन शोषण करता रहा।

नेपाल : मधेश प्रदेश सभा की बैठक तत्काल बुलाने की मांग

काठमांडू, एजेंसी। मधेश राज्य सरकार में विपक्षी दलों के गठबंधन ने प्रदेश सभा की बैठक तुरंत बुलाने की मांग की है। नेपाल के सुप्रीम कोर्ट ने मुख्यमंत्री सरोजकुमार यादव को 24 घंटे में विश्वास का मत हासिल करने का आदेश दिया है। इसी के चलते गठबंधन में शामिल दलों ने प्रदेश सभा की बैठक का आग्रह किया। सीएम विश्वास मत नहीं लेते हैं या बहुमत जुटाने में नाकाम रहते हैं तो संविधान के अनुच्छेद 168 (2) के तहत नई सरकार गठन की प्रक्रिया शुरू करनी होगी। अदालती आदेश जारी होने के अगले ही दिन नेपाली कांग्रेस, माओवादी केंद्र, जनता समाजवादी पार्टी नेपाल, लोकतांत्रिक समाजवादी पार्टी नेपाल सहित विपक्षी दलों ने उप सभामुख बबीता राउत से प्रदेश सभा की बैठक शाम 4 बजे बुलाने का अनुरोध किया। उच्च सूत्रों के अनुसार, विपक्षी दलों ने अपने सांसदों को जिले से बाहर न जाने का निर्देश भी दिया है।

उत्तर-पश्चिम पाकिस्तान में टीटीपी के 7 आतंकवादी ढेर

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के अशांत क्षेत्र खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में सुरक्षा बलों ने दो अलग-अलग अभियानों में सात टीटीपी आतंकवादियों को मार गिराया। सेना ने मंगलवार को यह जानकारी दी। सेना की मीडिया शाखा इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) के अनुसार, दोनों ऑपरेशन उत्तरी वजीरिस्तान जिले में किए गए। सुरक्षा बलों द्वारा मीर अली तहसील में एक खुफिया-आधारित अभियान (आईबीओ) चलाया गया, जिसके दौरान छह आतंकवादी मारे गए। आईएसपीआर ने बताया कि जिले के स्पिनवाम क्षेत्र में आईबीओ में एक अन्य आतंकवादी मारा गया। बयान में कहा गया है कि आतंकवादियों से हथियार और गोला-बारूद जब्त किया गया है, जो सुरक्षा बलों, कानून प्रवर्तन एजेंसियों के खिलाफ कई आतंकवादी गतिविधियों और निर्दोष नागरिकों की हत्या में सक्रिय रूप से शामिल रहे हैं। क्षेत्र में पाए जाने वाले अन्य आतंकवादियों को खत्म करने के लिए सफाई अभियान चलाया जा रहा है।

ट्रम्प के दामाद के साथ पुतिन की 5 घंटे बैठक

रूसी राष्ट्रपति बोले- डोनबास लिए बिना कोई शांति नहीं, जंग रोकने पर फैसला नहीं

मॉस्को, एजेंसी। रूस में राष्ट्रपति पुतिन और अमेरिका के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ और राष्ट्रपति ट्रम्प के दामाद जैरेड कुशनर के बीच मंगलवार को यूक्रेन युद्ध को लेकर पांच घंटे बैठक हुई। इतनी लंबी बैठक के बाद भी दोनों पक्ष किसी समझौते पर नहीं पहुंचे। पुतिन के फॉरेन पॉलिसी एडवाइजर यूरी उशाकोव ने कहा कि बातचीत फायदेमंद रही, लेकिन अभी तक कोई ऐसा प्रस्ताव सामने नहीं आया जिस पर सहमति बन सके। पुतिन का साफ कहना है जब तक यूक्रेन, रूस को डोनबास का इलाका नहीं सौंपेगा कोई समझौता नहीं होगा। उशाकोव ने बताया कि पुतिन ने अमेरिकी शांति प्रस्ताव के कुछ हिस्सों से सहमति जताई, लेकिन कई बातों पर साफ तौर पर नापसंदगी दिखाई। उनके मुताबिक अभी कई मुद्दों पर और काम करना होगा।

पुतिन-ट्रम्प की बैठक तय नहीं : उशाकोव ने यह भी कहा कि फिलहाल पुतिन और ट्रम्प की कोई नई बैठक तय नहीं है और आगे यह इस बात पर निर्भर करेगा कि शांति योजना पर कितना डेवलपमेंट होता है। जब ये बातचीत चल रही थी, उसी समय यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने सोशल मीडिया पर कहा कि यूक्रेन अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल की ओर से मिलने वाले इशारे का इंतजार कर रहा है।

उन्होंने कहा कि अमेरिकी अधिकारी बातचीत के बाद सीधे यूक्रेन को बताएंगे कि बैठक में क्या हुआ और उसके बाद ही यूक्रेन अपना अगला कदम तय करेगा। यूक्रेन के एक अधिकारी ने कहा कि उन्हें पहले से अंदाजा था कि पुतिन का रुख कैसा रहेगा। वे कुछ बातों पर कुछ बातों पर सहमति और कुछ पर सख्त आपत्ति जताएंगे। अब असली सवाल यह है कि अमेरिका इस पर कैसे रिस्पांस करता है।

पुतिन ने कहा था- हम युद्ध नहीं चाहते : इस बैठक से ठीक पहले पुतिन ने यूरोप पर आरोप लगाया कि वह अमेरिका की शांति योजना में ऐसे बदलाव कर रहा है जिससे बातचीत आगे न बढ़ सके। पुतिन ने यह भी कहा कि रूस युद्ध नहीं चाहता, लेकिन अगर यूरोप लड़ाई शुरू करना चाहता है, तो रूस तैयार है। उधर, व्हाइट हाउस ने बैठक से पहले कहा था कि उन्हें उम्मीद है कि बातचीत से कुछ डेवलपमेंट हो सकता है। अमेरिकी अधिकारियों ने हाल ही में यूक्रेनी प्रतिनिधियों से फ्लोरिडा में मुलाकात की थी, जहां शांति योजना में कई बदलावों पर चर्चा हुई। बताया जा रहा है कि मौजूदा शांति योजना पहले की 28 बिंदुओं वाली योजना में सुधार करके बनाई गई है, क्योंकि पुरानी योजना को यूक्रेन और यूरोपीय देशों ने रूस के पक्ष में बताया था।

जेलेंस्की बोले- हर तरह की डिप्लोमेटिक कोशिशें करेंगे : जेलेंस्की इस समय यूरोपीय देशों से भी बात कर रहे हैं। उन्होंने फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों से मुलाकात की और आयरलैंड पहुंचकर वहां के प्रधानमंत्री से मिलने वाले हैं। उनका कहना है कि यूक्रेन किसी भी कूटनीतिक प्रयास को बेहद गंभीरता से ले रहा है और उसकी पूरी कोशिश है कि एक मजबूत शांति और सुरक्षा गारंटी मिले।

उन्होंने यह भी कहा कि रूस शांति से पहले भ्रम फैलाने की कोशिश कर रहा है ताकि दूसरे देशों को प्रभावित किया जा सके। विटकॉफ और पुतिन के बीच यह इस साल की छठी बैठक थी। इतनी कोशिशों के बावजूद अब तक कोई ठोस समझौता नहीं बन सका है। अमेरिका और यूक्रेन को उम्मीद है कि बातचीत आगे बढ़ेगी, जबकि पुतिन लगातार इस बात पर अड़े हैं कि यूक्रेन को उन इलाकों से पीछे हटना होगा जिन्हें रूस अपना हिस्सा मानता है।

अमेरिका में दो लोगों की मौत के मामले में भारतीय व्यक्ति पर गैर इरादतन हत्या का आरोप

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में एक ट्रक से टक्कर के बाद कार में सवार दो लोगों की मौत के मामले में भारतीय मूल के एक व्यक्ति पर गैर इरादतन हत्या के आरोप लगाए गए हैं। राजिंदर कुमार (32) पर गैर इरादतन हत्या और लापरवाही के कारण किसी की जान को खतरे में डालने का आरोप लगाया गया है।

हादसे में कार में सवार विलियम मिका कार्टर (25) और जेनिफर लिन लोवर (24) की मौत हो गई थी। जिस ट्रक से उनकी टक्कर हुई थी, उसे कुमार ही चला रहा था। अमेरिका के होमलैंड सुरक्षा विभाग (डीएचसी) ने कहा कि आव्रजन एवं सीमा शुल्क प्रवर्तन (आईसीई) ने कुमार की गिरफ्तारी के लिए वारंट जारी कर दिया है।

ओरेगन राज्य की पुलिस ने कहा कि उसके अधिकारियों को 24 नवंबर की रात डेशूट्स काउंटी में दो वाहनों की टक्कर की सूचना मिली थी, जिसके बाद वह घटनास्थल पर पहुंची। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि कुमार का ट्रक सड़क के बीचोंबीच खड़ा था, जिसकी वजह से दोनों ओर से आवाजाही बंद हो गई थी। उसी दौरान राजमार्ग पर तेज रफ्तार में आ रही कार्टर की कार ट्रक से टकरा गई थी।

कार्टर और लोवर को घटनास्थल पर ही मृत घोषित कर दिया गया था जबकि कुमार को कोई चोट नहीं लगी थी। इसके बाद कुमार को गिरफ्तार करके डेशूट्स काउंटी जेल भेज दिया गया था। डीएचएस के अनुसार कुमार भारत से आया अवैध प्रवासी है और वह 28 नवंबर 2022 को अरिजोन के ल्यूकविल के पास गैर कानूनी तरीके से अमेरिका में दाखिल हुआ था।

लंदन में 'मेगा' दूतावास बनाने की चीन की योजना में और देरी

लंदन, एजेंसी। मध्य लंदन में चीन के एक विशाल दूतावास के निर्माण की विवादास्पद योजना पर एक लंबे समय से लंबित निर्णय को एक बार फिर टाल दिया गया है। अधिकारियों ने बढ़ती सुरक्षा चिंताओं के मद्देनजर यह जानकारी दी है। लंदन के वित्तीय जिले और संवेदनशील डेटा केबलों के करीब एक बहुत बड़ी साइट पर बनने वाले इस 'मेगा दूतावास' की योजना वर्षों से रुकी हुई है। आलोचकों ने चिंता जताई है कि इस इमारत का इस्तेमाल जासूसी के अड्डे के रूप में किया जाएगा, और राजनीतिक गलियारों के सांसदों ने सरकार से इस प्रस्ताव को खारिज करने का आग्रह किया है। अधिकारियों को 10 दिसंबर तक दूतावास पर निर्णय लेना था, लेकिन प्लानिंग इंस्पेक्टरेट ने कहा कि इस पर पूरी तरह से विचार करने के लिए अधिक समय देने हेतु समय सीमा को बढ़ाकर 20 जनवरी कर दिया गया है। प्रधान मंत्री कीर स्टार्मर के प्रवक्ता टॉम वेल्स ने पत्रकारों से कहा, 'गृह कार्यालय और विदेश कार्यालय ने विशेष सुरक्षा निहितार्थों पर विचार दिए हैं, और शुरू से ही यह स्पष्ट किया है कि जब तक हम यह पुष्टि नहीं कर देते कि उन विचारों को पूरा या सुलझा लिया गया है, तब तक कोई निर्णय नहीं लिया जाना चाहिए।' यह देरी हाल के हफ्तों में चीनी जासूसी के कई आरोपों से निपटने को लेकर ब्रिटिश सरकार पर बढ़ते दबाव के बीच हुई है।

कैलिफोर्निया में 2006 के बाद 2025 में कम हुए नरसंहार : **कैलिफोर्निया, एजेंसी।** अमेरिका के कैलिफोर्निया में साल 2006 के बाद नरसंहार के मामले 2025 में सबसे कम रहे। कैलिफोर्निया में बच्चों की जन्मदिन पार्टी में हुई हालिया गोलीबारी में चार लोगों की मौत हुई थी। ये इस साल की 17वां नरसंहार था। विशेषज्ञों का कहना है कि यह कमी स्थायी सुरक्षा का संकेत नहीं, बल्कि औसत स्तर पर लौटने जैसा है। क्रिमिनोलॉजिस्ट जेम्स ऐलन फॉक्स के अनुसार, 2025 में सामूहिक हत्याएं 2024 की तुलना में 24 फीसदी कम रहीं।

पश्तून सांसद की खरी-खरी, कहा- एक गांव भी बिना सिस्टम के नहीं चलता, यहां पूरा पाकिस्तान ऐसे ही चल रहा

इस्लामाबाद, एजेंसी। खैबर पख्तूनख्वा के मुद्दों को पाकिस्तानी संसद में बेबाकी से उठाने वाले सांसद महमूद खान अचाकजई ने तीखा हमला बोला है। उन्होंने सेना एवं सरकार की ओर से अत्याचारों का विरोध किया है और कहा कि यहां तो पूरा देश ही मनमर्जी से चल रहा है। अचाकजई ने कहा कि पाकिस्तान में संविधान और व्यवस्था नाम की कोई चीज ही नहीं बची है। इस देश में संविधान अब एक औपचारिकता मात्र है। उन्होंने मंगलवार को पश्तून नायक खान अब्दुल समद खान की 52वीं बरसी के मौके पर आयोजित कार्यक्रम के दौरान सरकार पर खैबर पख्तूनख्वा की उपेक्षा करने का भी आरोप लगाया है। पाकिस्तानी अखबार डॉन की रिपोर्ट के अनुसार पख्तूनख्वा मिल्ली अवामी पार्टी के चेयरमैन महमूद खान ने कहा कि इस देश में संविधान अब एक औपचारिकता मात्र रह गया है। आखिर कोई देश कैसे बिना किसी नियम और कानून के चल सकता है। एक गांव भी इस तरह नहीं चल सकता, लेकिन यहां तो पूरा पाकिस्तान ऐसे ही चलाया जा रहा है। यही नहीं उन्होंने शहबाज शरीफ सरकार पर भी सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि चुराए हुए जनादेश से बहुमत तैयार कर लिया गया। संसद बन गई। पैसे और प्रभाव से संविधान को खत्म करने और व्यवस्था को कमजोर करने को अनुमति नहीं दी जा सकती। यही नहीं उन्होंने इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ का भी पक्ष लिया। उन्होंने कहा कि संसद में बहुमत हासिल करने के लिए पीटीआई के लोगों पर अत्याचार किए गए। उन्होंने कहा कि हजारों घरों में रेड मारी गई। पुलिस थानों में कार्यकर्ताओं को टॉर्चर किया गया। वहां डिटेंशन सेंटर बना दिए गए। यहां तक कि उनकी गरिमा का भी उल्लंघन हुआ। इसके बाद भी पब्लिक ने पीटीआई को ही जनादेश दिया, लेकिन जब वोटों की गिनती हो रही थी तो दूसरे, तीसरे और चौथे नंबर पर रहे लोगों को विजेता घोषित कर दिया गया।

कुछ लोगों को लाखों रुपये ले-देकर विजेता बना दिया गया। उन्होंने कहा कि इसके बाद भी जब बहुमत मिलता नहीं दिखा तो अदालतों से फैसले दिलाकर कई लोगों को अयोग्य ही घोषित करा दिया गया। उन्होंने कहा कि आज स्थिति यह है कि पाकिस्तान में अदालतें कोई सही फैसला नहीं दे सकतीं। वे बिना दबाव के निष्पक्ष तरीके से काम नहीं कर पा रही हैं।

वेनेजुएला पर अमेरिका सख्त: ट्रंप ने चेताया- अब जमीन पर भी होंगे हमले, कैरिबियन सागर में हमलों के बाद बढ़ा तनाव

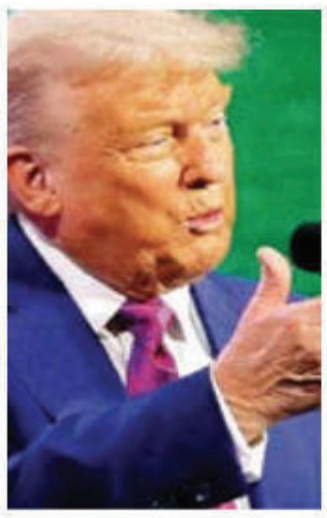

वॉशिंगटन, एजेंसी। कैरिबियन सागर में कथित वेनेजुएला के ड्रग तस्करों की नौकाओं पर अमेरिकी हमलों के बाद अब तनाव और बढ़ने के संकेत मिल रहे हैं। कारण है कि कैबिनेट बैठक के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दो टूक चेतावनी दी है कि सागर में हमले के बाद अब अमेरिका जल्द ही वेनेजुएला के अंदर भी जमीनी हमले शुरू कर सकता है। ट्रंप की ये चेतावनी ऐसे समय में सामने आई है जब ट्रंप प्रशासन कैरिबियन सागर में किए गए हमले को लेकर जांच के घेरे में है। बता दें कि इन हमलों में हुए 80 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई थी, ऐसे में इस हमले को लेकर उठ रहे सवाल के बीच ट्रंप ने अपने रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ का बचाव किया। साथ ही ट्रंप ने कहा कि हम जल्द ही जमीन पर भी हमले शुरू करेंगे। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि जमीनी हमले आसान है, क्योंकि हमें पता है कि ड्रग तस्कर कहां रहते हैं। हम बहुत जल्द हमला शुरू करने वाले हैं।

80 से ज्यादा लोगों की मौत, ट्रंप प्रशासन पर सवाल : हाल में अमेरिका की ट्रंप प्रशासन को उन नौकाओं पर किए गए हमलों को लेकर कड़ी आलोचना झेलनी पड़ रही है जिन पर नशा-तस्करी का आरोप था। इन हमलों में अब तक 80 से अधिक लोग मारे जा चुके हैं। ऐसे में ट्रंप ने रक्षा मंत्री हेगसेथ का बचाव करते हुए कहा कि न तो उन्हें और न ही हेगसेथ को दूसरे हमले की जानकारी थी। ट्रंप ने कहा कि मुझे दूसरे हमले के बारे में कुछ नहीं पता था। मुझे बस इतना पता था कि एक नाव को निशाना बनाया गया था।

पहले हमला लाइव देखा- हेगसेथ : दूसरी ओर रक्षा मंत्री हेगसेथ ने कहा कि उन्होंने पहला हमला लाइव देखा, लेकिन उसके बाद अपनी अगली मीटिंग में चले गए। उन्होंने कहा कि कुछ घंटे बाद मुझे दूसरे हमले के बारे में पता चला। मैंने कोई जीवित व्यक्ति नहीं देखा, क्योंकि वह नाव पूरी तरह आग में घिरी हुई थी। हालांकि दूसरे हमले को लेकर व्हाइट हाउस ने बताया कि अमेरिकी स्पेशल ऑपरेशंस कमांड के प्रमुख एडमिरल फ्रैंक मिच ब्रैडली ने दूसरे हमले का आदेश दिया था।

पाकिस्तान सरकार ने रावलपिंडी में धारा 144 लगाई, रैली-जुलूस निकालने पर रोक

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान सरकार ने रावलपिंडी में धारा 144 लगा दी है। यह फैसला पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की मौत की अफवाहों और देश में अशांति फैलने के डर के बीच आया है। इसके तहत 3 दिसंबर तक कोई भी सार्वजनिक सभा, रैली, जुलूस, धरना, प्रदर्शन करने, 5 या उससे ज्यादा लोगों के इकट्ठे होने को पूरी तरह बैन कर दिया गया है। डिप्टी कमिश्नर डॉ. हसन वकार ने इसे लेकर एक आदेश जारी किया है। आदेश में हथियार, लाठी, गुलेल, पेट्रोल बम, विस्फोटक सामग्री ले जाने पर रोक लगा दी गई है। इसके अलावा नफरत भरे भाषण देना, पुलिस की बैरिकेडिंग हटाने की कोशिश करना, दो लोगों के एक मोटरसाइकिल पर पीछे बैठने और लाउडस्पीकर के इस्तेमाल करने पर भी पूरी तरह से रोक लगा दी गई है। यह रोक इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के मंगलवार को इस्लामाबाद हाई कोर्ट के बाहर और रावलपिंडी (अडियाला जेल) में बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन के फैसले के बाद आया है। दावा- संदिग्ध संगठन कानून-व्यवस्था बिगाड़ने की फिराक में आदेश में कहा गया है कि जिला खुफिया समिति ने रिपोर्ट दी है कि कुछ संगठन और तत्व बड़े पैमाने पर लोगों को इकट्ठा करके कानून-व्यवस्था बिगाड़ने की फिराक में हैं। ये लोग संवेदनशील ठिकानों, सरकारी इमारतों और चुनिंदा जगहों पर हमला कर सकते हैं, इसलिए जनता की सुरक्षा और शांति बनाए रखने के लिए ये पाबंदियां लगाई जा रही हैं। पीटीआई नेता बोले- कोर्ट आदेश को लागू करने में नाकाम, इमरान से नहीं मिल पा रहे पीटीआई नेता असद कायसर ने कहा कि संसद के दोनों सदनों से विपक्षी सांसद इस्लामाबाद हाई कोर्ट के बाहर प्रदर्शन करेंगे और फिर अपनी धरना अडियाला जेल ले जाएंगे। उन्होंने कहा, 'प्रदर्शन करने का फैसला इसलिए लिया गया है क्योंकि कोर्ट अपने आदेश को लागू करने में नाकाम रही है और जेल प्रशासन भी कोर्ट के आदेशों का पालन करने को तैयार नहीं है।' पिछले हफ्ते, खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री ने जेल के बाहर धरना दिया था, जब उन्हें आठवीं बार इमरान खान से मिलने से रोका गया। इसी तरह, खान के परिवार के सदस्यों को कई हफ्तों से उनसे मिलने नहीं दिया जा रहा है। न्याय राज्य मंत्री बोले- खैबर पख्तूनख्वा में राष्ट्रपति शासन लगाने की तैयारी इससे पहले पाकिस्तान के न्याय राज्य मंत्री अकील मलिक ने सोमवार को कहा, ' पख्तूनख्वा में सुरक्षा और प्रशासन की हालत बहुत खराब हो चुकी है।' पाकिस्तान सरकार खैबर पख्तूनख्वा (केपी) में राष्ट्रपति शासन लगाने पर विचार कर रही है। जियो न्यूज के मुताबिक मलिक ने कहा, 'खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री सोहेल अफरीदी वहां की स्थिति को सुधारने में बुरी तरह फेल रहे हैं। वह न तो केंद्र सरकार से कोई तालमेल रख रहे हैं और न ही जरूरी जगहों पर कोई कार्रवाई कर रहे हैं। सेना के आदेश पर अफरीदी को पुलिस ने पीटा था।

असीम मुनीर के इशारे पर जेल में किया जा रहा टॉर्चर, बहनों से मुलाकात पर इमरान ने क्या बताया

करांची, एजेंसी। इमरान खान की बहनों ने उनसे मुलाकात के बाद मीडिया से बात की। बैठक के बाद पत्रकारों से बात करते हुए डॉ. खानम ने कहा कि अल्हम्दुलिल्लाह (ईश्वर की स्तुति हो), वह ठीक हैं... लेकिन मानसिक रूप से प्रताड़ित किए जाने से वह नाराज थे। उन्हें पूरे दिन उनकी कोठरी में बंद रखा जाता है... केवल कुछ समय के लिए ही बाहर निकल सकते हैं और उन्हें किसी से बातचीत करने की अनुमति नहीं है। इमरान खान का कहना है कि पाकिस्तानी सेना प्रमुख असीम मुनीर के निर्देश पर उन्हें अदियाला जेल में प्रताड़ित किया जा रहा है। इमरान खान को पाकिस्तानी जेल में एकांत कारावास में रखा गया है और बाहरी दुनिया से उनकी कोई पहुँच नहीं है। इमरान खान की बहनों ने उनसे मुलाकात के बाद मीडिया से बात की। बैठक के बाद पत्रकारों से बात करते हुए डॉ. खानम ने कहा कि अल्हम्दुलिल्लाह (ईश्वर की स्तुति हो), वह ठीक हैं... लेकिन मानसिक रूप से प्रताड़ित किए जाने से वह नाराज थे। उन्हें पूरे दिन उनकी कोठरी में बंद रखा जाता है... केवल कुछ समय के लिए ही बाहर निकल सकते हैं और उन्हें किसी से बातचीत करने की अनुमति नहीं है। उन्होंने अपनी पार्टी के नेतृत्व के साथ-साथ उस अलोकतांत्रिक शासन के लिए भी संदेश दिया, जिसे उन्होंने अलोकतांत्रिक शासन कहा था। हालांकि, सूत्रों ने बताया कि इमरान खान ने यह भी आरोप लगाया कि पाकिस्तान के सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर उस मानसिक यातना के लिए ज़िम्मेदार हैं, जिसका दावा वे जेल में कर रहे हैं। मुलाकात के बाद बोलते हुए उज़मा खान ने कहा कि इमरान जेल प्रशासन से जुड़े कुछ मुद्दों को लेकर नाराज़ थे, हालाँकि उन्होंने इस बात की पुष्टि की कि उनका 'मनोबल अभी भी ऊँचा है। उज़मा की यह यात्रा ऐसे समय में हुई है जब पीटीआई ने इस्लामाबाद उच्च न्यायालय और अदियाला जेल के बाहर प्रदर्शन किया था और इमरान खान के मुलाकात के अधिकार पर लगाए गए गैरकानूनी प्रतिबंधों की निंदा की थी। पार्टी और परिवार ने बार-बार शिकायत की थी कि सप्ताह में दो बार मुलाकात की अनुमति देने वाले अदालती आदेश के बावजूद, कई हफ़्तों से मुलाकात की अनुमति नहीं दी गई थी।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक स्वामी मुद्रक एवं संपादक हरेश पंवार द्वारा शीतल प्रिंटिंग ऑफसेट, प्लॉट नंबर 245 , बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 से मुद्रित एवं प्रकाशित,
मुद्रक मीना, संपादक हरेश पंवार, भीम प्रज्ञा मीडिया हाउस, बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 मो. 9983040937, –mail bheempragya@gmail.com